www.deshbandhu.co.in ख़बरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, गुरुवार, 24 जुलाई, 2025 | वर्ष-18 | अंक -109 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

प्रौद्योगिकी के इस युग में डिजिटल समाधानों ... 02

■ व्यापारियों के हितों का रखा जा रहा ध्यान : रेखा गुप्ता
■ मैटर ने दिल्ली में खोला फ्लैगशिप एक्सपीरियंस हब 03

■ चुनाव में गड़बड़ी करने की कोशिश की और पकड़े गए
■ 14 अगस्त को दिल्ली से 'स्वर्णिम भारत यात्रा' के ... 07

हेलन, रेखा व माधुरी से मिली शिल्पा शेट्टी को खास प्रेरणा 10

सार संक्षेप

ईडी ने मिंत्रा के खिलाफ फेमा का केस दर्ज किया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि उसने मिंत्रा डिजाइन्स प्राइवेट लिमिटेड, उसकी संबंधित कंपनियों और उनके निदेशकों के खिलाफ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 के तहत कथित उल्लंघनों के लिए एक शिकायत दर्ज की है। यह कार्रवाई ईडी के बेंगलुरु क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा की गई है, जिसमें कंपनी पर 1,654.35 करोड़ रुपए के अवैध विदेशी निवेश का आरोप लगाया गया है।

दूसरे स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रचेत' का जलावतरण

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल के लिए बनाये जा रहे दूसरे स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रचेत' का बुधवार को गोवा में जलावरण किया गया। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) इस समुद्री पोत को बना रहा है और इसकी लंबाई 114.5 मीटर, चौड़ाई 16.5 मीटर और वजन 4,170 टन है। दोनों प्रदूषण नियंत्रण पोत अत्याधुनिक उपकरणों से लैस किए जा रहे हैं।

एटीएस ने अलकायदा के चार आतंकियों को किया गिरफ्तार

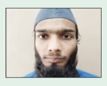

अहमदाबाद। गुजरात की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) को बड़ी सफलता मिली है। एटीएस ने अलकायदा के मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और चार आतंकियों को गिरफ्तार किया। चार आतंकियों में से दो गुजरात से, एक दिल्ली से और एक नोएडा (यूपी) से गिरफ्तार किए गए हैं। आतंकियों की उम्र 20 से 25 साल के बीच बताई जा रही है।

सीमा प्रबंधन सहयोग को मजबूत बनाएंगे भारत-नेपाल

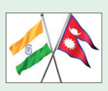

नई दिल्ली। भारत और नेपाल ने द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग और सीमा प्रबंधन से जुड़े मुद्दों की समग्र समीक्षा के बाद इसे और मजबूत बनाने पर सहमति जतायी है। गृह मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि दोनों देशों के बीच गृह सचिव स्तर की वार्ता में यह सहमति बनी। दोनों देशों के बीच अगली बैठक नेपाल में होगी।

बिहार में गंगा का जलस्तर बढ़ा, बाढ़ का खतरा

पटना। बिहार में गंगा नदी एक बार फिर रौद्र रूप धारण कर चुकी है, जिससे लाखों लोगों के जीवन पर खतरा मंडरा रहा है। बक्सर से लेकर भागलपुर जिले के कहलगांव तक गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। नदी के खतरे के निशान को पार करने के बाद फरक्का बैराज के सभी 108 गेट खोल दिए गए हैं। तटबंधों पर अत्यधिक दबाव बढ़ गया है।

लगातार तीसरे दिन भी नहीं चली लोक सभा

बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को वापस लेने की मांग को लेकर विपक्ष का विरोध जारी

■ पहले प्रश्न काल और फिर शून्य काल हुआ बाधित

■ सदन के बीचोबीच आकर सदस्यों ने की नारेबाजी

एसआईआर एक बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है। मैं इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में पेश हो रहा हूं, इसलिए मैं इस पर ज्यादा नहीं कहूंगा। अगर आप सिर्फ कागजी दस्तावेजों के आधार पर कहते हैं कि सभी लोगों का नामांकन हो गया है, तो यह सही नहीं है : **अभिषेक मनु सिंघवी, कांग्रेस सांसद**

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों के अपनी मांगों के समर्थन में जबरदस्त हंगामा करने के कारण लगातार तीसरे दिन बुधवार को भी कोई कामकाज नहीं हो सका। बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को वापस लेने की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे के कारण पहले प्रश्न काल और फिर शून्य काल बाधित हुआ।

पीठासीन अधिकारी की सहयोग की अपील

दो बार के स्थगन के बाद पीठासीन अधिकारी कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने अपराह्न दो बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की, विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए सदन के बीचोबीच आ गए। पीठीसीन अधिकारी ने हंगामे के दौरान कहा कि आज गोवा की जनजातियों से जुड़ा बहुत महत्वपूर्ण विधेयक कार्यसूची में है। गोवा राज्य विधानसभा निर्वाचन-क्षेत्र अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुनर्समायोजन विधेयक 2024 पर चर्चा करनी है। यह आदिवासियों से संबंधित मामला है, इसलिए सभी सदस्यों को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हंगामे के कारण पहले ही दो दिन खराब हो चुके हैं। उन्होंने हंगामा कर रहे सदस्यों से कहा, आप तख्तियां लेकर आए हैं, यह सही नहीं है। आप गोवा की जनजातियों से संबंधित विधेयक पर चर्चा नहीं करना चाहते। श्री तेन्नेटी के बार-बार आग्रह करने के बाद भी हंगामा नहीं रुका, तब उन्होंने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

राज्यसभा में भी एसआईआर पर बढ़ी रार

नई दिल्ली। बिहार में चुनाव आयोग के मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) के विरोध में लामबंद विपक्ष ने लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी राज्यसभा में जोरदार हंगामा किया जिसके कारण दो बार के स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। मानसून सत्र के तीसरा दिन भी बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण का विरोध कर रहे विपक्षी दलों के हंगामे के कारण राज्यसभा में पिछले दो दिन से कोई विधायी कामकाज नहीं हो सका है।

ऑपरेशन सिंदूर पर दोनों सदनों में 16-16 घंटे होगी बहस

लोकसभा में 28, राज्यसभा में 29 जुलाई को चर्चा

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लोकसभा में 28 जुलाई और राज्यसभा में 29 जुलाई को चर्चा होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों सदनों में बहस के लिए 16-16 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत 21 जुलाई को हुई थी। पिछले 3 दिनों से विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर, बिहार वोटर वेरिफिकेशन जैसे मुद्दों पर हंगामा कर रहा है। तीन दिनों में दोनों सदनों में लगातार एक-आधे घंटे भी कार्यवाही नहीं चल सकी।

बिहार विधानसभा में भी एसआईआर पर सवाल

नीतीश और तेजस्वी के बीच हुई तीखी नोक-झोंक

हम एसआईआर के विरोधी नहीं हैं, लेकिन इसकी प्रक्रिया का हम विरोध करते हैं। पारदर्शिता होनी चाहिए और ईमानदारी से निष्पक्ष होकर चुनाव आयोग को काम करना चाहिए था, लेकिन वह नहीं हो रहा है: **तेजस्वी यादव, राजद नेता**

पटना, 23 जुलाई (देशबन्धु)। बिहार विधानसभा में बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बीच तीखी नोक-झोंक हुई। तेजस्वी यादव विधानसभा में एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे थे। उन्होंने सरकार और चुनाव आयोग को भी घेरा। इसी बीच, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तेजस्वी यादव को टोकते हुए उनके आरोपों का जवाब दिया। बिहार विधानसभा में तेजस्वी यादव ने कहा कि संविधान में 18 साल से ऊपर के नागरिक को वोट देने का अधिकार है। हम एसआईआर के विरोधी नहीं हैं, लेकिन इसकी प्रक्रिया का हम विरोध करते हैं। पारदर्शिता होनी चाहिए और ईमानदारी से निष्पक्ष होकर चुनाव आयोग को काम करना चाहिए था, लेकिन वह नहीं हो रहा है।

नीतीश ने लालू राबड़ी का कार्यकाल को याद कराया

मुख्यमंत्री नीतीश ने तेजस्वी यादव के आरोपों पर पलटवार किया। उन्होंने लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के कार्यकाल का याद कराया। नीतीश ने दावा किया कि महिलाओं और मुसलमानों के लिए राष्ट्रीय जनता दल ने कुछ नहीं किया। विधानसभा में मुख्यमंत्री ने कहा, हमने महिलाओं के लिए 50 फीसदी आरक्षण किया।

गाजियाबाद में फर्जी दूतावास का खुलासा

■ नकली 'राजदूत' गिरफ्तार, कैश बरामद

■ विभिन्न देशों का कॉन्सुल एम्बेसडर बताता था

गाजियाबाद, 23 जुलाई (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश एसटीएफ की नोएडा यूनिट ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गाजियाबाद में चल रहे एक फर्जी दूतावास का भंडाफोड़ किया है। एसटीएफ ने एक शातिर ठग हर्ष वर्धन जैन को गिरफ्तार किया है, जो खुद को वेस्ट आर्कटिक, सबोरगा, पोल्विया और लोडोनिया जैसे तथाकथित छोटे देशों का एम्बेसडर बताकर लोगों को धोखा देता था। गिरफ्तार आरोपी हर्ष वर्धन गाजियाबाद के कविनगर क्षेत्र में किराए पर मकान लेकर लंबे समय से कथित 'दूतावास' चला रहा था। वह खुद को विभिन्न देशों का कॉन्सुल जनरल या एम्बेसडर बताता था। इतना ही नहीं, वह प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और अन्य गणमान्य नेताओं के साथ अपनी मॉर्फ की हुई फोटो का प्रयोग कर खुद को प्रभावशाली साबित करता था। एसटीएफ की छापेमारी में हर्ष वर्धन के पास से बड़ी मात्रा में फर्जी दस्तावेज और नकदी बरामद हुई है। आरोपी की गतिविधियां केवल दिखावे तक सीमित नहीं थीं, बल्कि वह अंतरराष्ट्रीय हवाला रैकेट में भी सक्रिय था। वह विभिन्न कंपनियों के माध्यम से प्राइवेट व्यक्तियों को विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर मोटी रकम वसूलता था और इसके बदले ब्रोकरेज के रूप में कमीशन लेता था। बताया गया कि हर्ष वर्धन का संपर्क चर्चित अंतरराष्ट्रीय हथियार डीलर अदनान खगोशी और चंद्रास्वामी जैसे विवादित व्यक्तियों से भी रहा है।

44.70 लाख रुपए नकद बरामद

नोएडा एसटीएफ को उसके पास से डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट लगी 4 गाड़ियां, विभिन्न देशों के 12 डिप्लोमैटिक पासपोर्ट, विदेश मंत्रालय की मोहर लगे कूटरचित दस्तावेज, 2 फर्जी पैनकार्ड, 34 अलग-अलग कंपनियों और देशों की मोहरें, 2 फर्जी प्रेस कार्ड, 44.70 लाख रुपए नकद, कई देशों की विदेशी मुद्रा, 18 डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट और कई कंपनियों से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं। इस पूरे प्रकरण में थाना कविनगर, गाजियाबाद में एफआईआर दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अब संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका का दावा

भारत-पाकिस्तान संघर्ष को सुलझाया था

भारत ने कहा, आपसी बातचीत से सुलझा मुद्दा

संयुक्त राष्ट्र, 23 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को दोहराया है कि उन्होंने मई में भारत-पाकिस्तान के बीच विवाद को सुलझाया था, लेकिन भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि यह मामला द्विपक्षीय रूप से हल किया गया। कार्यवाहक अमेरिकी प्रतिनिधि डोरोथी शीया ने कहा कि पिछले तीन महीनों में 'अमेरिकी नेतृत्व' की भूमिका में जिन तनावपूर्ण संघर्षों को कम किया गया, उनमें भारत और पाकिस्तान के बीच का तनाव भी शामिल है। यह तनाव पहलगाम में 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' की ओर से आतंकवादी हमले के बाद पैदा हुआ था। इसके साथ ही उन्होंने ट्रंप को उस दावे को दोहराया, जो अमेरिकी राष्ट्रपति अक्सर करते आए हैं। डोरोथी ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने दोनों पक्षों को इन प्रस्तावों तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसकी हम सराहना और समर्थन करते हैं।

दूसरी ओर, भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने दृढ़ता से कहा कि यह पाकिस्तान के भारत से अनुरोध पर 'सीधे तौर पर संपन्न' हुआ था। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने जब अपने प्राथमिक लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया, तो पाकिस्तान के अनुरोध पर सैन्य गतिविधियों को सीधे तौर पर रोक कर दिया गया।

राहुल ने मोदी की चुप्पी पर फिर सवाल उठाए

ट्रंप के दावों पर मोदी ने एक बार भी जवाब नहीं दिया

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम समझौते की मध्यस्थता के बार-बार किए गए दावों पर उनकी चुप्पी पर सवाल उठाया। श्री गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए सरकार की विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और ऑपरेशन सिंदूर से निपटने के तरीके पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री क्या बयान देंगे कि श्री ट्रंप ने युद्धविराम की मध्यस्थता की? वह ऐसा नहीं कह सकते। लेकिन सच्चाई यह है कि ट्रंप ने युद्धविराम की मध्यस्थता की थी और पूरी दुनिया यह जानती है। ट्रंप ने कम से कम 25 मौकों पर दावा किया है।

मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट जारी

भारत 2028 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। दिग्गज इन्वेस्टमेंट कंपनी मॉर्गन स्टेनली की ओर से बुधवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। साथ ही, 2035 तक अर्थव्यवस्था का आकार 10.6 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है।

■ भारत की हिस्सेदारी आने वाले दशक में 20 प्रतिशत रहेगी

■ अच्छा सुधार दिखाने वाले राज्यों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश शामिल

मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट में बताया गया कि यह अनुमान इस संभावना पर आधारित है कि 2030 और 2035 के बीच तीन से पांच राज्य (महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक) की अर्थव्यवस्था लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर की होगी और ये शीर्ष 20 वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में रैंकिंग में अच्छा सुधार दिखाने वाले राज्य छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश हैं। मॉर्गन स्टेनली के मुताबिक, दुनिया की कुल जीडीपी वृद्धि में भारत की हिस्सेदारी आने वाले दशक में करीब 20 प्रतिशत रहेगी। ऐसे में कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों की आय वृद्धि के लिए देश काफी अहम बाजार है।

राज्यों की भूमिका महत्वपूर्ण

मॉर्गन स्टेनली के अर्थशास्त्रियों ने कहा, इस परिणाम को सुनिश्चित करने के लिए, अन्य चीजों के अलावा, भारत के 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। राज्य न केवल राजकोषीय प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि उपयुक्त नीतियां बनाकर और प्रोत्साहन देकर व्यावसायिक परिस्थितियों को आसान बनाते हैं। साथ ही, निवेश के लिए प्रतिस्पर्धा भी करते हैं।

जस्टिस वर्मा केस से हटे सीजेआई गवई

■ जल्द ही एक विशेष बेंच का किया जाएगा गठन

■ कपिल सिब्बल की जल्द सुनवाई की मांग थी

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर सुनवाई करने की सहमति दे दी है। इस याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग कपिल सिब्बल ने की थी। सुप्रीम कोर्ट ने भरोसा दिया है कि इस मामले के लिए जल्द ही एक विशेष बेंच का गठन किया जाएगा। हालांकि चीफ जस्टिस बी.आर. गवई इसका हिस्सा नहीं होंगे। वकील कपिल सिब्बल, मुकुल रोहतगी, राकेश द्विवेदी और सिद्धार्थ लूथरा जस्टिस यशवंत वर्मा की ओर से पेश हुए। सिब्बल ने आग्रह करते है कि इस अर्जी पर जल्द सुनवाई के लिए बेंच का गठन करें।

न्यायमूर्ति शेखर यादव का प्रस्ताव भी सौंपा गया था

न्यायमूर्ति शेखर यादव को हटाने के लिए इसी तरह का प्रस्ताव 13 दिसंबर, 2024 को राज्यसभा के सभापति को सौंपा गया था। इससे पहले संसद के मानसून सत्र का आगाज होते ही 145 लोकसभा सांसदों ने जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव के लिए लोकसभा स्पीकर को ज्ञापन सौंपा।

उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू

चुनाव आयोग ने शुरू की तैयारियां

नई दिल्ली, 23 जुलाई (देशबन्धु)। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद अब उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को जारी अपने राजपत्र (गजट) के माध्यम से धनखड़ के इस्तीफे को अधिसूचित किया। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को उपराष्ट्रपति पद के चुनाव आयोजित कराने का अधिकार प्राप्त है। यह चुनाव राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम, 1952 तथा राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव नियम, 1974 के अंतर्गत संपन्न कराया जाता है। निर्वाचन आयोग ने नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

रैंकिंग बिना वीजा 59 देशों की यात्रा कर सकते हैं भारतीय

पासपोर्ट रैंकिंग में 77वें स्थान पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स के मिड-ईयर अपडेट में भारत आठ पायदान ऊपर चढ़कर 77वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत की यह उपलब्धि प्रभावशाली है, क्योंकि पिछले छह महीनों में किसी भी देश की रैंकिंग में यह सबसे बड़ी वृद्धि है। इस वर्ष की शुरुआत में भारत 85वें स्थान पर था।

ब्रिटेन स्थित हेनले पासपोर्ट इंडेक्स, उन देशों के नागरिकों को उनके पासपोर्ट द्वारा दी जाने वाली यात्रा स्वतंत्रता के आधार पर देशों की एक ग्लोबल रैंकिंग है। भारतीयों के लिए आगमन पर वीजा लिस्ट में दो और देशों के शामिल होने के साथ, अब देश को 59 देशों में वीजा-मुक्त प्रवेश मिल गया है। यह रैंकिंग उन गंतव्यों की संख्या को दर्शाती है, जहां पासपोर्ट धारक बिना पूर्व वीजा के प्रवेश कर सकते हैं। मलेशिया, इंडोनेशिया, मालदीव और थाईलैंड कुछ ऐसे देश हैं, जो भारतीय पासपोर्ट धारकों को वीजा-मुक्त प्रवेश प्रदान करते हैं। श्रीलंका, मकाऊ, म्यांमार आदि देश आगमन पर वीजा की सुविधा प्रदान करते हैं। सिंगापुर ने 227 में से 193 गंतव्यों तक वीजा-मुक्त पहुंच के साथ इंडेक्स में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। जापान और दक्षिण कोरिया 190 गंतव्यों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। फ्रांस, जर्मनी और इटली सहित सात यूरोपीय संघ के देश तीसरे स्थान पर रहे। वहीं, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, लक्जमबर्ग, नीदरलैंड, नॉर्वे, पुर्तगाल और स्वीडन चौथे स्थान पर रहे, जबकि न्यूजीलैंड, ग्रीस और स्विट्जरलैंड के साथ पांचवें स्थान पर रहा।

■ ग्लोबल पासपोर्ट इंडेक्स में 8 पायदान ऊपर चढ़ा

ब्रिटेन छठे स्थान पर खिसका

ब्रिटेन 186 गंतव्यों तक पहुंच के साथ छठे स्थान पर खिसक गया, जबकि अमेरिका 182 गंतव्यों के साथ दसवें स्थान पर खिसक गया। यूएई 10 वर्षों में 42वें स्थान से आठवें स्थान पर पहुंच गया। राजनयिक वीजा छूट की नई लहर ने चीन को एक दशक में 34 स्थान ऊपर चढ़कर 2025 में 60वें स्थान पर पहुंचा दिया।

देश

उवाच

संसद के वर्तमान मानसून सत्र के दौरान पहलगाम नरसंहार के मामले में भारत के 'ऑपरेशन सिन्दूर' पर चर्चा के लिए सरकार को सकारात्मक होना चाहिए तो यह बेहतर होगा, क्योंकि देश की जनता व सीमाओं की सुरक्षा अन्तत: सरकार का पूर्ण उत्तरदायित्व बनता है।

–मायावती,बसपा प्रमुख

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	29.0	28.0
मुंबई	27.0	26.0
कोलकाता	35.0	27.0
चेन्नई	30.0	28.0

प्रौद्योगिकी के इस युग में डिजिटल समाधानों का एकीकरण अत्यंत आवश्यक : द्रौपदी मुर्मु

रक्षा संपदा सेवा के अधिकारियों को राष्ट्रपति ने किया संबोधित

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रक्षा संपदा सेवा अधिकारियों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन-आधारित भूमि सर्वेक्षण, उपग्रह चित्र और संपत्तियों के रिकॉर्ड के रख रखाव के लिए ब्लॉकचेन जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का कामकाज में इस्तेमाल करने को कहा है। मुर्मु ने बुधवार को यहां भारतीय रक्षा संपदा सेवा, सैन्य अभियंता सेवा और केंद्रीय जल अभियांत्रिकी सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के साथ राष्ट्रपति भवन में मुलाकात के दौरान यह बात कही। रक्षा संपदा सेवा के अधिकारियों को

कृत्रिम बुद्धिमत्ता व ब्लॉकचेन जैसे अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करें अधिकारी : मुर्मु

संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी के इस युग में डिजिटल समाधानों का एकीकरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी में प्रगति से अवगत रहना और उन्हें कामकाज में लाना उनका कर्तव्य है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन-आधारित भूमि सर्वेक्षण, उपग्रह चित्र और संपत्ति रिकॉर्ड रख रखाव के लिए ब्लॉकचेन अब भविष्य की अवधारणाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि यह शासन का हिस्सा बन रही हैं। उन्होंने अधिकारियों से बुनियादी ढांचे के विकास में पर्यावरण-अनुकूल पद्धतियों को अपनाने, नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को अपनाने, अपव्यय को कम करने और छावनियों में जल संरक्षण सुनिश्चित करने की सलाह दी। केंद्रीय जल अभियांत्रिकी सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के साथ राष्ट्रपति भवन में मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि एमईएस 'आत्मनिर्भर भारत' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत स्वदेशी सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों के उपयोग को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। केंद्रीय जल अभियांत्रिकी सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि जल संसाधनों का सतत विकास और कुशल प्रबंधन जल सुरक्षा और विकास की कुंजी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ जल और जल संरक्षण को बढ़ावा देकर जन स्वास्थ्य में सुधार, कृषि उत्पादकता को बढ़ावा और प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग सुनिश्चित किया जा सकता है।

नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाने पर ध्यान केंद्रित करने पर दिया जोर

सैन्य अभियंता सेवा (एमईएस) के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सैन्य निर्माण के क्षेत्र में उभरते नेतृत्व के रूप में, युवा एमईएस अधिकारियों की न केवल निर्माण, बल्कि जिम्मेदारी के साथ निर्माण करने की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि उन्हें सतत विकास को बढ़ावा देने और रक्षा अवसंरचना के कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

मोदी ने आजाद, तिलक को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, 23 जुलाई (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को दो महान स्वतंत्रता सेनानियों, चंद्रशेखर आज़ाद और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके साहस, दृढ़ विश्वास और देश के स्वतंत्रता संग्राम पर उनके अमिट प्रभाव की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद और लोकमान्य तिलक की विरासत देश की पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, चंद्रशेखर आजाद को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। वे अद्वितीय वीरता और साहस के प्रतीक थे। भारत की स्वतंत्रता में उनकी भूमिका को बहुत महत्व दिया जाता है और वे हमारे युवाओं को साहस और दृढ़ विश्वास के साथ न्याय के लिए खड़े होने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

लोकमान्य तिलक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, वे एक अग्रणी नेता थे जिन्होंने अटूट विश्वास के साथ भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की भावना को प्रज्वलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे एक उत्कृष्ट विचारक भी थे जो ज्ञान और दूसरों की सेवा की शक्ति में विश्वास करते थे। स्वतंत्रता सेनानी तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 में हुआ था और उन्होंने निडरता से ब्रिटिश शासन को चुनौती दी और दो प्रभावशाली साप्ताहिक पत्रिकाएँ, केसरी और मराठा, प्रकाशित कीं। वर्ष 1914 में इंडियन होमरूल लीग के अध्यक्ष के रूप में, तिलक ने पूरे देश में राष्ट्रवादी भावनाओं को जागृत किया। वर्ष 1906 में जन्मे क्रांतिकारी युवा चंद्रशेखर आज़ाद ने देश की आजादी की लड़ाई में अपना बलिदान दे दिया। वे महान भगत सिंह के सहयोगी थे।

घुसपैठियों को वोटर बनाने की कोशिश कर रहे तेजस्वी : ऋतुराज

तेजस्वी पर लगाया जानबूझकर सत्र को बाधित करने का आरोप

पटना,23 जुलाई (देशबन्धु)। बिहार विधानसभा सत्र के दौरान, भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और उसके नेता तेजस्वी यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव जानबूझकर सत्र को बाधित कर रहे हैं और निराधार मुद्दों पर हंगामा कर रहे हैं। सिन्हा ने राजद से यह स्पष्ट करने को कहा कि क्या वे उन 17-18 लाख लोगों के वोटर कार्ड को चालू रखना चाहते हैं, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं। उन्होंने सवाल उठाया, क्या उनका वोटर कार्ड चालू रहना चाहिए या चुनाव आयोग को उनको बंद करना चाहिए। ऋतुराज ने आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव की असली आपत्ति चुनाव आयोग द्वारा 25-26 जुलाई तक किए जा रहे वोटर वेरिफिकेशन पर है। उन्होंने दावा किया कि तेजस्वी यादव घुसपैठियों के वोटिंग

- **मृत व फर्जी मतदाताओं पर हंगामे के पीछे घुसपैठियों को बचाने की साजिश रचने का लगाया आरोप**
- **ऋतुराज ने तेजस्वी यादव से जनता को झूठ बोलना और भय फैलाना बंद करने का आग्रह किया**

अधिकार को बचाने की बात कर रहे हैं और 1 अगस्त से शुरू होने वाली नए वोटर बनाने की प्रक्रिया का दुरुपयोग करने की फिराक में हैं। सिन्हा ने कहा कि हम सब देखेंगे और आपके सामने आएगा कि सर्वाधिक नए वोट के आवेदन कहां लग रहे हैं, बिहार के किन प्रांतों में लग रहे हैं, किन लोगों के लग रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि जल्द ही दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा और तेजस्वी यादव का घुसपैठियों का संरक्षण करने का ड्रामा सबके सामने आ जाएगा। ऋतुराज ने तेजस्वी यादव से जनता को झूठ बोलना और भय फैलाना बंद करने का आग्रह किया। सिन्हा ने 2024 के चुनाव से पहले विपक्ष द्वारा आरक्षण और संविधान के खतरे में पड़ने के ड्रामे की भी याद दिलाई।

उन्होंने दृढ़ता से कहा कि अब घुसपैठियों को बिहार लाकर, वोटर बनाकर अपने वोट बैंक की राजनीतिक रोटी सेकने का जो आपका लक्ष्य है, यह कभी भारतीय जनता पार्टी पूरा नहीं होने देगी तेजस्वी जी, ये बिहार है बंगाल नहीं। मृत और फर्जी मतदाताओं पर हंगामे के पीछे घुसपैठियों को बचाने की साजिश सफल नहीं होने देंगे।

सार संक्षेप

लखीसराय से चुनाव लड़े तेजस्वी यादव : विजय सिन्हा

पटना। विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बुधवार को जिस तरह से डिप्टी सीएम विजय सिन्हा को लेकर बयान दिया। उसके बाद अब विजय सिन्हा ने तेजस्वी यादव पर पलटवार किया है। उन्होंने तेजस्वी को लखीसराय से चुनाव लड़ने की चुनौती दी है। विजय सिन्हा ने कहा कि 'सदन की मर्यादा को अपशब्दों से रौंदने वाला, जनता की समस्याओं पर मौन और अपनी वंशवादी राजनीति पर गर्व करने वाले तेजस्वी यादव, सुन लीजिए हिम्मत है तो लखीसराय आकर चुनाव लड़िए। सोने की चम्मच मुंह में लेकर जन्म लेने वाले, जन्मदिन भी चार्टर्ड प्लेन में मनाने वाले, जनता की धूल से दूर रहने वाले युवराज को ये भ्रम हो गया है कि सत्ता खानदानी विरासत है। लेकिन 2025 में जनता का जनादेश, आपके घमंड का समाधि बनेगा।

बांदीपोरा में हथियारों के साथ तीन लोग गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सुरक्षा बलों ने मंगलवार देर रात तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। अधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि सुरक्षा बलों की संयुक्त रूप से स्थापित एक सुरक्षा चौकी को देखकर संदिग्धों ने भागने का प्रयास किया जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने उनका पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। उन्होंने कहा कि तीनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनके कब्जे से कुछ हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

आर्य प्रतिभा छात्रवृत्ति 2025 में 14 राज्यों से आए छात्रों ने भाग लिया

नई दिल्ली। भारत की एकमात्र समावेशी छात्रवृत्ति योजना, सिविल सेवा के आकांक्षी छात्रों के लिए आर्य प्रतिभा छात्रवृत्ति परीक्षा 2025 का आयोजन किया गया, जिसमें भारत के 14 राज्यों से 198 महत्वाकांक्षी छात्रों ने भाग लिया। आर्य समाज के निरीक्षण में दयानंद सेवाश्रम संघ द्वारा स्थापित आर्य प्रतिभा विकास संस्थान की यह अनोखी पहल देश की एकमात्र ऐसी योजना है, जो सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं को आवास, कोचिंग, मेंटरशिप और भोजन जैसी संपूर्ण सुविधाएँ निःशुल्क प्रदान करती है। इस वर्ष के प्रतिभागी दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और जम्मू-कश्मीर जैसे विविध क्षेत्रों से आए थे, जो इस पहल की व्यापक पहुँच और समावेशिता को दर्शाता है।

मप्र में वाहन की चपेट में आने से चार कांवड़ियों की मौत

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने की राहत राशि की घोषणा

ग्वालियर/भोपाल, 23 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में एक अनियंत्रित वाहन की चपेट में आने से चार कांवड़ यात्रियों की मौत के मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने परिजन के लिए चार-चार लाख रुपए की राहत राशि की घोषणा की है। डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ग्वालियर में सड़क हादसे में पवित्र कांवड़ यात्रा के दौरान चार कांवड़ियों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। सादर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बाबा महाकाल से प्रार्थना है कि दिवंगतों की पुण्यात्मा को शांति प्रदान कर अपने श्री चरणों में स्थान दें। प्रत्येक मृतक के निकटतम परिवारजनों को राज्य शासन द्वारा 4-4 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। शोकाकुल परिवारजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर उन्हें अपार दु:ख सहन करने का संबल प्रदान करें। ग्वालियर जिले में मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात हुए एक भीषण सड़क हादसे में चार कांवड़ियों की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। कंपू पुलिस सूत्रों के अनुसार शीतला माता हाईवे पर एक तेज रफ्तार कार कांवड़ियों को कुचलते हुए पलट गई। कांवड़िए गंगा जल भरकर वापस अपने गांव लौट रहे थे। जलाभिषेक करने के लिए सभी लोग भदावना से कांवड़ भरकर सिड़ाना गांव जा रहे थे। इसी बीच एक बेकाबू कार ने लगभग दर्जन भर कांवड़ियों को रौंद डाला।

संसद में काले धन पर उठा सवाल तो सरकार ने दिया जवाब

वित्त राज्यमंत्री बोले, दस सालों में काले धन से जुड़े मामलों में 338 करोड़ की वसूली की गई

■ जोगेंद्र सोलंकी

नई दिल्ली, 23 जुलाई (देशबन्धु)। भारत में कालेधन का मामला लंबे समय से चला रहा है। काले धन का मामला एक बार फिर संसद में उठा है। उत्तर प्रदेश से समाजवादी पार्टी के सांसद जावेद अली खान ने पूछा कि क्या स्विस बैंकों में जमा भारतीय संपत्ति तीन गुना से अधिक बढ़ गई है, इस पर वित्त राज्य मंत्री ने लिखित में जवाब दिया कि पिछले 10 सालों में काला धन से जुड़े मामलों में 338 करोड़ रुपए की वसूली की गई है।

सांसद जावेद अली खान की ओर से राज्यसभा में कालेधन से जुड़े कई सवाल पूछे गए, क्या स्विस नेशनल बैंक के अनुसार, 2024 में स्विस बैंकों में जमा भारतीय धन तीन गुना से अधिक बढ़कर 3.5 बिलियन स्विस फ्रैंक यानी करीब 37,600 करोड़ रुपए हो गया है, जो 2021 के बाद का उच्चतम स्तर है। साथ ही यह भी पूछा गया कि 2022, 2023, 2024 और 2025 के दौरान अब तक विदेशी खातों से वापस लाए गए काले धन का साल के हिसाब से और देश के हिसाब से ब्यौरा क्या है। इस पर सरकार ने बताया कि स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) के आंकड़ों पर आधारित कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में जिक्र किया गया है कि स्विस बैंकों में भारतीयों द्वारा जमा की गई धनराशि 2024 में पिछले साल की तुलना में बढ़ी है। मीडिया रिपोर्टों में उल्लेख किया गया है कि स्विस अधिकारियों के अनुसार, एसएनबी के आंकड़ों में, अन्य बातों के साथ-साथ, ग्राहकों की जमा राशि (किसी भी देश में स्थित स्विस बैंकों की विदेशी शाखाओं सहित), अन्य देनदारियों के साथ-साथ बैंकों को देय राशि भी शामिल है। स्विस अधिकारियों ने बताया है कि एसएनबी के सालाना बैंकिंग आंकड़ों का उपयोग स्विट्जरलैंड में भारतीय नागरिकों की जमा राशि के विश्लेषण के लिए नहीं किया जाना चाहिए। आगे यह भी कहा गया है कि स्विट्जरलैंड 2018 से ऑटोमैटिक एक्सचेंज ऑफ इंफार्मेशन फ्रेमवर्क के तहत भारतीय लोगों के बारे में सालाना वित्तीय जानकारी उपलब्ध करा रहा है। भारतीय अधिकारियों को पहला डेटा ट्रांसमिशन सितंबर 2019 में हुआ था, और तब से यह लगातार जारी है। इसके अलावा, भारत 100 से अधिक विदेशी कर क्षेत्राधिकारों से विदेशी संपत्तियों और आय के बारे में जानकारी हासिल करता है।

टैक्स चोरी मामले में की जाती है उचित कार्रवाई : सरकार

सरकार के अनुसार, जब भी टैक्स चोरी का कोई मामला सामने आता है, तो डायरेक्ट टैक्स कानूनों के तहत उचित कार्रवाई की जाती है, जिसमें तलाशी, सर्वेक्षण, पूछताछ, आय का आकलन, कर, जुर्माना आदि लगाना और जहां भी लागू हो, आपराधिक अदालत में अभियोजन शिकायत दर्ज करना शामिल है। सरकार ने बताया कि 1 जुलाई, 2015 को बीएमए लागू होने के बाद से, 1 जुलाई, 2015 से 30 सितंबर, 2015 तक बीएमए के तहत एकमुश्त तीन महीने की अनुपालन अवधि में 4164 करोड़ रुपए मूल्य की अघोषित विदेशी संपत्ति से संबंधित 684 खुलासे किए गए। इन मामलों में टैक्स और जुर्माने के रूप में जमा की गई राशि करीब 2476 करोड़ रुपए थी। इसके अलावा, 31 मार्च तक, काला धन (अघोषित विदेशी आय और संपत्ति) और कर अधिरोपण अधिनियम, 2015 के तहत 1021 एसेसमेंट पूरे किए जा चुके हैं। कुल 163 अभियोजन शिकायतें भी दर्ज की गई हैं और कुल 35,105 करोड़ रुपए का टैक्स एकत्र किया गया है। खास बात है कि 1 जुलाई 2015 से 31 मार्च 2025 तक काला धन (अघोषित विदेशी आय और संपत्ति) एवं कर अधिरोपण अधिनियम, 2015 यानी के अंतर्गत कर, जुर्माना और ब्याज के साथ 338 करोड़ रुपए की वसूली की गई है।

चोल सम्राट के प्रतीकों का जीर्णोद्धार करेगी तमिलनाडु सरकार : स्टालिन

मोदी के संभावित दौरे के मद्देनजर स्टालिन ने की घोषणा

चेन्नई, 23 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा है कि महान सम्राट राजेंद्र चोल द्वारा गंगा के मैदानों में अपने सफल सैन्य अभियान की स्मृति में स्थापित विजय स्तंभ को उसके प्राचीन गौरव के अनुसार पुनर्स्थापित किया जाएगा। वर्तमान समय में यह अरियालुर जिले में जीर्ण शीर्ण अवस्था में है।

स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में सम्राट राजेंद्र की महानता का वर्णन करते हुए लिखा मुझे चोल गंगम के जीर्णोद्धार और इसके जल संसाधन विकास के साथ-साथ इस स्थान को एक पर्यटक आकर्षण के रूप में विकसित करने की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 27 जुलाई को चेन्नई से 250 किलोमीटर दक्षिण स्थित गंगईकोंडा चोलपुरम में सम्राट राजेंद्र चोल की 1000वीं जयंती में भाग लेने और एक स्मारक सिक्का जारी करने की उम्मीद है। ऐसे में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार इस वीर तमिल राजा से जुड़े किसी भी मुददे का श्रेय भारतीय जनता पार्टी को नहीं लेने देना चाहती है। सम्राट राजराज चोल के पुत्र राजेंद्र प्रथम की जयंती तमिल माह आदि के तिरुवाथिरई नक्षत्र में मनाई जाती है। यह गंगईकोंडा चोलपुरम स्थित बृहदेश्वर मंदिर में मनाई जाती है जो ग्रेनाइट से निर्मित अद्भुत तंजावुर विशाल मंदिर की प्रतिकृति है। नेवेली शहर के पास स्थित अब यह गुमनाम शहर 250 वर्षों से भी अधिक समय तक चोल वंश की एक जीवंत राजधानी रहा था।

'आदि तिरुवथिरई' को किया था सरकारी समारोह घोषित

द्रमुक सरकार ने ही 2021 में राजेंद्र की जयंती 'आदि तिरुवथिरई' को एक सरकारी समारोह घोषित किया था। उन्होंने कहा ' मैंने चोल इतिहास की श्रेष्ठता और उनके विशाल समुद्री व्यापार को प्रदर्शित करने के लिए एक संग्रहालय की आधारशिला रखी थी। यह संग्रहालय बहुत ही खूबसूरती से बन रहा है।'

बांग्लादेश मानवाधिकार वॉच ने विमान हादसे मारे गए लोगों के प्रति शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली 23 जुलाई (एजेंसियां)। हम आपके समक्ष अत्यंत भारी मन से उपस्थित हुए हैं, क्योंकि पूरा देश माइलस्टोन स्कूल एंड कॉलेज, दिआबाड़ी, ढाका में बांग्लादेश वायुसेना के प्रशिक्षण विमान के दर्दनाक हादसे के बाद गहरे शोक और पीड़ा में डूबा हुआ है। एक सामान्य दिन की अपेक्षा के विपरीत, यह प्रशिक्षण विमान स्कूल परिसर पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे कई मासूम बच्चों, समर्पित शिक्षकों, अभिभावकों और युवा पायलट की मृत्यु हो गई या वे घायल हो गए। इस हादसे ने पूरे समुदाय को झकझोर कर रख दिया है। बांग्लादेश मानवाधिकार वॉच ने दिल्ली के प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता का आयोजन किया जिसमें विमान हादसे मारे गए लोगों के प्रति शोक व्यक्त किया। यह त्रासदी ऐसे समय में हुई है जब कुछ ही दिन पहले ग़ोपालगंज ज़िले में अंतरिम शासन के निर्देश पर सुरक्षा बलों द्वारा बड़े पैमाने पर दमन, हिंसा और नरसंहार किया गया। इस भयावह पृष्ठभूमि में भी, अंतरिम शासन ने जनता की वैध पीड़ा पर संवेदनशीलता दिखाने के बजाय क्रूरता से जवाब दिया है।

पटना में विधानसभा घेराव के दौरान जनसुराज के कार्यकर्ता व पुलिसकर्मी भिड़े

पुलिस लाठीचार्ज में कई कार्यकर्ता हुए घायल

पटना,23 जुलाई (देशबन्धु)। बिहार की राजधानी पटना में बुधवार को जन सुराज पार्टी के कार्यकर्ता विधानसभा का घेराव करने सड़कों पर उतर आए। पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के नेतृत्व में भारी संख्या में कार्यकर्ता पटना एयरपोर्ट के रास्ते विधानसभा की ओर कूच कर रहे थे। लेकिन चितकोहरा गोलंबर के पास पुलिस ने उन्हें रोक दिया, जिसके बाद हालात बिगड़ गए। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच पहले धक्का-मुक्की हुई और फिर हालात नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इस दौरान कई कार्यकर्ता घायल हो गए। एक प्रदर्शनकारी के सिर से खून बहने का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जन सुराज पार्टी ने पुलिस पर बर्बरता का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि शांतिपूर्ण ढंग से विधानसभा का घेराव कर रहे

कार्यकर्ताओं पर बर्बर लाठीचार्ज किया गया। जिसमें कई लोगों को गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंचे प्रशांत किशोर ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह जंग की शुरुआत है। सरकार हमें दबाना चाहती है, लेकिन हम ऐसा जवाब देंगे कि पूरा बिहार देखेगा। हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनके घर में घेर लेंगे। पुलिस हमें नहीं रोक सकती। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा का मानसून सत्र इन दिनों चल रहा है, जिसके चलते विधानसभा परिसर और आसपास के इलाकों में भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

आस्था | *हिमलिंग के पिघलने के बावजूद आस्था कायम*

पिछले 21 दिनों में साढ़े तीन लाख को छू गया श्रद्धालुओं का आंकड़ा

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 23 जुलाई (देशबन्धु)। चाहे इस बार वार्षिक अमरनाथ यात्रा के आरंभ होने के मात्र 8 दिन में ही अमरनाथ यात्रा का प्रतीक हिमलिंग पिघल गया पर हिमलिंग के पिघलने के बावजूद आस्था कायम है। दरअसल भक्तों में यात्रा को लेकर लगातार उत्साह होता है। यही कारण है कि कई वर्षों से यात्रा के पहले सप्ताह में हिमलिंग पूरी तरह से पिघल जाता है बावजूद इसके भक्तों में यात्रा को लेकर उत्साह बना रहता है।

इसी उत्साह और आस्था का परिणाम है कि हिमलिंग के पिघल जाने के बावजूद 21 दिनों में यात्रा में शिरकत करने वालों ने साढ़े तीन लाख के आंकड़े को पार कर लिया था। वैसे इस बार यात्रा शुरू होने से पहले बाबा बर्फानी का आकार करीब 22 फीट था। एक सप्ताह बाद ही यह पूरी तरह से पिघल गया था। अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने हालांकि हिमलिंग को पिघलने से रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं। पहले हेलीकॉप्टर पवित्र गुफा के बाहर कुछ दूरी पर उतरता था। उस समय यह कहा गया कि इसी कारण हिमलिंग जल्द पिघल जाता है। इसके बाद श्राइन बोर्ड ने हेलीकॉप्टर को पवित्र गुफा से पांच किमी दूर पंजतरणी में उतारना शुरू किया और इस बार इस सेवा को स्थगित कर दिए जाने के बावजूद हिमलिंग को पिघलने से नहीं बचाया जा सका। यह पहली बार नहीं था कि अमरनाथ यात्रा का प्रतीक हिमलिंग इतनी जल्दी पिघला हो। पहले भी यह पिघल जाया करता था। कई बार तो ऐसा भी हुआ है कि अमरनाथ यात्रा की शुरुआत से पहले ही हिमलिंग पिघल चुका होता था पर हिमलिंग का पिघलना यात्रा पर कोई ज्यादा असर नहीं छोड़ पाया है। यह इसी से स्पष्ट होता है हिमलिंग के पिघलने के बाद यात्रा में 2 लाख से अधिक श्रद्धालु शामिल हो चुके हैं। हालांकि यह सच्चाई है कि अब यात्रा में शामिल होने वालों की संख्या लगातार कम होती जा रही है पर उसके लिए हिमलिंग के पिघलने को दोषी नहीं ठहराया जा सकता बल्कि कश्मीर के मौसम के हालात इसके लिए दोषी ठहराए जा सकते हैं। यह सच है कि अमरनाथ यात्रा समय से पहले ही सिमटनी शुरू हो गई है। श्रद्धालुओं में जोश तो है, लेकिन संख्या में भारी गिरावट आ गई है। यात्रा की अवधि 38 दिन की है। ऐसे में काफी पहले से ही श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आनी शुरू हो गई है। वर्ष 2014 के एक महीने में पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिमलिंग के दर्शन कर लिए थे। यात्रा के अंतिम दिन तक हिमलिंग था। इस बार बाबा पहले ही अंतर्धान हो गए हैं। यात्रा 3.50 लाख का आंकड़ा पार कर गई है। देशभर में बाढ़ और यात्रा पंजीकरण के लिए आवश्यक स्वास्थ्य प्रमाणपत्र का असर यात्रा पर पड़ा है। साधुओं की संख्या में इस बार काफी कमी देखी गई। हिमलिंग को सुरक्षित रखने के उपाए पूरी गुफा के भीतर लोहे की ग्रिल लगाई गई है। 3 जुलाई को शुरू हुई यात्रा 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी। अभी यात्रा 17 दिन शेष हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं में बहुत मायूसी जरूर होती है, मगर उनमें यात्रा को लेकर पहले की तरह ही उत्साह बरकरार है।

■ **यात्रा शुरू होने से पहले बाबा बर्फानी का आकार 22 फीट था**

मरीज : डॉक्टर साहब ऑपरेशन पूरी सावधानी से करिएगा ?
डाक्टर : ऐसा क्यूं कहा ?
मरीज : क्यूकि सर्जन और विसर्जन में बस जरा सा ही अंतर है ?
ऑपरेशन सही हुआ तो आप सर्जन और अगर हाथ हिल गया तो मेरा विसर्जन...

व्यापारियों के हितों का रखा जा रहा ध्यान : रेखा गुप्ता

पहले की सरकारों पर लगाया दिल्ली के कारोबारियों का शोषण करने का आरोप

नई दिल्ली, 23 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार दिल्ली के कारोबारियों के हितों के लिए कई योजनाओं पर काम कर रही है। दिल्ली सरकार व्यापारियों के कारोबार को सुगम बनाने के लिए कुशल इंन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने में जुट गई है, ताकि वे राजधानी में सुविधापूर्वक व्यापार कर पाएं।

मुख्यमंत्री का यह भी कहना है कि व्यापारियों की समस्याओं को सुलझाने और उन्हें भयमुक्त व्यापार करने की दिशा में ही सरकार ने 'दिल्ली ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड' का गठन किया है। दिल्ली सचिवालय में बुधवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से राजधानी के व्यापारिक संगठन भारतीय उद्योग मंडल के प्रतिनिधियों ने उनसे मुलाकात की थी। व्यापारियों से बातचीत के बाद मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि उनकी सरकार दिल्ली के कारोबारी चरित्र को यथावत तो रखेगी ही साथ ही उनको उचित सुविधाएं देने के लिए भी कई योजनाओं पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के बाजारों को अन्यत्र शिफ्ट करने की कोई योजना नहीं है। हम चाहते हैं कि दिल्ली का कारोबार खूब फले-फूले, उससे दिल्ली का रेवेन्यू बढ़ेगा जो दिल्ली के विकास में काम आएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि पुरानी दिल्ली के बाजारों के विकास को लेकर हमारी सरकार ब्लू प्रिंट तैयार करने में जुट गई है। हम यहां के बाजारों का पुनर्विकास करने की योजना पर काम कर रहे हैं। दिल्ली सरकार चाहती है कि पुरानी दिल्ली में दुकानें, छोटे गोदाम और ऑफिस यहीं पर रहे। उनके सामान के स्टोरेज के लिए दिल्ली के बाहरी इलाकों में वेयरहाउस व बड़े गोदाम बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि पहले की सरकारों ने दिल्ली के कारोबारियों का शोषण किया है और दिल्ली के बाजारों का चरित्र बिगाड़ने में लगातार षडयंत्र किए। हमारी सरकार ने व्यापारियों के लिए 'दिल्ली ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड' बनाया हे, जिसमें व्यापारियों को भी शामिल किया है, ताकि उनकी समस्याओं की सही जानकारी व उनका निदान किया जा सके। मुख्यमंत्री यह भी जानकारी दी कि इस बोर्ड के 15 सदस्यों में 9 सदस्य व्यापारी वर्ग से लिए गए हैं। इस बोर्ड का उद्देश्य व्यापारी समुदाय को सशक्त बनाने, उन्हें सामाजिक सुरक्षा देने तथा उनके व्यापार को अधिक सुविधा-संपन्न बनाने के लिए किया गया है। यह वैधानिक बोर्ड सरकार व व्यापारियों के बीच पुल का काम करेगा, व्यापारियों से जुड़े मुद्दे और प्रक्रियाओं को सरल बनाएगा, रोजगार और निवेश को बढ़ावा देगा व उनके आर्थिक हितों के लिए कल्याण कोष का संचालन भी करेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली के कारोबारी अब अकेले नहीं हैं। उनकी सुरक्षा, कल्याण और समृद्धि के लिए सरकार उनके साथ खड़ी है। यह बोर्ड एक संस्था नहीं बल्कि सरकार का अपने व्यापारियों पर भरोसा है। मुख्यमंत्री के अनुसार यह बोर्ड केवल नीतिगत योजनाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्राकृतिक आपदा, आग, बाढ़, जैसी आपात स्थितियों में व्यापारियों को राहत और मुआवज़े पर विचार करेगा।

दिल्ली ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड से सुलझेंगी व्यापारियों की समस्याएं : रेखा गुप्ता

डिजिटल स्वास्थ्य सेवा परिवर्तन के लिए एचआईएमएस का आज करेंगी शुभारंभ

राजधानी के चिकित्सा व स्वास्थ्य प्रणाली में एक बड़ा व ऐतिहासिक बदलाव होने जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में औपचारिक रूप से अस्पताल सूचना प्रबंधन प्रणाली एचआईएमएस का आधिकारिक रूप से शुभारंभ करेंगी। यह सिस्टम राजधानी दिल्ली में कागज़ रहित, तकनीक-सक्षम स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। मुख्यमंत्री इसके अलावा गुरुवार को ही ऑनलाइन 34 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, 8 जन औषधि केंद्रों का उद्घाटन भी करेंगी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह करेंगे। डिजिटल हेल्थकेयर ट्रांसफॉर्मेशन के लिए एचआईएमएस की शुरुआत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से विकसित नेक्स्टजेन हॉस्पिटल इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम की शुरुआत इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण होगी। यह पहल राजधानी की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में एक परिवर्तनकारी कदम है, जो एक पूर्णतः डिजिटाइज्ड, एकीकृत और पेपरलेस स्वास्थ्य प्रणाली की ओर बढ़ने का संकेत देती है।

मैटर ने दिल्ली में खोला फ्लैगशिप एक्सपीरियंस हब

नई दिल्ली, 23 जुलाई (देशबन्धु)। मैटर मोटर वर्क्स ने राष्ट्रीय राजधानी में अपना पहला एक्सपीरियंस हब खोल दिया है। अपने रिटेल फुटप्रिंट को बढ़ाने की कंपनी की रणनीति की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। उत्तरी दिल्ली के आदर्श नगर में स्थित नए हब को को खोला गया। यह ग्राहकों के लिए एक सेंट्रल टचपाइंट की तरह काम करेगा, जहां उन्हें भारत की पहली गियर वाली मोटर साइकिल मैटरा एरा को जानने, टेस्ट ड्राइव करने और खरीदने का मौका मिलेगा। हब का उद्घाटन मैटर की लीडरशिप टीम, उद्योग जगत के प्रमुख लोगों और डीलर पार्टनर रघुविंदर मोहन चौहान की उपस्थिति में किया गया। दिल्ली में परिचालन की कमान रघुविंदन मोहन ही संभालेंगे। मैटर मोटर के सह-संस्थापक मोहल लालभाई ने कहा कि दिल्ली सिर्फ देश का सबसे बड़ा टू-व्हीलर मार्केट ही नहीं है, बल्कि यह ऐसी जगह है, जहां के ग्राहक नई टेक्नोलॉजी को अपनाने के लिए तत्पर रहते हैं। इस लॉन्चिंग को लेकर रघुविंदर मोहन चौहान ने कहा, 'मैटर को राजधानी दिल्ली में पेश करना एक सम्मान की बात है। बात जब इनोवेशन को अपनाने की हो, तो दिल्ली हमेशा आगे रही है और हमने यहां एरा को लेकर अच्छी प्रतिक्रिया देखी है। इस एक्सपीरियंस हब के माध्यम से हम ग्राहकों को केवल बाइक नहीं दे रहे हैं, बल्कि उन्हें राइडिंग के भविष्य की झलक दिखा रहे हैं।

सार संक्षेप

रॉयल ओक दे रहा मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में योगदान

नई दिल्ली। देश का नंबर1 फर्नीचर ब्रांड, रॉयलओक अब लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी योगदान दे रहा है। दिल्ली-एनसीआर और आगरा क्षेत्र में ब्रांड के कई स्टोर्स संचालित हो रहे हैं। ऐसे में, रॉयलओक किफायती कीमतों पर फर्नीचर और होम डेकोर की विस्तृत रेंज उपलब्ध कराकर घर का एक ऐसा वातावरण बनाने में मदद कर रहा है, जो मानसिक शांति और आराम का अनुभव कराए, वह भी 70 प्रतिशत तक की छूट के साथ। शोध बताते हैं कि जब घर का इंटीरियर सोच-समझकर तैयार किया जाता है, जिसमें हल्की रोशनी, सौम्य रंग, प्राकृतिक सामग्री और आरामदायक फर्नीचर पर विचार किया जाता है, तो वह तनाव और चिंता के स्तर को काफी हद तक कम कर सकता है। आलीशान सोफा, वुडन टेक्सचर्स और सुकून देने वाले रंग मिलकर ऐसा शांत माहौल तैयार करते हैं, जो मन को सुकून देने और तनाव कम करने में सहायक होता है।इस अवसर पर बात करते हुए, रॉयल ओक फर्नीचर के चेयरमैन व फाउंडर ने कहा कि रॉयल ओक में हमारा उद्देश्य सिर्फ फर्नीचर बेचना ही नहीं, बल्कि किफायती दामों पर बेहतरीन गुणवत्ता के साथ ही ग्राहकों को संपूर्ण जीवनशैली का अनुभव करना है।

सरकारी स्कूलों को मिलेगी सभी सुविधाएं : आशीष सूद

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि राजधानी के सरकारी स्कूल प्राइवेट स्कूलों से कम नहीं है और सरकार उन्हें हर प्रकार की सुविधा मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सूद ने बुधवार को यहां चिराग दिल्ली स्थित सर्वोदय कन्या विद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र में आए बच्चों और उनके अभिभावकों के साथ परिचय कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने अभिभावकों से कहा की मैं आपको बताना चाहता हूं कि आज से 40 साल पहले इन्हीं सरकारी स्कूलों में से डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस, कलाकार, वैज्ञानिक आदि बनते थे। मगर कुछ समय से सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों से कमतर आंकने की प्रवृत्ति बन गयी है। आप लोग अपने मन में बिल्कुल यह भावना मत रखना की मेरा बच्चा सरकारी स्कूल में पढ़ रहा है और कुछ नहीं बन पाएगा। सरकारी स्कूल किसी भी रूप से प्राइवेट स्कूल से कम नहीं है। सरकार स्कूलों में भी हर वो सुविधा देने वाली है जहां पर बच्चा आगे बढ़ सकता है।

पटपड़गंज विस में जल निकासी को बेहतर इंतजाम किए गए : नेगी

नई दिल्ली। दिल्ली में बुधवार हुई जोरदार बारिश के कारण पटपड़गंज विधानसभा सहित कई क्षेत्रों में जलभराव की समस्या देखने को मिली। इस मुद्दे पर 'आप' और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तेज हो गई है। आप ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने वादा किया था कि उनकी सरकार में जलभराव की समस्या नहीं होगी, लेकिन बारिश ने उनकी तैयारियों की पोल खोल दी है। आप ने वीडियो के माध्यम से दावा किया है कि पटपड़गंज में सड़कों पर जलभराव इतना था कि नाव चलाने की नौबत आ गई। वहीं, विपक्ष के आरोपों पर स्थानीय विधायक रविंदर सिंह नेगी ने दावा किया है कि उनकी सरकार ने क्षेत्र में जलभराव की समस्या को काफी हद तक हल कर लिया है।

आवारा कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए एमसीडी ने किया उप-समिति का गठन : सत्या शर्मा

शेल्टर होम के संचालन तक कार्य योजना तैयार करेगी समिति

नई दिल्ली, 23 जुलाई (देशबन्धु)। राजधानी दिल्ली में आवारा कुत्तों की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। जनस्वास्थ्य एवं सुरक्षा की दृष्टि से दिल्ली नगर निगम इस दिशा में आवश्यक कदम उठा रहा है। स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बताया कि इस समस्या के प्रभावी समाधान हेतु निगम के प्रत्येक जोन में शेल्टर होम की स्थापना के लिए एक उप-समिति का गठन किया गया है।

उन्होंने बताया कि यह समिति शेल्टर होम के निर्माण से लेकर संचालन तक की पूरी कार्ययोजना तैयार करेगी। इसमें उपयुक्त स्थान चिन्हित करने, संसाधनों का आकलन, बजट निर्धारण, जन-स्वास्थ्य और पशु कल्याण से जुड़े एन जी ओ व विशेषज्ञ संस्थाओं से समन्वय आदि बिंदुओं पर काम किया जाएगा। समिति प्रत्येक जोन के लिए उपयुक्त मॉडल तैयार कर एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट स्थायी समिति को सौंपेगी। समिति न केवल पशुओं के कल्याण को दृष्टिगत रखेगी, बल्कि यह सुनिश्चित करेगी कि आवारा कुत्तों से संबंधित जन-सुरक्षा, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के विषयों का भी समाधान हो सके। स्थायी समिति की पिछली बैठक में आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या को गंभीरता से उठाया गया था। इस मुद्दे को संज्ञान में लेते हुए स्थायी समिति ने एक उप-समिति के गठन का निर्णय लिया है, ताकि इस समस्या का प्रभावी और स्थायी समाधान निकाला जा सके।

गठित समिति में हैं निम्नलिखित सदस्य शामिल

स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बताया कि समिति में सुंदर सिंह, निगम पार्षद अध्यक्ष, नीमा भगत, निगम पार्षद सदस्य, शिखा भारद्वाज, निगम पार्षद सदस्य, राजपाल सिंह, निगम पार्षद सदस्य, पंकज लूथरा, निगम पार्षद सदस्य, प्रवीण कुमार, निगम पार्षद सदस्य, योगेश वर्मा, निगम पार्षद विशेष आमंत्रित सदस्य, अतिरिक्त आयुक्त पशु चिकित्सा सेवाएं सदस्य, निदेशक पशु चिकित्सा सेवाएं सदस्य सचिव शामिल हैं।

■ पूर्वी दिल्ली के पश्चिम विनोद नगर में बारिश के बाद जलभराव वाले इलाके से गुजरते मोटर साइकिल सवार। छाया : इम्तियाज खान।

छतरपुर मंदिर में भव्य कांवड़ जलाभिषेक सम्पन्न

नई दिल्ली, 23 जुलाई (देशबन्धु)। पावन सावन शिवरात्रि के शुभ अवसर पर ऐतिहासिक छतरपुर मंदिर में भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण वातावरण देखने को मिला, जहाँ हज़ारों कांवड़ यात्री हरिद्वार एवं अन्य तीर्थ स्थलों से लाए गए पवित्र गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे थे। मंदिर ट्रस्ट के निर्देशन और उत्तम प्रबंधों के अंतर्गत, प्रातः काल से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर परिसर में उमड़ पड़ी। पूरे मंदिर को सुंदर पुष्पों, दीपों और केसरिया ध्वजों से सजाया गया था, जिससे शिवलिंग पर जल अर्पण की यह पावन प्रक्रिया एक अत्यंत दिव्य अनुभव में परिवर्तित हो गई। छतरपुर मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. किशोर चावला ने सभी स्वयंसेवकों, सुरक्षा बलों और श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा छतरपुर मंदिर सदैव भक्ति और आध्यात्मिक एकता का केंद्र रहा है।

जलजमाव से फैल रहीं जल जनित बीमारियां : देवेन्द्र

रेखा सरकार व दिल्ली नगर निगम पर लगाया आंखें मूंदने का आरोप

नई दिल्ली, 23 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि बारिश का पानी जमा होने से राजधानी में जल जनित बीमारियां तेजी से फैल रही हैं।

जबकि भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार और दिल्ली नगर निगम अभी नींद में ही सोए हुए है, मानसून आए 20 दिन से अधिक समय हो गया है और 16 जुलाई तक दिल्ली में डेंगू के 246 केस, 101 मलेरिया और 11 केस चिकनगुनिया के सामने आ चुके है और दूसरी डीबीसी विभाग में खाली पदों पर भर्ती न करा पाना बीजेपी की दिल्ली दिल्ली और निगम सरकार की नाकामियों को दर्शाता है। उन्होंने कहा की पिछले वर्ष 2024 तक शासित आम आदमी पार्टी के शासन में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियां का समय पर इलाज न मिलने के कारण कई लोग जान गवाते रहे हैं। देवेन्द्र यादव ने कहा कि यह चिंताजनक है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री जनता की जरूरतों और परेशानियों को नजरअंदाज करके सिर्फ इवेंट मैनेजमेंट पर ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की नाकामी के कारण राजधानी में मच्छरों से होने वाली बीमारियां जानलेवा साबित हो रही है। 2023 में मलेरिया से 30, डेंगू से 538 लोगों की मौत हुई थी।

जबकि पिछले वर्ष 2024 में डेंगू के 6391 मामले केस दर्ज हुए और 11 लोगों की मृत्यु हुई। सरकारें हर वर्ष मच्छरों की रोकथाम में नाकाम साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि क्यों सिर्फ एनडीएसमी क्षेत्र में स्वास्थ्य और स्वच्छता की सुरक्षा के प्रति भाजपा शासन दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली नगर निगम की असंवेदनशीलता के कारण डीबीसी विभाग के महामारीविद के 12 स्वीकृत पदों में 7 पद खाली है।

सिर्फ इवेंट मैनेजमेंट पर ध्यान दे रही दिल्ली सरकार : देवेन्द्र यादव

डीबीसी विभाग में की जाए तुरंत भर्ती

देवेन्द्र यादव ने कहा कि जनहित सर्वोपरि है, भाजपा की दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम जल जनित बीमारियों की रोकथाम करने के लिए डीबीसी विभाग में तुरंत प्रभाव से भर्ती की जाए और मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया को फैलने से रोकने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाए। सरकार मौजूदा कर्मचारियों को घर-घर जाकर मच्छर लार्वा की जांच और फॉगिंग करने के आदेश दिए जाए।

गांवों की खादी का दिल्ली में दिखा ग्लैमर

नई दिल्ली, 23 जुलाई (देशबन्धु)। फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया (एफडीसीआई) ने बुधवार को यहां खादी वर्कशॉप एवं खादी रनवे का आयोजन किया जिसमें ग्रामीण इलाकों में तैयार खादी के कपड़े से बने परिधानों को लोगों ने खूब पसंद किया। राष्ट्रीय राजधानी के एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में स्कूल, कॉलेज और विवि के छात्रों ने पारंपरिक चरखा चलाकर सूत कातकर दिखाया जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया। फैशन रनवे शो के दौरान खादी को आधुनिक डिजाइनों में ढालकर पेश किया गया। वर्कशॉप के दौरान प्रतिभागियों को खादी के इतिहास, उत्पादन प्रक्रिया और सतत जीवनशैली में इसके महत्व के बारे में बताया गया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना (ई-टेंडरिंग द्वारा)

कार्य का नाम तथा स्थान	दिल्ली मंडल में टियर-2/3/4 स्थानों के लिए पीआरएस आधुनिकीकरण का कार्यान्वयन।
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	₹ 4,83,15,906.54/- मात्र
धरोहर राशि (₹)	₹ 3,91,600/- मात्र
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता-C, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-110055
निविदा प्रपत्र जमा करने तथा निविदा खुलने का दिनांक तथा समय	निविदा प्रपत्र जमा अपलोड करने का समय दिनांक 19.08.2025, 15:00 बजे तक
वेबसाइट एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है	उत्तर रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें या देखे नोटिस बोर्ड, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-110055

निविदा संख्या: 558-सिगनल-16-टेली-ओपनटेंडर-1015 दिनांक: 23.07.2025 2227/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई-प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली-110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैः-

क्र0 सं0	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	14250924	सिलिकॉन रबर कंपाउंड	15174 नग	18.08.25
02	03252217A	विनाइल कोटेड उपहोल्स्टरी फैब्रिक	44278 मीटर	18.08.25
03	12255003B	मैनुफैक्टर सप्लाई एंड टेस्टिंग ऑफ एलीवेटर	46 नग	18.08.25
04	08255365	आर सी टेंडर फॉर 6 कोर X 1.5 एस क्यू एम एम सिग्नलिंग केबल	1129.20 किलो मीटर	29.08.25
05	08255820	आर सी टेंडर फॉर 48 फाइबर मोनो मोड	1368 किलो मीटर	04.09.25
06	09252418	साइड फ्रेम फ्रिक्शन लाइनर	6275 सेट	15.09.25

निविदा शर्तें: 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी। टेंडर नोटिस सं0 34/2025-2026 दिनांक: 23.07.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2229/25

आयोजन *दिल्ली में भव्य रूप से मनाया गया 'झारखंड महोत्सव 2025'*

गौरवशाली संस्कृति व सामाजिक एकता की दिखी झलक

नई दिल्ली, 23 जुलाई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में झारखंड महोत्सव 2025 का आयोजन अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। यह आयोजन झारखंड की गौरवशाली संस्कृति, समृद्ध लोककला, नृत्य, संगीत और सामाजिक एकता को समर्पित था, जिसमें देशभर से झारखंडी प्रवासी समुदाय ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महोत्सव के दौरान पारंपरिक लोकनृत्य, संगीत, नाट्य कला और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

संगीत व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने किया मंत्रमुग्ध

इस अवसर पर झारखंड से जुड़े देशभर के प्रतिष्ठित लोग-राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी, डॉक्टर, वकील, कलाकार, शिक्षक, व्यापारी, युवा उद्यमी, पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता-एक साथ पहली बार दिल्ली में एक मंच पर दिखाई दिए। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, सांसद सुखदेव भगत, पूर्व सांसद प्रदीप बालमुचू, भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, दिल्ली के पूर्व मेयर बिपिन बिहारी, सी वी सी डायरेक्टर सीताराम यादव, दिल्ली के जॉइंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस, आसिफ अली खान, कृषि मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी डॉ. आतिश कुमार, डीआईजी, इंडियन कोस्ट गार्ड, कुमार चंदन सिंह, ब्रिगेडियर, जय प्रकाश सिंह, डॉक्टर के. के. पोद्दार, ट्रेड यूनियन लीडर आनंद साहू और कई अन्य विशिष्टजन शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान लगभग 25 झारखंडी मूल के व्यक्तियों को समाज में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया, जिनमें जुगनू जयंत, शादाब अंसारी, उमेश प्रसाद, अमर सिन्हा, फैज़ अनवर, आशीष पांडेय, मोहन बडायक, अविनाश सेठ आदि प्रमुख थे। ऑक्सफोर्ड पास सुमित लाल ने झारखंड को प्रगतिशील राज्य बनाने पर विचार साझा किए, जबकि आनंद साहू ने बताया कि एक एरोनॉटिकल इंजीनियर से समाजसेवी बनने तक का उनका सफर कैसा रहा। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, पूर्व सांसद, धीरज साहू, ने वीडियो संदेश के माध्यम से शुभकामनाएं दीं।

कैपिटल ज़ोन

उवाच "

इसके लिए कंपनी ने प्रजेंटेशन किया था। जिसमें कुछ संशोधन के बाद इस साफ्टवेयर को डेवलेप किया जाएगा। ये साफ्टवेयर इसी महीने में तैयार होगा। जिसमें अदालत में चल रहे केस की जानकारी को फीड किया जाएगा। एक बार केस की जानकारी फीड होने पर समय पर जानकारी मिलेगी। साथ ही जिस दिन केस पर सुनवाई होगी उससे तीन पहले जानकारी मिलेगी। केस दर केस जानकारी को इसमें अपडेट भी किया जाएगा : **लोकेश एम, प्राधिकरण सीईओ।**

नोएडा में जल्द वाट्सऐप से बुक होंगे मेट्रो टिकट

- बेंगलुरु में इस तरह से होती है बुकिंग
- रोजाना 52 हजार मुसाफिर करते है सफर

नोएडा, 23 जुलाई (देशबन्धु)। नोएडा मेट्रो में जल्द ही वाट्सऐप से टिकट बुक किया जा सकेगा। इसके बाद मुसाफिरों को कतार में लगने की जरुरत नहीं होगी। साथ ही वह घर बैठे ही टिकट बुक कर सकेंगे। ये सुविधा अभी बेंगलुरु में है। इसी तर्ज पर एनएमआरसी इस सुविधा को यहां लेकर आ रहा है। वर्तमान में नोएडा में रोजाना करीब 52 हजार से ज्यादा मुसाफिर सफर करते है। जिनको फायदा होगा। नोएडा मेट्रो रेल कार्पोरेशन के एमडी डॉ. लोकेश एम ने बताया कि एक नंबर जारी किया जाएगा। जिस पर HI लिखने के बाद आगे की प्रक्रिया होगी। टिकट बुक हो सकेगा।

नोएडा में मेट्रो 29 किमी का दायरा कवर करती है। ये सेक्टर-51 से ग्रेटरनोएडा डिपो तक कुल 21 मेट्रो स्टेशन है। इसके अलावा नोएडा बोटेनिकल गार्डन से सेक्टर-142, ग्रेटरनोएडा डीपो से बोडाकी और ग्रेनो वेस्ट से नॉलेज पार्क-5 तक प्रस्तावित है। इन सभी की फाइल केंद्र सरकार के पास है। जल्द ही मंजूरी मिलेगी। ऐसे में लाखों मुसाफिरों को इसका फायदा होगा। इसके लिए एनएमआरसी की टैक्निकल टीम अपना वर्क कर रही है। जल्द ही नंबर जारी किया जाएगा।

कैसे कर सकते हैं बुक

- एनएमआरसी एक आधिकारिक वॉट्सऐप नंबर जारी करेगा।
- जिस पर HI लिखकर सेंड करना होगा। इसके बाद विकल्प आएंगे।
- जिसमें कार्ड रिचार्ज और टिकट खरीदने का आप्शन होगा।
- यदि आप टिकट खरीदना चाहते हैं, तो 'टिकट खरीदें' विकल्प चुनना होगा।
- फिर आपको अपना स्रोत और गंतव्य स्टेशन का चयन करना होगा।
- आप या तो स्टेशन का नाम टाइप कर सकते हैं या सूची से चुन सकते हैं।
- इसके बाद आपको भुगतान करने के लिए कहा जाएगा।
- आप यूपीआई, क्रेडिट या डेबिट कार्ड का उपयोग करके भुगतान कर सकते हैं।
- भुगतान सफल होने के बाद आपको एक क्यूआर कोड मिलेगा जिसे आप मेट्रो में प्रवेश करने के लिए स्कैन कर सकते हैं।

बारिश से डूबी सड़कें, यातायात प्रभावित

- तीन दिन हल्की बारिश का अनुमान
- बारिश के बाद 4 से 5 डिग्री तक तापमान में गिरावट

नोएडा, 23 जुलाई (देशबन्धु)। नोएडा में सुबह से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। इससे कई सड़कों पर जलभराव हो गया है। नोएडा के सेक्टर-62, 63 और सेक्टर-12, नोएडा स्टेडियम के सामने वाली एमपी-1 रोड पर जलभराव हुआ है। इससे वाहन चालकों को काफी परेशानी हो रही है। ये स्थित तब है जब यहां नालों नालियों की साफ-सफाई पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे है। हाल ही में नोएडा को गोल्डन सिटी और 3 से 10 लाख की आबादी में प्रथम स्थान मिला है। उसके बाद भी सड़कों पर जलभराव की समस्या हो रही है।

नोएडा में पीक आवर में बारिश की वजह से वाहन चालकों को जाम की सामना करना पड़ा। सेक्टर-62 में घुटनों तक पानी भर गया। यहां पंप लगाकर पानी की निकासी की जा रही है। इसी तरह नोएडा स्टेडियम के बाहर भी पंप लगाकर पानी की निकासी की जा रही है। वहीं कई सिग्नल खराब हो गए है। जिससे यातयात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम विभाग का कहना है कि आगामी 26 जुलाई तक हल्की बारिश के बाद 27 और 28 और गरज के साथ बारिश के आसार है। इसकी वजह बंगाल की खाड़ी में एक नए विक्षोभ का एक्टिव होना है। प्राधिकरण ने दावा किया था कि इस बार सड़कों पर जलभराव की समस्या नहीं होगी। लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा। बारिश से सड़कों पर जलभराव हुआ। अब उसकी निकासी की जा रही है। नोएडा में अधिकतम तापमान 33 डिग्री रिकार्ड किया गया। बारिश के बाद चार से पांच डिग्री तक तापमान में कमी आई। इससे लोगों ने गर्मी से राहत मिली। हालांकि वातावरण में नमी का मात्रा 80 प्रतिशत है। हवा की रफ्तार 5 किमी प्रतिघंटा है।

सार संक्षेप

सर्व शिक्षा फाउंडेशन की ओर से सिलाई व मेंहदी प्रतियोगिता आयोजित

खोड़ा। सर्व शिक्षा फाउंडेशन के तत्वावधान में मंगलवार को खोड़ा कॉलोनी के दीपक विहार स्थित सेंटर पर सिलाई एवं मेहंदी कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 40 बालिकाओं एवं महिलाओं ने भाग लिया। सिलाई में सबीना ने प्रथम एवं मंतसा ओर सदा ने दूसरा स्थान हासिल किया। मेहंदी में खुशी ने प्रथम और नेहा पांडे ने दूसरा स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खोड़ा कॉलोनी वार्ड नंबर 14 नेहरू गार्डन के सभासद सी पी शर्मा ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन से युवाओं को अपनी प्रतिभा को उजागर करने का अवसर मिलता है मौके पर संस्था की फाउंडर बुशरा सिद्दीकी ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य युवाओं में छिपी हुई प्रतिभाओं को उचित मंच प्रदान करवाना है। उनके कौशल को प्रोत्साहित करना। इस अवसर पर सर्व शिक्षा फाउंडेशन के ट्रस्टी राहुल बघेल प्रशिक्षक दीपक कुमार इमराना उपस्थि रहे। बुशरा ने अतिथियों प्रतिभागियों सहकर्मियों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बोरिंग के दौरान गड्ढ़े में गिरने से मजदूर की मौत

नोएडा। सेक्टर-44 में निर्माणाधीन गोदरेज रिवराइन बिल्डिंग में बोरिंग के दौरान गड्ढ़े में गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। युवक बोरवेल की मशीन चलाता था। बोरिंग करते समय मिट्टी खिसकी और वह उसके नीचे आ गया। इस दौरान वहां मौजूद अन्य वर्करों ने उसे निकालकर अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजन को घटना की सूचना दे दी है। पुलिस ने बताया कि सेक्टर 44 छलेरा गांव में गोदरेज रिवराइन बिल्डिंग बन रही है। इसमें पानी की व्यवस्था के लिए बोरिंग की जा रही थी। तभी मशीन चला रहा एक मजदूर अर्जुन शुक्ला (19) पैर फिसलने से बोरिंग के पास मिट्टी में दब गया। हालांकि वहां पर कई मजदूर मौजूद थे, सेक्टर 39 थाने की पुलिस सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर परिजन को सूचना दे दी है। साथ ही शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजन को सौंप दिया है।

दो बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तर किया है। ये लोग राह चलते लोगों से लूट की घटन करते थे। दोनों पर करीब 30 से ज्यादा मुकदमे दर्ज है। ये दोनों मिलकर दिल्ली, नोएडा ओर अन्य स्थानों पर लूटपाट की घटना करते है। इनकी पहचान रविंद्र कसाना उर्फ बल्लू और पुनीत अरोड़ हुई है। थाना सेक्टर-113 पुलिस अपने क्षेत्र के निजी अस्पताल के पास जांच कर रही थी। सामने से एक मोटरसाइकिल पर 2 व्यक्ति आते दिखाई दिए। संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस टीम ने बाइक को रुकने का इशारा किया। बाइक सवार व्यक्तियों ने बाइक मोड़ी और पुस्ता रोड पर भगाने का प्रयास करने लगे।

नोएडा में अल-कायदा के मॉड्यूल का भंडाफोड़

गुजरात एटीएस ने एक आतंकी को नोएडा के छिजारसी से किया गिरफ्तार

नोएडा, 23 जुलाई (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश में आतंकी संगठन अल-कायदा के मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ है। गुजरात एटीएस ने चार आतंकियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। बुधवार को एटीएस ने दो आतंकी गुजरात, एक दिल्ली और एक नोएडा से पकड़ा। ये चारों नकली नोटों के रैकेट और आतंकी संगठन की विचारधारा को फैलाने में शामिल थे। नोएडा के आरोपी का नाम जीशान अली है। वह सेक्टर-63 छिजारसी का रहने वाला है।

सैनिक कम्यूनिकेशन दुकान पर अक्सर बैठता था आतंकी

चारों आरोपी अल कायदा के अल कायदा इन इंडियन सब कॉन्टीनेंट से जुड़े बताए जा रहे हैं। ये सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और कुछ संदिग्ध ऐप्स के जरिए लोगों को अल-कायदा से जोड़ने के काम में सक्रिय थे। सोशल मीडिया के जरिए लड़ाके भर्ती कर रहे थे। गुजरात एटीएस को इनके पास से कुछ सोशल मीडिया हैंडल और चैट भी मिले हैं। साइबर टीम भी इसकी जांच में जुटी हुई है। एटीएस को यह भी जानकारी मिली है कि चारों मैसेज को ऑटो-डिलीट करने वाली एप्लिकेशन का भी इस्तेमाल कर रहे थे।

जिशान नोएडा के छिजारसी कॉलोनी में बनी एक दुकान सैनिक कम्यूनिकेशन पर अक्सर आता था। यहां बैठता था और बातचीत करता था। इसके बाद वहां से चला जाता था। पिछले एक महीने से दुकान पर आना जाना था। बीते कुछ दिन से उसने अपनी एक्टिविटी को बढ़ा दिया था। गुजरात एटीएस ने इसी दुकान से दोपहर करीब डेढ़ बजे के आसपास जिशान को गिरफ्तार किया।

फोन आने पर रहता था सतर्क

सैनिक कम्युनिकेशन के जान मोहम्मद ने बताया वैसे तो वो दिन भर सिर्फ इधर उधर की बाते करता था। लेकिन जैसे ही फोन आता था वो दुकान के बाहर जाकर ही बात करता था। उसकी कॉल एक मिनट या उससे भी कम होती थी। कई बार पूछा कि किसका फोन आता है लेकिन हर बार मना कर देता था। बोलता था दोस्त का फोन है। यहां मिलन सार बनकर रहता था। वो क्या करता था किसी को इसकी जानकारी तक नहीं है।

एक महीने पहले हुआ था शिफ्ट

जिशान एक महीने पहले नोएडा के छिजारसी कॉलोनी में आया था। उसने यहां कमरा लिया और रहता था। इसके अलावा उसका यहां कोई भी परिवार वाला नहीं था। बस सैनिक कम्यूनिकेशन पर ही आकर अक्सर बैठता था। बता दे जिशान ने जहां कमरा लिया वह एक घनी बस्ती है। जिसकी आबादी ही लाखों में है। आसपास के लोग भी इसी नहीं जानते है। जान मोहम्मद ने बताया कि गांव का होने के नाते हम उसे यहां बैठने देते थे।

बारिश से मिली राहत, क्षतिग्रस्त सड़कों व जलभराव से बढ़ी समस्या

खोड़ा, 23 जुलाई (देशबन्धु)। मानसून की बारिश होने से जहां एक तरफ लोगो को उमश भरी गर्मी से राहत मिल रही है वहीं खोड़ा की कई सड़कें क्षतिग्रस्त होने और सड़कों पर जलभराव कीचड़ की वजह से लोगो की मुसीबतें बढ़ जाती है। दीपक विहार सर्विस रोड के सामने लेबर चौक पर जलभराव की वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। खोड़ा क्षेत्र के अंतर्गत गत दो वर्षों से सड़कों की मरम्मत कार्य न होने की वजह से प्रमुख मार्ग की कई सी सी सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई है। बारिश होने पर नालियों का पानी ओवरफ्लो होकर बरसाती पानी के साथ सड़कों पर तैरने लगता है। टूटी सड़कों पर जगह जगह गड्ढा होने की वजह से राहगीरों को अनुमान नहीं लगता कि सड़क पर गड्ढा कहा है। जिससे साइकिल और दुपहिया वाहनों के गिरने की संभावना बढ़ जाती है। बुधवार को सुबह बारिश से शिव पार्क से नगर पालिका परिषद कार्यालय को जाने वाले प्रमुख मार्ग पर जलभराव हो गया। सड़क टूटी फूटी और क्षतिग्रस्त होने की वजह से नाली का पानी ओवरफ्लो होकर बहने लगा। आवागमन में लोगो को असुविधा हुई। लेबर चौक से सेक्टर 62 हाइवे को जोड़ने वाली सड़क पर जलभराव की वजह से वाहन रेंगते रहे। जाम की समस्या का भी सामना करना पड़ा। शिव पार्क निवासी संजय वर्मा ने बताया कि जर्जर सड़कों की वजह से परेशानी होती है।

> निकाय क्षेत्र के अंतर्गत कई सड़कें जर्जर हो गई है पंद्रह दिन पहले ई टेंडर प्रक्रिया पूरी की गई है। शीघ्र ही जर्जर सड़कों का निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।
> **अभिषेक कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद खोड़ा मकनपुर**

नोएडा प्राधिकरण को साफ्टवेयर से मिलेगी केस डेट की जानकारी

- सुप्रीम और हाइकोर्ट के केस को किया जाएगा अपलोड
- तीन दिन पहले मिल जाएगी अलर्ट

नोएडा, 23 जुलाई (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण विभिन्न अदालतों में चल रहे केस को लेकर सजग हो गया है। वह एक ऐसा साफ्टवेयर डेवलेप कर रहा है जिससे तरीख के तीन दिन पहले ही प्राधिकरण के अधिनस्त अधिकारियों को अलर्ट मिल जाएगा। जिससे केस की पैरवी करने और समय से कोर्ट उपस्थित होने में दिक्कत नहीं होगी। दरअसल नोएडा में लैंड, कामर्शियल, ग्रुप हाउसिंग, इंडस्ट्री के तमाम मामले अदालतों में चल रहे है। इसमें सबसे ज्यादा मामले लैंड विभाग से है। प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने बताया कि इसके लिए कंपनी ने प्रजेंटेशन किया था। जिसमें कुछ संशोधन के बाद इस साफ्टवेयर को डेवलेप किया जाएगा। ये साफ्टवेयर इसी महीने में तैयार होगा। जिसमें अदालत में चल रहे केस की जानकारी को फीड किया जाएगा। एक बार केस की जानकारी फीड होने पर समय पर जानकारी मिलेगी। साथ ही जिस दिन केस पर सुनवाई होगी उससे तीन पहले जानकारी मिलेगी। केस दर केस जानकारी को इसमें अपडेट भी किया जाएगा। प्राधिकरण सीईओ ने बताया इस साफ्टवेयर तकनीक से हम कंटेप्ट के मामलों से बच सकेंगे। समय पर पैरवी के लिए पूरी तैयारी कर सकेंगे। वकीलों के साथ समनव्य बना सकेंगे। इसमें वकीलो का रिकार्ड भी मैनटेन किया जा सकेगा। पहले फेज में इसमें सुप्रीम कोर्ट और हाइकोर्ट में वल रहे केस की जानकारी को अपलोड किया जाएगा। इसके बाद एनसीएलटी, एनएलएटी और एनजीटी के मामलों को भी अपडोल किया जाएगा।

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने किया निरीक्षण

संविदाकार एसपी गावर्मेंट कांट्रेक्टर एंड सप्लायर पर एक लाख रुपए जुर्माना

नोएडा, 23 जुलाई (देशबन्धु)। शहर में जलभराव का कारण तलाशने बुधवार को अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय कुमार खत्री सड़क पर उतरे, उन्होंने एपी वन, टू, थ्री मार्ग, जोनल रोड नंबर-6, सेक्टर-55, 56, 57, 58, 60, 62 एवं 63 का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ महाप्रबंधक (जन स्वास्थ्य) एसपी सिंह, उपमहाप्रबंधक (सिविल) विजय कुमार रावल, परियोजना अभियंता प्रथम गौरव बंसल, सहायक परियोजना अभियंता अरुण कुमार उपस्थित रहें।

संजय कुमार खत्री ने देखा कि सेक्टर-60 की और से आने वाले मुख्य नाले के पानी का फ्लो सही पाया गया, लेकिन नाले पर बनी कलवर्ट से आगे पानी का फ्लो धीरे पाया गया। इस पर कलवर्ट की मैपिंग करा कलवर्ट को ठीक कराए जाने का निर्देश दिया। सेक्टर-58 में भूखंड संख्या सी-29 के सामने मार्ग पर गंदगी एवं जलभराव मिला, संविदाकार एसपी गावर्मेंट कांट्रेक्टर एंड सप्लायर पर एक लाख रुपए का आर्थिक दंड लगाने का निर्देश दिया। नालों की सफाई के लिए हटाए गए एसएफआरसी कवर को पुन: नाले पर नहीं रखा गया है। नालों की चौड़ाई कम है, पानी का दबाव ज्यादा है, ऐसे नालों का भी सर्वे करा नालों के चौड़ीकरण का कार्य कराने का निर्देश दिया।

धन्यवाद नोएडा पुलिस, आपकी मदद से घर जाने के लिए मिली बस

नोएडा, 23 जुलाई (देशबन्धु)। बारिश में जाम को खाली कराने और कांवड़ियों के लिए सुरक्षित मार्ग से निकालने के दौरान नोएडा पुलिस सोमवार रात तीन किशोरियों के लिए मसीहा बनकर खड़ी हुई। नोएडा में रहने वाली तीनों किशोरी गोरखपुर घर जाने के लिए चिल्ली बॉर्डर पहुंची लेकिन ट्रैफिक की वजह से उनकी बस छूट गई। तीनों के चेहरे पर उदासी छाई हुई थी और लोगों से मदद की गुहार लगाने की तैयारी कर रही थी। तभी मौके पर कांवड़ यात्रा रूट का निरीक्षण करते हुए फेज वन थाना के एसएचओ पहुंचे और उन्होंने छूटी बस को यमुना एक्सप्रेस वे पर रुकवा दी। किशोरियों के साथ में एक पुलिसकर्मी को लगया और दूसरी बस से उन्हें गोरखपुर जाने वाली बस पकड़वाने में मदद किया। इस दौरान तीनों किशोरी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर कहा धन्यवाद नोएडा पुलिस आपकी मदद से घर जाने के लिए बस मिल पाई। दिल्ली से गोरखपुर के लिए प्रति दिन डबल डेकर बस चलती है। सोमवार को तय समय पर एक बस निकली, जिसे पकड़ने के लिए नोएडा के दूल्लूपुरा में रहने वाली तीन किशोरी चिल्ला बॉर्डर के पास पहुंची। कांवड़ियों की अधिक भीड़ होने की वजह से उस दिन अधिक ट्रैफिक जाम लगा हुआ था। इस वजह से गोरखपुर जाने वाली बस गंतव्य को निकल चुकी थी। इंस्पेक्टर ने दोनों बसों के ड्राइवरों के बीच बात कराई और दूसरी बसे ने जेवर टोल पर बाबा गोरखनाथ की नगरी जा रही इन तीनों बेटियों को उनकी बस पकड़वा दी। इसके बाद तीनों ने इंस्पेक्टर को कॉल कर बस मिलने की जानकारी दी और सोशल मीडिया पर नोएडा पुलिस की मदद, घटनाक्रम का जिक्र किया।

बम भोले के जयकारों से गूंजे शिवालय

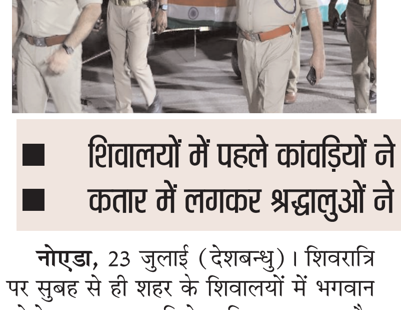

- शिवालयों में पहले कांवड़ियों ने किया जलाभिषेक
- कतार में लगकर श्रद्धालुओं ने चढ़ाया जल, पुलिस बल सख्त

नोएडा, 23 जुलाई (देशबन्धु)। शिवरात्रि पर सुबह से ही शहर के शिवालयों में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जा रहा है। मंदिरों के कपाट सुबह 4 बजे खोल दिए गए। सुबह आरती के बाद पहले कांवड़ियों ने जलाभिषेक किया। इसके बाद कतार में लगकर श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। इस मौके पर मंदिरों के बाहर भारी पुलिस बल भी तैनात है। मंदिरों में अव्यवस्था न हो इसके लिए बेरीकेड लगाई गई। मंदिरों के बाहर ही पूजा सामग्री और प्रसाद की दुकान भी लगाई गई।

सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर के पुजारी ने बताया कि जलाभिषेक किया जा रहा है। सुबह मंदिर में आरती की गई इसके बाद पहले कांवड़ियों ने फिर श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। पूरे दिन जलाभिषेक के बाद शाम को मंदिर में शाम साढ़े सात बजे आरती और उसके बाद रात में भी कांवड़िये जलाभिषेक करेंगे। इस दौरान कांवड़ियों के लिए मंदिर परिसर में व्यवस्था की गई है।

सावन माह शिवरात्रि के मौके पर सेक्टर-11 शिव मंदिर, कलरिया बाबा मंदिर, सेक्टर-22 शिव मंदिर, सेक्टर-20 हनुमान मंदिर, सेक्टर-2 लाल मंदिर, सेक्टर-40 शिव शक्ति मंदिर, सेक्टर-56 लक्ष्मी नारायण में बड़े पैमाने पर तैयारियां की गई हैं। यहां सुबह से ही शिव भक्तों द्वारा जलाभिषेक किया जा रहा है। इस मौके पर मंदिरों के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं कांवड़ शिविर से मंदिर तक जाने वाले कांवड़ियों के लिए लेन तय की गई है। ताकि रास्ते में कोई परेशानी न हो। कई मंदिरों में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है।

शिव भक्तों ने लिया देवालयों में आशीर्वाद

खोड़ा। श्रावण मास के पवित्र माह में शिव भक्तों एवं कांवड़ियों द्वारा बड़ी संख्या में शिव मंदिरों में भगवान भोले नाथ को जलाभिषेक करके पूजन अर्चन किया गया। शिवभक्तों की लंबी-लंबी कतारे शिव मंदिरों में लगी रही। लोग रुद्राभिषेक और पूजन अर्चन के लिए सुबह से ही अपनी बारी आने का घंटों तक इंतजार करते रहे। बम बम हर हर महादेव के नारों से देवालय गूंजते रहे। उधर हरिद्वार से गंगा का पवित्र जल लाने वाले कांवड़ियों ने बड़ी संख्या में शिव भगवान पर जलाभिषेक पूजन अर्चन कर आशीर्वाद लिया गया। नेहरू गार्डन स्थित श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर अर्चना एंक्लेव स्थित महादेव मंदिर प्राचीन झूना हनुमान मंदिर आजाद विहार स्थित श्री भक्तिधाम शिव मंदिर मिथिला विहार स्थित शिव हनुमान मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा भगवान भोलेनाथ को जलाभिषेक किया गया।

सावन महाशिरात्रि पर लाखों श्रद्धालुओं ने की पूजा

गाजियाबाद। श्री दूधेश्वरनाथ मंदिर में सुबह चार बजे से भक्तों ने शिवरात्रि का जलाभिषेक किया। रात को 12 बजे से पहले ही लाइन लगनी शुरू हो गई थी। लाखों की संख्या में कांवड़ियों एवं अन्य भक्त जलाभिषेक के लिए मंदिर पहुंचे।
भगवान शिव को समर्पित श्रवण मास की शिवरात्रि का व्रत बुधवार रखा जाएगा। शिवरात्रि से एक दिन पहले भक्तों ने त्रियोदशी का व्रत एवं पूजा अर्चना की। श्री दूधेश्वरनाथ मंदिर में शिवरात्रि से एक दिन पहले सुबह सात बजे से त्रियोदशी एवं हाजिरी का जल चढ़ाया गया। मंदिर में शिवरात्रि को लेकर बीते कई दिन से तैयारियां चल रही थीं।

उवाच “

गुरुवार को जांच पूरी हो जाएगी। जो भी दोषी पाया जाएगा उन पर कार्रवाई होगी। जांच रिपोर्ट को भी सार्वजनिक किया जाएगा। शारदा यूनिवर्सिटी में छात्रा द्वारा खुदकुशी किए जाने की घटना का सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया है। इसकी जांच के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता अपर्णा भट्ट को न्याय मित्र नियुक्त किया है। न्यायालय के संज्ञान के बाद मंगलवार को एक टीम शारदा यूनिवर्सिटी पहुंची थी : **अजीत कुमार, शारदा विवि डायरेक्टर पीआर।**

सेक्टर चाई थ्री में पेड़ों के काटने पर ग्रेनो प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई

ग्रेटर नोएडा, 23 जुलाई (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर चाई थ्री की ग्रीन बेल्ट में पेड़ों को काटे जाने की घटना पर संज्ञान लेते हुए प्राधिकरण ने संबंधित कॉन्ट्रैक्टर योगेंद्र एसोसिएट्स को ब्लैक लिस्ट करने को निर्णय लिया है। प्राधिकरण में कॉन्ट्रैक्टर की जमा सिक्योरिटी मनी जब्त करते हुए एफआईआर दर्ज कराने को कहा है। साथ ही उद्यान विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस और प्रबंधक को प्रतिकूल प्रविष्टि देने पर भी संस्तुति दे दी है। सहायक प्रबंधक के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई, सुपरवाइजर अनूप भाटी और तकनीकी सुपरवाइजर महेश तिवारी का अनुबंध तत्काल समाप्त करने का भी निर्णय लिया गया है।

दरअसल, चाई थ्री की ग्रीन बेल्ट में पेड़ों को काटे जाने की घटना पर संज्ञान लेते हुए सीईओ एनजी रवि कुमार ने नाराजगी जताते हुए लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने उद्यान विभाग के डीजीएम संजय कुमार जैन, वरिष्ठ प्रबंधक पीपी मिश्र, प्रबंधक प्रशांत समाधिया और सहायक प्रबंधक हरिंदर सिंह के साथ मौके पर मुआयना किया।

- कॉन्ट्रैक्टर को ब्लैक लिस्ट, जमानत राशि जब्त, मुकदमा दर्ज करने की संस्तुति
- एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने मौके का जायजा लेकर की कड़ी कार्रवाई

मौके पर पेड़ काटने की घटना की जांच-पड़ताल की। मौके पर पेड़ काटे जाने के साक्ष्य प्राप्त हुए। एसीईओ ने ग्रीन बेल्ट के रखरखाव की कार्यदायी संस्था योगेंद्र एसोसिएट्स को ब्लैक लिस्ट करते हुए एफआईआर दर्ज कराने का निर्णय लिया। कॉन्ट्रैक्टर को इसी साल अप्रैल में चाई थ्री की ग्रीन बेल्ट व अन्य ग्रीनरी के रखरखाव के लिए दो साल की जिम्मेदारी दी गई थी। वरिष्ठ प्रबंधक पीपी मिश्र को कॉन्ट्रैक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने को कहा है। कॉन्ट्रैक्टर की तरफ से प्राधिकरण में जमा सिक्योरिटी मनी भी जब्त करने को कहा है। साथ ही उद्यान विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस और प्रबंधक को प्रतिकूल प्रविष्टि देने पर भी संस्तुति दे दी है। सुपरवाइजर अनूप भाटी और तकनीकी सुपरवाइजर महेश तिवारी का अनुबंध तत्काल समाप्त करने का भी निर्णय लिया गया है।

एसीईओ ने स्पष्ट चेताया है कि वन विभाग की अनुमति के बिना पेड़ काटने वालों से प्राधिकरण सख्ती से निपटेगा। सीईओ एनजी रवि कुमार ने ग्रेनोवासियों से पेड़ों को न काटने, पेड़ों की देखभाल करने और ग्रेटर नोएडा को स्वच्छ व हरा-भरा बनाने के लिए बृहद पौधारोपण करने की अपील की है।

यीडा में 6 गांव के 308 किसानों को सात फीसदी भूखंड आवंटित

ओएसडी शैलेंद्र सिंह के नेतृत्व में किसानों को ड्रॉ से किया गया भूखंड आवंटित

ग्रेटर नोएडा, 23 जुलाई (देशबन्धु)। जमीन अधिग्रहण के बदले किसानों को सात आबादी भूखंड आवंटित करने की प्रक्रिया प्राधिकरण में तेज हो गई है। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के निर्देशानुसार अंतर्गत आने वाले गांव रामपुर बांगर, चांदपुर, मथुरापुर, अट्टा गुजरान, मूंजखेड़ा एवं रोनीजा की प्राधिकरण द्वारा अर्जित एवं क्रय भूमि के सापेक्ष किसानो को सात प्रतिशत आबादी भूखंडों का ड्रा विशेष कार्याधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। ड्रा से 6 गांवों के 308 किसानो को उनकी प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहीत की गई जमीनों के सात प्रतिशत भूखंडों के नंबर प्राप्त हो गए हैं प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र कुमार सिंह ने उपस्थित कृषकों को भरोसा दिलाया कि ड्रा कराए गए भूखंडों को शीघ्र मौके पर विकसित भी करवाते हुए भौतिक कब्जा दिलवाएंगे तथा अवशेष बचे किसानों के भूखंड भी शीघ्र ही उन्हें दिलाए जाएंगे।

ड्रा के दौरान प्राधिकरण की डिप्टी कलेक्टर रेणुका दीक्षित, भूलेख के तहसीलदार एवं अन्य कर्मचारियों के साथ 6 गांवों के किसान भारी संख्या में उपस्थित रहे।

ड्रा की पूरी कार्यवाही का प्राधिकरण की वेबसाइट एवं यूट्यूब पर लाइव प्रसारण भी किया गया।

उप्र के मुख्य फल व सब्जियों को देश-विदेश में मिलेगी पहचान

ग्रेटर नोएडा, 23 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश के किसानों की आय, कृषि उत्पादकता एवं कृषि से जुड़े उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए यूपी एग्रीज परियोजना के तहत जेवर एयरपोर्ट के पास एक्सपोर्ट हब की स्थापना करने जा रही है। इसे विश्व बैंक की मदद से धरातल पर उतारा जाएगा। इसके विकसित होने से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उत्तरप्रदेश के मुख्य फल आम और अमरूद और सब्जियों को देश विदेश में पहचान मिल सकेगी। इसके लिए एयरपोर्ट के पास 50 एकड़ में प्रदेश के सबसे बड़ा निर्यात केंद्र को विकसित करने का रास्ता साफ हो गया है। उत्तरप्रदेश सरकार ने मंगलवार को कैबिनेट बैठक में इस परियोजना के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। निर्यात केंद्र के लिए शासन से 75 प्रतिशत लैंड सब्सिडी मिलेगी, वहीं 100 प्रतिशत स्टांप शुल्क में छूट दी जाएगी।

प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि उत्तरप्रदेश सरकार ने निर्यात केंद्र को पीपीपी मोड पर विकसित करने की योजना बनाई है। इसे विश्व बैंक पोषित योजना यूपी एग्रीज की सहायता से विकसित किया जाएगा। इसके तहत यूपी एग्रीज की प्रस्तावित निर्यात केंद्र में 75 फीसदी हिस्सेदारी रहेगी, जबकि शेष 25 प्रतिशत पर निजी क्षेत्र भागीदार होगा। दो वर्षों तक विद्युत शुल्क में भी रियायत मिलेगी। इस केन्द्र में कृषि उत्पादों विशेष कर फल-सब्जियों की ग्रेडिंग, शॉर्टिंग-पैकिंग व कोरंटाइन आदि की सुविधाएं मुहैय्या कराई जाएंगी। साथ ही गौतमबुद्धनगर व उत्तरप्रदेश के स्थानीय फल

- नोएडा एयरपोर्ट के पास 50 एकड़ में प्रदेश का सबसे बड़ा निर्यात केंद्र बनाने का रास्ता साफ
- जेवर एयरपोर्ट पर एक्सपोर्ट हब स्थापित करेगी योगी सरकार, कृषि उत्पादों के निर्यात को मिलेगा बढ़ावा
- प्रदेश सरकार ने निर्यात केंद्र को पीपीपी मॉडल पर बनाने का लिया फैसला

अमरूद, बेल, आंवला व आम सहित अन्य कृषि उत्पादों को देश विदेश तक पहचान मिल सकेगी। इसे अगले वर्ष तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। बताया गया कि उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर फल का उत्पादन होता है। आमतौर पर फलों की खपत भारतीय बाजार में ही होती है। इसलिए उत्पादकों को फलों का उचित मूल्य नहीं मिल पाता। एयरपोर्ट के पास निर्यात केंद्र बनने से आम और अमरूद का जूस व अन्य उत्पाद विदेश को निर्यात होंगे। इससे किसानों को फलों का उचित मूल्य मिल सकेगा। उनकी आमदनी बढ़ेगी।

चार हजार करोड़ का होगा निवेश

यह लगभग चार हजार करोड़ रुपए की परियोजना है, जिसमें तीन हजार करोड़ रुपए विश्व बैंक से ऋण के रूप में प्राप्त होंगे। यह ऋण 35 वर्षों में चुकाया जाएगा और लगभग सात वर्ष का इसमें मोरेटोरियम है। यह परियोजना पूर्वी उत्तर प्रदेश के 21 और बुंदेलखंड के 7 जिलों कुल 28 जनपदों में जहां उत्पादकता कम है, लागू की जाएगी। इन जनपदों में उत्पादकता को बढ़ावा देते हुए राष्ट्रीय औसत तक ले जाने के प्रयास किये जाएंगे।

40 मिलियन टन प्रतिवर्ष हो रहा उत्पादन

एक आंकड़े के मुताबिक उत्तर प्रदेश फल एवं सब्जियों का 40 मिलियन टन प्रतिवर्ष उत्पादन करता है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए इन कृषि एवं बागवानी उत्पादों का विकसित देशों में निर्यात करने की जरूरत है। नोएडा एयरपोर्ट के निकट एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग का क्षेत्र विकसित किया जाएगा, जहां अन्य देशों के उत्पादों के ट्रीटमेंट, टेस्टिंग व पैकेजिंग की सुविधा उपलब्ध होगी। वहां से कारगो प्लेन के द्वारा बाहर के देशों में निर्यात किया जाएगा। इसका असर न केवल प्रदेश की जीडीपी पर पड़ेगा, बल्कि इस सेक्टर से जुड़े प्रदेश की 60 फीसदी आबादी की आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा। कृषि में नए प्रयोगों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

ग्रेनो व ग्रेनो वेस्ट में बन रहे 4 यूजीआर, पानी की किल्लत होगी दूर

- सोसाइटियों व सेक्टरों में होगी भूजल व गंगाजल मिश्रित जलापूर्ति
- सेक्टर ईटा टू में भी बन रहे यूजीआर से आसपास जलापूर्ति होगी बेहतर

> जल विभाग को यूजीआर के निर्माण का कार्य तय समय में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि सेक्टरों व सोसाइटियों में वाटर सप्लाई को और बेहतर बनाया जा सके।
> **प्रेरणा सिंह, एसीईओ, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण**

ग्रेटर नोएडा, 23 जुलाई (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट में जलापूर्ति को बेहतर बनाने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण 4 भूमिगत जलाशयों का निर्माण करा रहा है। ये जलाशय टेकजोन फोर, सेक्टर दो, सेक्टर तीन और ईटा टू में बन रहे हैं। इन जलाशयों के बनने से सेक्टरों व सोसाइटियों में भूजल और गंगाजल मिश्रित पानी की भरपूर आपूर्ति हो सकेगी।

दरअसल, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बढ़ती आबादी को ध्यान में रखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने जल विभाग को जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण के जल विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार ने बताया कि लगभग 10 करोड़ रुपए की लागत से तीन नए जलाशयों का निर्माण कराया जा रहा है। ये जलाशय इस साल के अंत तक बनकर तैयार हो जाएंगे। ये जलाशय टेकजोन-फोर, सेक्टर दो व तीन में बन रहे हैं। सेक्टर टेकजोन-4 के जलाशय की क्षमता 10 हजार केएलडी है। सेक्टर-2 में 6 हजार केएलडी और सेक्टर-3 में 3 हजार केएलडी क्षमता के यूजीआर बनाए जा रहे हैं। इनके बन जाने के बाद गंगाजल और भूजल मिश्रित पानी की आपूर्ति हो सकेगी। टेकजोन फोर के यूजीआर से आसपास की 19 सोसाइटियों और संस्थानों में जलापूर्ति हो सकेगी, जिनमें हिमालया प्राइड, चेरी काउंटी, फ्यूजन होम्स, ग्रीन आर्क, जेएम फ्लोरेंस, स्प्रिंग मीडोज, समृद्धि, मेफेयर, ला रेजिडेंशिया, हवेलिया, एनएक्स वन, गौर सौंदर्यम, निराला एस्टेट, ऐस एस्पायर, लेजर पार्क, रॉयल नेस्ट, गैलेक्सी वेगा, पंचतत्व और आम्रपाली लेजर पार्क आदि शामिल हैं। इसी तरह सेक्टर-2 के यूजीआर से सेक्टर-2 के ही ब्लॉक ए, बी, सी, डी, ई और एफ तथा इरोज संपूर्णनम और निराला आदि सोसाइटियों को पानी आपूर्ति होगी। वहीं सेक्टर-3 के यूजीआर से जनता फ्लैट और सेक्टर-3 के ए, बी, सी और डी ब्लॉक में जलापूर्ति की जाएगी। इसके अतिरिक्त एक अन्य यूजीआर सेक्टर ईटा टू में 1500 केएलडी क्षमता का बनाया जा रहा है। इस साल के अंत तक यह यूजीआर भी बन जाएगा, जिससे आसपास के रिहायशी एरिया जलापूर्ति और बेहतर हो सकेगी।

पतंग उड़ाते समय नौ साल का बच्चा बिजली की चपेट में आकर झुलसा

दनकौर, 23 जुलाई (देशबन्धु)। दनकौर कस्बे के सरकारी अस्पताल के परिसर में एक 9 साल का बच्चा पतंग उड़ाते वक्त बिजली के करंट की चपेट में आकर झुलस गया। बच्चे का दिल्ली के एक अस्पताल में चल रहा इलाज। परिवार का आरोप है कि सरकारी अस्पताल के पास बिजली विभाग ने एक ट्रांसफॉर्मर को जमीन में रखा हुआ है। उसी ट्रांसफार्मर के पास खेलते वक्त करंट की चपेट में उनका बच्चा आ गया। अस्पताल में बच्चे की हालत गंभीर बनी हुई है। इस संबंध में पीड़ित पक्ष ने बुधवार को पुलिस से मामले की शिकायत की है। जानकारी के मुताबिक, दनकौर कस्बे में स्थित सरकारी अस्पताल के गेट पर बिजली विभाग में एक ट्रांसफॉर्मर खुले में जमीन पर रखा हुआ है। मंगलवार शाम कस्बे के बड़ा मोहल्ला निवासी पूजा का 9 साल का बेटा कृष वहां पर पतंग उड़ा रहा था। उसी दौरान उसकी पतंग ट्रांसफॉर्मर के पास पहुंच गई। जिसको लेने के लिए जब बच्चा पहुंचा तो वह बिजली की करंट में आकर बुरी तरह से झुलस गया। पीड़ित पक्ष ने बताया कि यह हादसा बिजली विभाग की लापरवाही से हुआ है। इस संबंध में उन्होंने पुलिस से भी शिकायत की हैं। कोतवाली प्रभारी दनकौर मुनेंद्र सिंह का कहना है कि इस संबंध में शिकायत मिली हैं। जिसके आधार पर जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शारदा विश्वविद्यालय की आंतरिक कमेटी आज सौंपेगी जांच रिपोर्ट

ग्रेटर नोएडा, 23 जुलाई (देशबन्धु)। शारदा विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली बीडीएस की छात्रा ज्योति शर्मा आत्महत्या प्रकरण की आंतरिक जांच विवि प्रबंधन ने पांच दिन में पूरी करने की बात कही थी। बुधवार को पांच दिन पूरे हो गए। उम्मीद है कि गुरुवार सुबह तक कमेटी अपनी जांच रिपोर्ट सौंप देगी। इसके बाद इस प्रकरण में आगे की कार्रवाई होगी। शारदा विश्वविद्यालय में हुई छात्रा की मौत को पांच दिन पूरे हो गए हैं। इस प्रकरण की जांच के लिए कमेटी का गठन हुआ था। विश्वविद्यालय द्वारा गठित जांच कमेटी अभी प्रकरण की जांच कर रही है। एक-एक मामले को गहनता से देखा जा रहा है। सोमवार व मंगलवार को स्टॉफ से पूछताछ कर उनका बयान दर्ज किया है। इसमें छात्रों के साथ ही स्टाफ व अन्य कर्मचारियों का बयान शामिल है। गुरुवार को जांच पूरी होने के बाद बीडीएस विभाग की सील खोलने की भी उम्मीद है। इसके बाद यहां क्लास शुरू हो जाएंगी। पुलिस भी यूनिवर्सिटी प्रशासन की रिपोर्ट के इंतजार कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि विश्वविद्यालय की जांच रिपोर्ट के बाद इसमें आगे की कार्रवाई की जाएगी। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

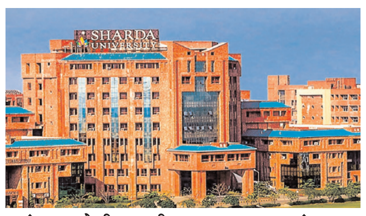

- छात्रा ज्योति शर्मा आत्महत्या मामले में विवि प्रशासन छह लोगों को कर चुकी है निलंबित, सभी पर मामला है दर्ज
- विश्वविद्यालय की जांच रिपोर्ट के आने के बाद पुलिस करेगी आगे की कार्रवाई

शारदा विवि के डायरेक्टर पीआर अजीत कुमार का कहना है कि गुरुवार को जांच पूरी हो जाएगी। जो भी दोषी पाया जाएगा उन पर कार्रवाई होगी। जांच रिपोर्ट को भी सार्वजनिक किया जाएगा। शारदा यूनिवर्सिटी में छात्रा द्वारा खुदकुशी किए जाने की घटना का सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया है। इसकी जांच के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता अपर्णा भट्ट को न्याय मित्र नियुक्त किया है। न्यायालय के संज्ञान के बाद मंगलवार को एक टीम शारदा यूनिवर्सिटी पहुंची थी। ग्रेटर नोएडा के एडीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि पुलिस की टीम ने घटनास्थल से सीसीटीवी की फुटेज अपने कब्जे में ली है। इसके साथ ही उन वीडियो फुटेज की भी जांच की जा रही है जो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। विवि ने चार आरोपियों अनुराग अवस्थी, सुरभी, डीन डॉ. एम सिद्धार्थ एचओडी आशीष चौधरी को घटना के दूसरे दिन निलंबित कर दिया था। अब तक विवि प्रशासन छह लोगों क निलंबित कर चुका है।

नियमों का उल्लंघन करने पर विद्यालय प्रबंधक-प्रधानाचार्य की तय होगी व्यक्तिगत जवाबदेही

ग्रेटर नोएडा, 23 जुलाई (देशबन्धु)। जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों में विद्यालय वाहनों की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जनपद के सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे परिवहन से जुड़े सभी कानूनी एवं सुरक्षा मानकों का अक्षरश: अनुपालन सुनिश्चित करें, अन्यथा संबंधित विद्यालय प्रबंधक अथवा प्रधानाचार्य के विरुद्ध व्यक्तिगत स्तर पर विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश ब्रजेश नारायण सिंह एवं जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के

- जिले के सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों में वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन सख्त

निर्देश पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) डॉ. उदित नारायण पांडे ने बताया कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। हाल ही में 1 से 15 जुलाई तक जिला सहित पूरे प्रदेश में चले विशेष जांच अभियान में अनेक विद्यालय वाहन ऐसे पाए गए जो फिटनेस प्रमाणपत्र के बिना, बिना वैध परमिट, बिना जीपीएस, सीसीटीवी, अग्निशमन यंत्र, प्राथमिक उपचार किट तथा अन्य अनिवार्य सुरक्षा उपकरणों के बिना संचालित हो रहे थे। कई मामलों में चालकों का पुलिस सत्यापन व स्वास्थ्य परीक्षण भी नहीं किया गया था, जो अत्यंत चिंता जनक है।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उतर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोन:- 0120-4270009

देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

तिलपता से मकोड़ा के बीच टूटी सड़क से लोगों को करना पड़ रहा है परेशानी का सामना

ग्रेटर नोएडा, 23 जुलाई (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा के 130 मीटर सड़क पर तिलपता रोटरी से मकोड़ा रोटरी के बीच डीएफसीसीआईएल (डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड) द्वारा निर्मित अंडरपास की टूटी सड़कों की मरम्मत करने में भारी ट्रैफिक का हवाला देते हुए डीएफसीसीआईएल ने मरम्मत करने में असमर्थता जताई है। डीएफसीसीआईएल ने कहा है कि ओवर ब्रिज बनने के बाद ही अंडरपास की सड़कों का मरम्मत किया जाना संभव है। ग्रेटर नोएडा में 130 मीटर सड़क पर तिलपता रोटरी से मकोड़ा रोटरी के बीच पिछले कई सालों से डीएफसीसीआईएल द्वारा रेल ओवर ब्रिज बनाया जा रहा है और वाहनों के आवाजाही के लिए रेलवे लाइन के नीचे अंडरपास बनाया गया है। इस मार्ग के दैनिक यात्री और ग्रेनो वेस्ट निवासी मनीष कुमार ने हर बरसात में अंडरपास में पानी भरने और अंडरपास की टूटी सड़कों की मरम्मत के लिए डीएफसीसीआईएल से ऑनलाइन शिकायत किया था। शिकायत में बताया गया था कि अंडरपास की सड़कें बहुत ही बुरी हालत में है। जिससे वाहनों के आवागमन में चालकों को काफी परेशानी होती है। बरसात के दौरान अंडरपास में पानी भर जाता है, अंडरपास बनाने के दौरान पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं की गई है जिससे बरसात में वाहनों के आवागमन में काफी दिक्कत परेशानी होती है। शिकायतकर्ता ने डीएफसीसीआईएल से अंडरपास की सड़क की रिसर्फेसिंग करते हुए सड़क मरम्मत करने एवं बरसात के दौरान पानी निकासी की समुचित व्यवस्था करने का आग्रह किया था। शिकायत के जवाब में डीएफसीसीआईएल के महाप्रबंधक संदीप कुमार रविवंशी द्वारा बताया गया है कि 130 मीटर चौड़ी सड़क पर आरओबी का निर्माण कार्य प्रगति पर है। आरओबी के दोनों ओर आरयूबी का भी निर्माण किया गया है। बारिश के पानी को रोकने के लिए अंडरपास के प्रवेश द्वारों को भी ढक दिया गया है। आरयूबी में जमा पानी को निकालने के लिए डीवाटरिंग पंप लगाए गए हैं। सड़क के किनारे कोई नाली न होने के कारण कभी-कभी पंप से निकाला गया पानी फिर से आरयूबी में प्रवेश कर जाता है। हालांकि, अब ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा सड़क के किनारे नाली का निर्माण किया जा रहा है। नाली के निर्माण के पूरा होने के बाद जलभराव की समस्या कम हो जाएगी। इस अंडरपास से यातायात का घनत्व बहुत अधिक है और सड़क रीसरफेसिंग का कार्य केवल अंडरपास के यातायात को बंद करके ही किया जा सकता है। इसलिए आरओबी के चालू होने के बाद रीसरफेसिंग का कार्य किया जाएगा।

- डीएफसीसीआईएल ने 130 मीटर सड़क पर निर्मित अंडरपास की सड़क मरम्मत करने की जताई असमर्थता

सावन के शिवरात्रि पर मंदिरों में शिव भक्तों की भीड़, किया जलाभिषेक

ग्रेटर नोएडा, 23 जुलाई (देशबन्धु)। सावन माह में पावन शिवरात्रि पर्व पर मंदिरों में शिव भक्तों की भारी भीड़ देखी गई, इस दौरान लोग कतार में लगकर महादेव का जलाभिषेक किया। ग्रेटर नोएडा के अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा, तुगलपुर सहित सोसाइटियों के आसपास मंदिरों में लोगों ने फूल बेल-पत्र चढ़ाकर जलाभिषेक किया। वहीं हरिद्वार से जल लेकर पहुंचे कांवड़ियों ने भी मंदिरों में अभिषेक किया, जिसको लेकर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर लिए थे। सावन के शिवरात्रि पर्व पर जिले के प्रमुख शिव मंदिरों पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। जिले भर में सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर कुल 4,000 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। पुलिस विभाग के अनुसार शिवरात्रि के दिन भीड़भाड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने मंदिरों की सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा लिया है। सभी प्रमुख मंदिरों पर दूरबीन, वॉच टावर, सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन कैमरों के जरिए निगरानी रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था में कुल 11 मजिस्ट्रेट, आठ डीसीपी, पांच एडीसीपी, 17 एसीपी, 70 इंस्पेक्टर, 950 सब इंस्पेक्टर, 100 महिला सब इंस्पेक्टर, 1850 सिपाही, 550 महिला सिपाही और 350 होमगार्ड्स को तैनात किया गया है। इसके साथ ही पीएसी और अर्धसैनिक बलों की भी तैनाती की गई है। सोशल मीडिया पर भी पुलिस की विशेष टीम नजर बनाए हुए है। इस दौरान किसी भी तरह की आपत्तिजनक या भड़काऊ पोस्ट करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम रूस्तमपुर व रबूपुरा में उप जिलाधिकारी जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर द्वारा प्रस्तुत परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र सं0- 1198/एस०टी० एस०डी०एम०/2025 दिनांक 24.06.2025 के अनुसार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है-

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
रूस्तमपुर	460	महीपाल पुत्र प्रहलाद नि0 ग्राम रूस्तमपुर तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर	प्रकाश देवी	पत्नी	63	विधवा
			लता रानी	पुत्री	48	विवाहित
रबूपुरा	198		पूनम	पुत्री	42	विवाहित
			ममता कुमारी	पुत्री	39	विवाहित
			जीवन भाटी	पुत्री	32	विवाहित
			सीमा भाटी	पुत्री	30	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अदंर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-01,सैक्टर-नॉलेज पार्क-4,ग्रेटर नोएडा सिटी-201310 जिला-गौतमबुद्ध नगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सैक्टर/ग्राम-बिसरख जलालपुर की प्रस्तावित आबादी में आरक्षित भूखण्ड क्षेत्रफल- 190 वर्ग मीटर श्री बलजीत सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह, निवासी-ग्राम-बिसरख जलालपुर, गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० को आरक्षित किया गया था। आवंटी श्री बलजीत सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसान श्री विष्णु भगवान पुत्र स्व० श्री बलजीत सिंह, श्रीमती महेन्द्री (विवाहित), श्रीमती इन्द्रेश (विवाहित), श्रीमती ओमवीरी (विवाहित), श्रीमती हरवीरी (विवाहित), श्रीमती रेखा (विवाहित) पुत्रीगण स्व० श्री बलजीत सिंह, निवासी-ग्राम-बिसरख जलालपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० हाल नि० मकान नं0-226, ग्राम-रजापुर, जिला-गाजियाबाद, उ०प्र० में से श्री विष्णु भगवान पुत्र स्व० श्री बलजीत सिंह, निवासी-ग्राम-बिसरख जलालपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० हाल नि० मकान नं0-226, ग्राम-रजापुर, जिला-गाजियाबाद, उ०प्र० के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अत: इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके वारिस श्री विष्णु भगवान पुत्र स्व० श्री बलजीत सिंह, निवासी-ग्राम-बिसरख जलालपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० हाल नि० मकान नं0-226, ग्राम-रजापुर, जिला-गाजियाबाद, उ०प्र० के पक्ष में आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

{ संपादकीय }
नई दिल्ली, गुरुवार 24 जुलाई 2025
संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

सड़क और संसद दोनों सूनी रखने की चाल

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने बुधवार को सदन में नारेबाजी कर रहे और पोस्टर दिखा रहे विपक्षी सांसदों को फटकार लगाते हुए कहा कि सड़क जैसा व्यवहार आप सदन में नहीं कर सकते। माननीय हो, माननीय बने रहो। आपको यहां जनता की आवाज उठाने, उसकी पीड़ा, चिंताओं के बारे में विमर्श करने के लिए भेजा गया है, आप ये सब मत करिए। इसके बाद ओम बिड़ला ने सदन को दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दिया। जिस अंदाज में ओम बिड़ला ने विपक्ष को डांटा-फटकारा, यह अनोखा नहीं है। वे पहले भी सदन के भीतर मर्यादित आचरण बनाए रखने की नसीहत दे चुके हैं। ये और बात है कि उनकी नसीहत केवल विपक्ष के लिए रहती है। सत्ता पक्ष के लोगों पर वे ऐसी सख्ती नहीं दिखाते। अन्यथा किसी सांसद को धर्म के नाम पर अपशब्द कहना या संसद में खड़े होकर चुनावी भाषण देना या किसी पूर्व प्रधानमंत्री के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करना, ये सारे कारनामे जो भाजपा ने किए हैं, वे नहीं हो पाते। बहरहाल, विपक्ष भी अब जानता है कि सरकार सदन को चलने नहीं देना चाहती, क्योंकि उसे फिर कई ऐसे सवालों का सामना करना पड़ेगा, जिनके जवाब उसके पास नहीं हैं। सरकार केवल एक ही सूरत में सदन को चलाएगी, जब विपक्ष चुपचाप बैठ कर उसका एकालाप सुने। जो हाल इस वक्त के पत्रकारों का हो गया है, जिन्हें इस बात से भी आपत्ति नहीं होती कि प्रधानमंत्री मीडिया से संवाद करेंगे ऐसा क्यों कहा जाता है, जबकि श्री मोदी अपने से काफी दूर पत्रकारों को खड़ा कर अपना बयान सुनाकर चले जाते हैं। पत्रकार सामने रहें और देश का नेता बोले तो लोकतंत्र के बने रहने का भरम बना रहता है। वर्ना जो कुछ श्री मोदी हर सत्र की शुरुआत में आकर कहते हैं, वह प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी बयान के जरिए भी मीडिया संस्थानों तक पहुंचाया जा सकता है।

लोकतंत्र का भरम बनाए रखने में लोकसभा अध्यक्ष भी पूरा सहयोग कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने विपक्ष को याद दिलाया है कि जनता ने आपको किसलिए संसद में चुन कर भेजा है। हालांकि जो नियम विपक्ष पर लागू होता है, वह सत्ता पक्ष पर भी लागू होता है। जनता के सवालों को सदन में अगर सरकार उठाने दे तो फिर यह गतिरोध बनेगा ही नहीं। विपक्ष के लोगों को अपने स्थान से उठकर सामने आने और नारेबाजी करने पर मजबूर ही इसलिए होना पड़ता है कि उनकी बातों को सरकार सुन नहीं रही है। सरकार ने यह तय कर लिया कि प्रधानमंत्री जब विदेश से लौटेंगे तब ऑपरेशन सिंदूर या पहलगाम मुद्दे पर जवाब देंगे। लेकिन प्रधानमंत्री तो संसद शुरु होने के तीसरे दिन विदेश रवाना हो गए हैं, जब जीएसटी लागू करने के लिए या वक्फ संशोधन अधिनियम को पारित करने के लिए आधी रात तक संसद चलाई जा सकती है, तो फिर देश की सुरक्षा और सम्मान से जुड़े इतने गंभीर मुद्दे पर बात करने के लिए इंतजार क्यों करवाया जा रहा है, यह एक बड़ा सवाल है।

ऑपरेशन सिंदूर पर बुधवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने फिर से प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोला है। पत्रकारों से चर्चा में राहुल गांधी ने कहा कि एक तरफ श्री मोदी कहते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर अभी चल रहा है, दूसरी तरफ वे विजय की बात भी करते हैं, ऐसा कैसे हो सकता है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से युद्धविराम के दावे भी रुक नहीं रहे हैं। हाल ही में ट्रंप ने 25वीं बार यही दावा किया है कि व्यापार की धमकी देकर उन्होंने भारत और पाक के बीच युद्ध रुकवाया है। तीन महीनों में 25 बार एक ही बात का दावा करने की इस रफ्तार को देखें तो जल्द ही ट्रंप इस दावे का शतक बना लेंगे। क्या तब जाकर प्रधानमंत्री इस पर अपना पक्ष सामने रखेंगे और कहेंगे कि मैं कृष्ण की तरह शिशुपाल की सौ गलतियां पूरा होने का इंतजार कर रहा था।

बहरहाल, नरेन्द्र मोदी व्यक्तिगत तौर पर यह हिम्मत न दिखा पाएं कि वे अमेरिका जैसे देश के राष्ट्रपति के बयान पर कोई पलटवार करें, लेकिन भारत का प्रधानमंत्री होने के नाते तो उन्हें इस बेहूदे दावे का जवाब देने में कोई देर नहीं करनी चाहिए। इस देश की दुनिया में अलग साख है और प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति को इसकी गरिमा का अहसास होना चाहिए। यह समझ से परे है कि श्री मोदी सत्ता के 11वें साल में भी क्यों इस गरिमा से वंचित हैं। वे अमेरिका की तरफ से किए जा रहे इस अपमान पर एक बार सख्ती से जवाब देकर तो देखें, उन्हें खुद समझ आएगा कि भारत का प्रधानमंत्री होने के मायने क्या हैं।

लेकिन नरेन्द्र मोदी ने न विदेश में भारत की साख को बनाए रखा है, न वे देश में लोकतंत्र पर हो रहे प्रहार पर फिक्र कर रहे हैं। इसलिए विपक्ष को ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम के साथ-साथ बिहार में हो रहे मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ भी संसद में आवाज उठानी पड़ रही है। बुधवार को विपक्ष के सांसदों ने फिर से इसे लेकर प्रदर्शन किया और कई ने तो बाकायदा काले कपड़े भी पहने। विपक्ष चाहता है कि सरकार इस मुद्दे पर भी चर्चा करे क्योंकि यह सीधे-सीधे मताधिकार पर चोट करने की प्रक्रिया है। जब वोट देने का अधिकार ही लोगों से छिन जाएगा, तब लोकतंत्र कहां तक और कब तक बचा रह पाएगा, यह एक गंभीर सवाल है। क्रोनोलॉजी की भाषा में कहें तो लोग वोट नहीं दे पाएंगे, अपनी पसंद से जनप्रतिनिधि नहीं चुन पाएंगे, जिसकी सत्ता होगी, उसके लोग सदन में पहुंचेंगे और फिर उन्हीं लोगों की सुविधा के लिए कानून बनाएंगे, जिनसे सरकार को फायदा होता है और सरकार जिनको फायदा पहुंचाती है। इसमें लोगों की शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास की बुनियादी सुविधाएं, संविधान में प्रदत्त मूलभूत अधिकार सब खत्म हो जाएंगे। यानी मामला केवल एक राज्य में हो रही एसआईआर का नहीं है, इसके पीछे बड़ा खेल है जिसे उजागर करने में विपक्ष लगा है। लेकिन ओम बिड़ला समझा रहे हैं कि विपक्ष सड़क की तरह आचरण न करे। यानी भाजपा चाहती है कि उसके राज में सड़कें भी सूनी रहें और संसद भी।

उन्मादी कठपुतलियों का देश

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

कविवर भवानी प्रसाद मिश्र की कविता है कठपुतली, जिसमें कवि कहते हैं–

कठपुतली, गुस्से से उबली
बोली— ये धागे, क्यों हैं मेरे पीछे-आगे ?
तब तक दूसरी कठपुतलियां
बोलीं कि- हां हां हां, क्यों हैं ये धागे
हमारे पीछे- आगे ?
हमें अपने पांवों पर छोड़ दो, इन सारे धागों को तोड़ दो!
बेचारा बाज़ीगर, हक्का - बक्का रह गया सुनकर
फिर सोचा अगर डर गया
तो ये भी मर गईं, मैं भी मर गया
और उसने बिना कुछ परवाह किए, ज़ोर -ज़ोर धागे खींचे
उन्हें नचाया!
कठपुतलियों की भी समझ में आया
कि हम तो कोरे काठ की हैं, जब तक धागे हैं, बाज़ीगर है
तब तक ठाट की हैं, और हमें ठाट में रहना है
याने कोरे काठ की रहना है।

इसी कविता का एक दूसरा स्वरूप एनसीईआरटी की कक्षा सात की हिंदी पुस्तक में है, जिसमें एक कठपुतली के गुस्से पर, बाकी कठपुतलियां भी कहती हैं कि हां, बहुत दिन हुए, हमें अपने मन के छंद छुए, तो पहली कठपुतली सोचने लगती है कि ये कैसी इच्छा मेरे मन में जगी।

दोनों ही प्रकारों में आखिरकार कठपुतलियों को ये मानना पड़ता है कि दूसरों के इशारे पर नाचना ही उनकी नियति है। कठपुतलियां दूर से भले कितनी भी सुंदर और आकर्षक दिखे, उनका सारा अस्तित्व उन धागों से ही है, जो बाजीगर के हाथ में बंधी हैं। कठपुतलियों की तरह अब इस देश की जनता भी ऐसे ही किसी और के धागे में बंधी रस्सियों के सहारे अपने अस्तित्व को निर्भर करती जा रही है। हमारा राष्ट्रगान जन गण मन को भारत का भाग्य विधाता कहता है। लेकिन ये कैसा भाग्यविधान हम रच रहे हैं, जिसमें उन्माद ही उन्माद नजर आ रहा है। सड़क से लेकर सिनेमाघरों तक फिलहाल इस उन्माद के नजारे देखे जा सकते हैं।

एक फिल्म आई है सैयारा, जिसने प्रदर्शन के चार दिनों के भीतर ही 84 करोड़ का कारोबार कर लिया है। जिन लोगों ने फिल्म देखी है, उनके मुताबिक एक लंबे अरसे के बाद कोई अच्छी प्रेमकथा बड़े परदे पर देखने मिली है, दोनों नए कलाकारों ने अच्छा अभिनय किया है और इसके गीत भी अच्छे हैं। यानी मनोरंजन के लिहाज से फिल्म अच्छी है, इसलिए लोग इसे पसंद कर रहे हैं। मगर सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो आ रहे हैं, जिनमें इस फिल्म को देखते हुए रोते, बिलखते, उछलते, एक-दूसरे से गले लगते युवा नजर आ रहे हैं। मनोविज्ञान में इसे एक मनोविकार मास हिस्टीरिया कहते हैं, जो एक ऐसी सामाजिक घटना है जिसमें एक समूह के लोग बिना किसी पहचाने जाने योग्य शारीरिक कारण के समान लक्षण प्रदर्शित करने लगते हैं। सैयारा से पहले एक और फिल्म आई थी छावा, उसे देखकर भी सिनेमा हॉल के भीतर मुसलमानों और मुगल शासन के खिलाफ दर्शक नारेबाजी करते और उन्माद में चीखते दिखे थे। फर्क इतना ही है कि छावा में नफरती उन्माद की लहर थी, सैयारा से रुमानी भावुकता का उन्माद फैल रहा है।

> शिवजी का एक नाम पशुपतिनाथ भी है। यानी वे समस्त प्राणियों के नाथ हैं, फिर कांवड़ यात्रा के दौरान शोर से, भीड़ से जिन मूक पशुओं को कष्ट भोगना पड़ता है, क्या उनसे पशुपतिनाथ प्रसन्न होंगे। सबसे बड़ी बात तो यह कि शिवजी दूसरों को कष्ट से बचाने के लिए खुद जहर पीने का उदाहरण प्रस्तुत कर चुके हैं, फिर उनकी भक्ति के नाम पर दूसरों को कष्ट क्यों दिया जा रहा है। कांवड़ यात्रा शांति से भी निकाली जा सकती है।

ऐसा नहीं है कि सैयारा जैसी प्रेमकथा को देखकर पहली बार ऐसा पागलपन हुआ है। 1981 में कुमार गौरव, विजेयता पंडित की लव स्टोरी और कमल हासन, रति अग्निहोत्री की एक दूजे के लिए, ये दो प्रेमकथाओं वाली फिल्में आई थीं और दोनों को देखकर युवाओं की दीवानगी बढ़ी थी। लेकिन वो दौर सोशल मीडिया का नहीं था, इसलिए तब खबरें प्रकाश से भी तेज गति से नहीं पहुंचती थीं। उस वक्त समाज का माहौल भी काफी अलग था। भावनाओं की ऐसी मुखर अभिव्यक्तियां नहीं होती थीं, जो अब सहज हो जाया करती हैं।

बहरहाल, सैयारा को लेकर यह दीवानगी कब तक चलेगी, कहा नहीं जा सकता। इससे प्रभावित युवा व्यक्तिगत तौर पर अपनी ऊर्जा या वक्त को कितना बर्बाद करते हैं, यह उनका निजी मसला है, लेकिन इससे व्यापक रूप से समाज को कोई नुकसान नहीं हो रहा है। मगर जो दूसरे किस्म का उन्माद सड़कों पर फैलता जा रहा है, वह बेहद चिंताजनक है। यह उन्माद धर्म के नाम पर फैला है और सालों साल फैलता ही जा रहा है।

11 जुलाई से सावन महीने की शुरुआत के साथ ही प्रारंभ हुई कांवड़ यात्रा बुधवार 23 जुलाई को महाशिवरात्रि पर खत्म हो गई। धार्मिक नजरिए से देखें तो यह व्यक्ति को अनुशासित करने की यात्रा है, जिसमें कड़े नियमों से बंधकर भक्त कंधे पर कांवड़ लेकर नंगे पांव चलते हैं। कई धर्मों में खुद को कष्ट देकर पुण्य कमाने के तरीके बताए गए हैं। यह भी उसी का एक प्रकार है। लेकिन भाजपा और आरएसएस ने इस देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की अपनी सनक में कांवड़ यात्रा का राजनीतिकरण कर दिया है। अब कांवड़ यात्राओं में केवल भक्तों को कष्ट नहीं उठाना पड़ता, जो लोग इस यात्रा का हिस्सा नहीं बनते हैं, वे भी कष्ट भोगने के लिए अभिशप्त कर दिए गए हैं। कांवड़ यात्रा निकालने के लिए सड़कें जाम की जाती हैं, वाहनों के मार्ग बदले जाते हैं, पुलिस प्रशासन को कांवड़ियों की सेवा में लगा दिया जाता है और इससे भी राजनैतिक लाभ मिलने में कमी रह जाए तो सरकारें खुद सेवा के लिए आगे आ जाती हैं। हमने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी को कांवड़ियों पर फूल बरसाते और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को कांवड़ियों को भोजन परोसते देखा है। अपनी निजी हैसियत में ये लोग चाहे जितने धार्मिक कर्मकांड करें, लेकिन जब वे सरकार चलाने के लिए गद्दी पर बैठे हैं, तो इनकी पहली प्राथमिकता क्या होना चाहिए, ये सवाल जनता को करना चाहिए। मगर जनता कठपुतली बनी देख रही है कि उसके नेता पूजा में व्यस्त हैं। उत्तर प्रदेश में स्कूलों के बंद होने पर बच्चियां रो रही हैं, दिल्ली के कुछ सरकारी स्कूलों में घुटनों तक पानी भरा है, बच्चियां परेशान हैं, लेकिन कठपुतली बन चुकी जनता इस बात पर खुश है कि कांवड़ियों को तकलीफ न हो, इसका इंतजाम सरकार ने किया है। यहां तक भी ठीक है, लेकिन कांवड़ लेकर धार्मिक यात्रा पर निकले कई लोग सड़कों पर गुंडागर्दी करते हैं, तय सीमा से कहीं अधिक आवाज में डीजे बजाकर शोर करते हैं, दुकानदारों से लेकर सरकारी ड्यूटी पर तैनात लोगों से मारपीट करते हैं, लड़कियों से अभद्रता करते हैं, क्या उसे भी जनता ने सहजता से लेना शुरु कर दिया है। अगर ऐसा है, तो फिर यह न केवल लोकतंत्र के लिए बल्कि हिंदू धर्म के लिए भी बड़ी खतरनाक बात है। ऐसे रवैये से वाकई धर्म खतरे में पड़ते जा रहा है।

जिन शिवजी के नाम पर पूरी कांवड़ यात्रा निकलती है, उनका एक नाम अर्द्धनारीश्वर भी है। स्त्री-पुरुष समानता का अनुपम उदाहरण शिव प्रस्तुत करते हैं। लेकिन क्या कांवड़ यात्रा में स्त्रियां पुरुषों की तरह बेखौफ होकर निकल सकती हैं, यह सोचने वाली बात है। अभी कुछ वीडियो देखने मिले, जिनमें कांवड़ यात्रा के वाहन में शिवजी की झांकी के सामने डीजे पर थिरकती लड़कियां हैं। कहने की जरूरत नहीं कि नृत्य अश्लील किस्म के थे और नजर आ रहा था कि कमाई के लिए लड़कियों को ऐसे नृत्य करने पर मजबूर होना पड़ा है। क्रोध में आकर खुद तांडव करने वाले शिवजी क्या ऐसी भक्ति से प्रसन्न होंगे। शिवजी का एक नाम पशुपतिनाथ भी है। यानी वे समस्त प्राणियों के नाथ हैं, फिर कांवड़ यात्रा के दौरान शोर से, भीड़ से जिन मूक पशुओं को कष्ट भोगना पड़ता है, क्या उनसे पशुपतिनाथ प्रसन्न होंगे। सबसे बड़ी बात तो यह कि शिवजी दूसरों को कष्ट से बचाने के लिए खुद जहर पीने का उदाहरण प्रस्तुत कर चुके हैं, फिर उनकी भक्ति के नाम पर दूसरों को कष्ट क्यों दिया जा रहा है। कांवड़ यात्रा शांति से भी निकाली जा सकती है। भक्त अपने कांवड़ लेकर निर्धारित मार्ग से यात्रा तय करें और सारे अनुष्ठान पूरे कर वापस लौटें। ऐसा सालों साल होता रहा है और हिंदुस्तानी समाज में कभी किसी को इस पर तकलीफ नहीं हुई। लेकिन अब सत्ता के लिए राजनीति धार्मिक उन्माद फैला रही है और लोग अपनी चेतना छोड़ उन्मादी कठपुतलियों में तब्दील हो रहे हैं।

अडिग संघर्ष की परंपरा के प्रतीक थे वी.एस. अच्युतानंदन

■ पिनाराई विजयन

कॉमरेड वी.एस. अच्युतानंदन का जीवन, जिनका सोमवार को 101 वर्ष की आयु में निधन हो गया, सामान्यत: केरल के इतिहास और विशेष रूप से यहां के क्रांतिकारी आंदोलन का एक उल्लेखनीय अध्याय है।

कॉमरेड वी.एस. अच्युतानंदन संघर्ष की एक शानदार परंपरा, असाधारण दृढ़ संकल्प और अडिग संघर्ष के प्रतीक थे। उनका एक शताब्दी लंबा जीवन, जिसने लोगों की समस्याओं को उठाया और जो लोगों के साथ खड़े रहे, केरल के आधुनिक इतिहास से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। केरल सरकार, माकपा, वाम लोकतांत्रिक मोर्चा और विभिन्न चरणों में विपक्ष का नेतृत्व करने वाले वीएस के योगदान अद्वितीय हैं। इतिहास दर्ज करेगा कि वे केरल की राजनीतिक विरासत का हिस्सा हैं।

वीएस का निधन एक युग का अंत है। इससे पार्टी, क्रांतिकारी आंदोलन और संपूर्ण लोकतांत्रिक प्रगतिशील आंदोलन को भारी क्षति हुई है। पार्टी सामूहिक नेतृत्व के माध्यम से ही इस क्षति की भरपाई कर सकती है। यह वह समय है जब लंबे समय तक साथ काम करने की कई यादें ताज़ा हो जाती हैं।

> कॉमरेड वी.एस. अच्युतानंदन संघर्ष की एक शानदार परंपरा, असाधारण दृढ़ संकल्प और अडिग संघर्ष के प्रतीक थे। उनका एक शताब्दी लंबा जीवन, जिसने लोगों की समस्याओं को उठाया और जो लोगों के साथ खड़े रहे, केरल के आधुनिक इतिहास से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। केरल सरकार, माकपा, वाम लोकतांत्रिक मोर्चा और विभिन्न चरणों में विपक्ष का नेतृत्व करने वाले वीएस के योगदान अद्वितीय हैं।

वीएस का जीवन क्रांतिकारी आंदोलन में असाधारण ऊर्जा और अस्तित्व की शक्ति से चिह्नित एक घटनापूर्ण जीवन था। वीएस का जीवन केरल और कम्युनिस्ट पार्टी के इतिहास में एक संघर्षपूर्ण अध्याय है। इस कॉमरेड का राजनीतिक जीवन, जो मजदूरों और किसानों के विद्रोहों को संगठित करके आंदोलन के साथ आगे बढ़ा, उस अंधकारमय समय को सुधारने के संघर्षों के माध्यम से उभरा जब सामंतवाद और जातिवाद प्रबल थे। साधारण शुरुआत से, वे कम्युनिस्ट आंदोलन के विकास के चरणों के माध्यम से केरल के मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे।

1964 में जब कम्युनिस्ट पार्टी का विभाजन हुआ, तो राष्ट्रीय परिषद छोड़ने वाले 32 लोगों में से आखिरी बची कड़ी भी वी.एस. के निधन के साथ ही टूट गई। एक मूल्यवान राजनीतिक उपस्थिति जिसने राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम को समकालीन राजनीति के साथ तालमेल बिठाए रखा था, लुप्त हो गई।

एक कम्युनिस्ट नेता, विधान सभा के सदस्य, विपक्ष के नेता और मुख्यमंत्री के रूप में, श्री वी.एस. ने अनेक योगदान दिए हैं। पुन्नप्रा-वायलार के पर्याय, कॉमरेड, कष्ट, सहनशीलता और जीवनयापन के जीवन से गुज़रे।

एक मज़दूर से वी.एस. बहुत तेज़ी से मज़दूर वर्ग आंदोलन के एक शक्तिशाली नेता के रूप में उभरे। पार्टी ने वी.एस. का और वी.एस. ने पार्टी का विकास किया। 1940 में, 17 वर्ष की आयु में, वे कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य बने और 85 वर्षों तक, लंबे समय तक पार्टी के सदस्य रहे। कुट्टनाड गए कॉमरेड वी.एस. ने खेतिहर मज़दूरों द्वारा झेली जा रही मज़दूरी और जातिगत गुलामी को समाप्त करने के संघर्ष का नेतृत्व किया। उन्होंने कुट्टनाड के गांवों में घूमकर कृषि श्रमिकों की बैठकें आयोजित कीं और उन्हें एक संगठित शक्ति के रूप में विकसित किया। उन्होंने यह काम ज़मींदारों और पुलिस को चुनौती देकर किया।

वी.एस. ने 'त्रावणकोर कृषि श्रमिक संघ' के गठन और बाद में केरल के सबसे बड़े श्रमिक आंदोलनों में से एक, 'केरल राज्य कृषि श्रमिक संघ' के रूप में इसके विकास में एक अपूरणीय भूमिका निभाई। वी.एस. के नेतृत्व में अनगिनत संघर्षों ने कुट्टनाड के सामाजिक इतिहास को बदल दिया। वे बेहतर मज़दूरी, चप्पा प्रथा के उन्मूलन, रोज़गार की स्थिरता और अतिरिक्त ज़मीन की ज़ब्ती के संघर्षों में सबसे आगे थे। मज़दूरों में आत्मविश्वास और टीम भावना जगाने के उनके प्रयासों, खेतों की मेड़ों पर कई किलोमीटर पैदल चलने और उनकी झोपड़ियों में जाने ने सभी को आंदोलन की ओर आकर्षित किया।

1948 में पार्टी पर प्रतिबंध लगने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। 1952 में, उन्हें पार्टी का अलप्पुझा संभाग सचिव चुना गया। इस बीच, वे एकीकृत केरल के लिए कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाले आंदोलनों में सक्रिय रहे। 1957 में जब कम्युनिस्ट पार्टी सत्ता में आई, तो वे पार्टी के अलप्पुझा ज़िला सचिव और राज्य सचिवालय के सदस्य बने। 1959 में, वे पार्टी की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य बने। वी.एस. ने अधिशेष भूमि संघर्ष सहित कई साहसी संघर्षों का नेतृत्व किया।

उन्होंने विभिन्न समयों पर साढ़े पांच साल से ज़्यादा जेल में बिताए। वे 1964 से माकपा केंद्रीय समिति के सदस्य रहे। वे 1985 में पोलित ब्यूरो के सदस्य बने। उन्होंने 1980 से 1992 तक माकपा राज्य सचिव और 1996 से 2000 तक एलडीएफ संयोजक के रूप में कार्य किया। 2015 में कोलकाता में आयोजित 21वीं पार्टी कांग्रेस में उन्होंने वृद्धावस्था के कारण केंद्रीय समिति से इस्तीफा दे दिया। बाद में, वे केंद्रीय समिति के विशेष आमंत्रित सदस्य बने। वे 2001 से 2006 तक विपक्ष के नेता रहे। 2006 से 2011 तक वे मुख्यमंत्री रहे। 2011 से 2016 तक वे फिर से विपक्ष के नेता बने रहे। वे एक ऐसे नेता हैं जिन्होंने अपने सभी पदों पर अपनी छाप छोड़ी है।

कृषि मज़दूरों और नारियल रेशा मज़दूरों की कठिनाइयों को व्यक्तिगत रूप से अनुभव करने के बाद, वी.एस. ने अपने अनुभवों को अपनी शक्ति में बदल दिया। शोषितों की मुक्ति के लिए खड़े होने वाले इस साथी ने कृषि मज़दूर आंदोलन और कम्युनिस्ट आंदोलन को इसी भावना के साथ आगे बढ़ाया।

उन्होंने हमेशा साहस का परिचय दिया। उन्होंने पार्टी विभाजन के बाद के दौर में संशोधनवाद और बाद में अतिवाद के विरुद्ध संघर्ष किया और पार्टी को सही रास्ते पर मजबूती से बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई।

केवल राजनीति से आगे बढ़कर, वी.एस. ने पर्यावरण, मानवाधिकार और महिला समानता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम किया। इसी प्रक्रिया में, पार्टी नेता रहते हुए भी वी.एस. को जनता की स्वीकृति मिली। सामाजिक महत्व के अन्य मुद्दों को मुख्यधारा के राजनीतिक मुद्दों में लाने में वी.एस. ने प्रमुख भूमिका निभाई।

विधानसभा सदस्य के रूप में, श्री वी.एस. ने अद्वितीय योगदान भी दिया। वे 1967 और 1970 में अम्बालाप्पुझा से और 1991 में मरारीकुलम से विधान सभा के सदस्य बने। वे 2001 से 2021 तक पलक्कड़ जिले के मालमपुझा निर्वाचन क्षेत्र से विधायक रहे। उन्होंने 2016 से 2021 तक केरल प्रशासनिक सुधार आयोग के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने पार्टी और मोर्चे द्वारा बनाई गई नीतियों को लागू करके केरल को आगे बढ़ाया। उन्होंने संकटों में भी बिना किसी हिचकिचाहट के सरकार का नेतृत्व किया। विपक्ष के नेता के रूप में, उन्होंने सदन में कई लोकप्रिय मुद्दे उठाए। उन्होंने विधायी मामलों में भी अपना योगदान दिया। वी.एस. एक ऐसे नेता थे जिन्होंने केरल के राजनीतिक इतिहास पर एक अनूठी छाप छोड़ी है।

आपके पत्र

स्क्रॉल संस्कृति और अंधविश्वास : तकनीक के युग में मानसिक गुलामी ?

आज का युग तकनीक और सूचना का है। हर हाथ में मोबाइल है, हर जेब में इंटरनेट। लेकिन क्या वास्तव में हम ज़्यादा जागरूक हुए हैं, या बस स्क्रीन पर फिसलती उंगलियों के गुलाम बन गए हैं? विज्ञापन, वीडियो, मीम्स, रील्स और टोटकों की अंतहीन दुनिया में लोग उलझे हुए हैं। 'स्क्रॉल संस्कृति' ने हमारे ध्यान की डोर काट दी है। पहले जो बातें गहराई से समझी जाती थीं, वे अब 30 सेकेंड के शॉर्ट्स और 280 कैरेक्टर की पोस्ट में सिमट चुकी हैं।

हमारा मस्तिष्क सतही जानकारी से भर चुका है, लेकिन ज्ञान की गहराई खो चुकी है। एक समय था जब हम अख़बार में लंबा लेख पढ़ते थे, चर्चा करते थे, विचार करते थे। अब हम 'स्क्रॉल' करते हैं– बिना रुके, बिना सोचे। नतीजा? मानसिक थकावट, एकाकीपन, दिखावे की होड़ और डिजिटल अवसाद। लोग मुस्कुराते हुए सेल्फी पोस्ट करते हैं लेकिन भीतर से टूटे हुए होते हैं। 'हैशटैग हैप्पी' के पीछे एक गहरा खालीपन छिपा होता है। सोशल मीडिया पर तथाकथित 'इन्फ्लुएंसर' अब जीवन के हर क्षेत्र में सलाह दे रहे हैं– स्वास्थ्य, शिक्षा, रिश्ते, यहां तक कि अध्यात्म भी। लेकिन उनका ज्ञान सतही है, और उद्देश्य? व्यूज और लाइक्स। जिन्हें खुद का मानसिक स्वास्थ्य संभालना नहीं आता, वे 'मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट' बन बैठे हैं। स्क्रॉल संस्कृति ने हमारी सोच को टुकड़ों में बांट दिया है। एक तरफ 'माइंडफुलनेस' की बात हो रही है, दूसरी तरफ हम खुद से कटते जा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करते हुए लोग घंटों बर्बाद कर देते हैं लेकिन वास्तविक संवाद की शक्ति खो चुके हैं। एक क्लिक में हजारों राय मिलती हैं, लेकिन उनकी वैधता कौन जांचे

एक रिपोर्ट के अनुसार, औसतन भारतीय युवा रोज़ाना 4-6 घंटे सोशल मीडिया पर बिताता है। इस दौरान वह कितनी बार खुद से जुड़ता है? स्क्रॉल करते हुए हम दूसरों की ज़िंदगी की झलक देखते है– उनकी पार्टियों, छुट्टियों, खुशियों की तस्वीरें और अपनी ज़िंदगी से असंतुष्ट हो जाते हैं। यह तुलना भीतर एक बेचैनी और अवसाद को जन्म देती है। हमने जीवन को रील में बदल दिया है। जो दिखता है वही बिकता है– यही सोच आत्मा को खोखला कर रही है।

नींद की कमी, ध्यान भटकाव, सोशल एंग्जायटी, आत्म-संदेह, आत्महत्या की प्रवृत्ति – ये सब स्क्रॉल संस्कृति की भेंट चढ़ते मानसिक परिणाम हैं। कई शोधों में पाया गया है कि इंस्टाग्राम, टिकटॉक और फेसबुक का अधिक प्रयोग किशोरों और युवाओं में आत्म-संकोच और डिप्रेशन बढ़ाता है। टीवी चैनल्स भी अब 'रहस्यमयी मंदिर', 'भूतिया हवेली', 'ज्योतिष समाधान' जैसे कार्यक्रमों से टीआरपी बटोरते हैं। विज्ञापन कंपनियां भी 'राहु-केतु दोष' जैसे शब्दों से डराकर उत्पाद बेचती हैं। जब संस्थान ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण के खिलाफ काम करें, तो जनता कैसे जागरूक हो?

रोज़ 1 घंटा मोबाइल-मुक्त समय बिताएं। सप्ताह में एक दिन डिजिटल डिटॉक्स करें। रात को सोने से 1 घंटा पहले स्क्रीन न देखें। अधूरी जानकारी के आधार पर राय न बनाएं। हर बात पर शक नहीं, पर हर बात पर सोच ज़रूर हो। बच्चों को सवाल पूछने के लिए प्रोत्साहित करें। विज्ञान, लॉजिक और तथ्य आधारित शिक्षा प्रणाली अपनाएं।

स्कूलों में 'सूचना की जांच कैसे करें' जैसे पाठ्यक्रम हों। 'फैक्ट चेकिंग' एक सामाजिक आदत बने। यू-ट्यूब पर देखी गई हर बात को सच न मानें। धर्म को आत्मा से जोड़ें, डर से नहीं। श्रद्धा का मतलब है समझना, अंधा पालन नहीं। तथाकथित चमत्कारी समाधानों की जांच-पड़ताल करें। तकनीक ने हमें जोड़ने का दावा किया था, लेकिन आज हम सबसे कम जुड़े हुए हैं — खुद से भी, और समाज से भी। हम स्क्रीन पर हैं, लेकिन जीवन से बाहर हैं। हम क्लिक करते हैं लेकिन महसूस नहीं करते।

- डॉ सत्यवान सौरभ

ललित सुरजन की कलम से

उत्तराखंड: भविष्य के सवाल

पुराने समय के तीर्थयात्री ऋषिकेश से हनुमानचट्टी, गरुड़चट्टी आदि पड़ावों को पार करते हुए पैदल बद्रीनाथ जाते थे या फिर पहाड़ी खच्चरों का सहारा लेते थे। इसमें न तो चौड़ी सड़कों की आवश्यकता होती थी और न वाहनों का प्रदूषण फैलता था; यात्री भी भक्तिभाव में गहरे रम कर इस पथ पर जाते थे। उन्हें पांच सितारा होटलों की भी जरूरत नहीं पड़ती थी। लेकिन पिछले पचास साल में शनैः शनैः परस्थिति बदल गई। मैंने 2005 में इस अंचल की यात्रा से लौटकर लिखा था कि ऋषिकेश से बद्रीनाथ के बीच सेना व आवश्यक सामग्री के परिवहन के अलावा मोटर यातायात पूरी तरह बंद कर देना चाहिए। मोटर यातायात से उस इलाके का तापमान लगातार बढ़ रहा था, जिसके चलते वहां की पहाड़ियों पर साल भर जमा रहने वाली बर्फ मई-जून आते-आते पिघलने लगी थी। जाहिर है कि ऐसा सुझाव किसी के काम का नहीं था।

(देशबन्धु में 30 जून 2013 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2013/07/blog-post.html

आज हरियाली अमावस्या

त्योहारों का प्रवेश द्वार: हरेली

हरेली पर्व को हिंदू त्योहारों का प्रवेश द्वार कहा जाता है । कारण यह कि इस पर्व के बाद ही पर्वों की श्रृंखला आमजनों को उत्सवों से जोड़ने का काम करती है। हरेली के बाद नाग पंचमी, रक्षाबंधन, तीजा-पोला, गणेशोत्सव, दुर्गोत्सव, दशहरा, शरद पूर्णिमा, करवा चौथ और पंच दिवसीय पर्व दीपावली का आगमन होता है इसलिए यह कहना गलत नहीं कि त्योहारों का द्वार, हरेली त्योहार। हरेली पर्व अमावस्या की अंधेरी रात से प्रकाश की ओर ले जाने का संदेश देता है। प्रकाश ही जीवन का आधार है और हरेली पर्व की हरियाली मानव जीवन की खुशियों का प्रतीक है। हरेली पर्व में राउत,नाई, लोहार ,धोबी और कोटवार का महत्व भी बढ़ जाता है। सभी के संयुक्त योगदान से पर्व में किसी प्रकार का संकट न आने हेतु ईश्वरीय और सांस्कृतिक परंपरा का पालन करते हुए पूजा-अर्चना की जाती है।

हरेली मनुष्य और प्रकृति के बीच गहरे संबंध का प्रतीक है। यह जमीन और जीवन को सहारा देने वाले उपकरणों के प्रति कृतज्ञता की भावना को भी उजागर करता है। यह पर्व खेती किसानी के लिए तैयार वातावरण, मानसून और बोआई के लिए खेतों की जुताई, फसलों की बोआई के लिए कृषि देवताओं को समर्पित विभिन्न अनुष्ठान और समारोह का प्रतीक माना जाता है। किसान वर्ग ईश्वर से प्रार्थना करता है और अच्छी वर्षा तथा उपजाऊ भूमि के लिए उनका आभार मानता है।

हरेली की परंपरा को हम यह कह सकते हैं कि यह सामाजिक महत्व का विशेष पर्व है। कारण यह कि इस दिन गांव के लोग एक साथ मिलकर सभी तरह के मनमुटावों को भुलाकर त्यौहार में शामिल होते हैं। इस तरह त्योहार के आयोजन में भागीदारी आपसी भाईचारे और सामुदायिक भावना को बल प्रदान करने वाला होता है। इस त्योहार को जाति-धर्म से ऊपर उठकर सभी लोगों द्वारा मनाया जाता है। इस दिन एक ही जाति को प्रधानता दी जाती है और वह है कृषक। इस तरह हरेली पर्व समाज में एकता और समरसता की जड़ों को मजबूती प्रदान करने वाला है। एक और जानकारी प्रकाश में आती है जो बैगा समुदाय से संबंध रखती है। ऐसा कहा जाता है कि बैगा समुदाय के सदस्य अपने शिष्यों को इस दिन जड़ी-बूटियों, पौधों और पेड़ों के औषधीय गुणों के विषय में शिक्षा प्रदान करते हैं। शिक्षा का यह अध्याय अगले 15 दिनों तक अनवरत चलता रहता है। ऋषि पंचमी के दिन इसका समापन किया जाता है। इस दिन शिक्षार्थियों की परीक्षा ली जाती है जो इसमें उत्तीर्ण होते हैं उन्हें बैगा के रूप में सेवा देने का अवसर प्राप्त हो जाता है।

डॉ. सूर्यकांत मिश्रा

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

पार्टी की ओर से बढ़ते दबाव के बीच जापानी प्रधानमंत्री ने दिए इस्तीफा देने के संकेत

टोक्यो, 23 जुलाई (एजेंसियां)। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने अपने करीबियों को बताया है कि वह अगस्त तक अपने पद से हट सकते हैं। उन्होंने हाल ही में हुए हाउस ऑफ काउंसिलर्स के चुनाव में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की करारी हार की आंतरिक समीक्षा के बाद यह इच्छा जताई है। यह जानकारी मैनिची अखबार ने बुधवार को दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इशिबा बुधवार को अपने राजनीतिक भविष्य पर चर्चा के लिए एलडीपी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं। हालांकि, शुरू में इशिबा ने चुनावी झटके के बावजूद पद पर बने रहने का ऐलान किया था, लेकिन पार्टी के भीतर उनके इस्तीफे की मांग अब तेज हो गई है।

ट्रंप ने ओबामा पर लगाया देश से विश्वासघात करने का आरोप, कहा

चुनाव में गड़बड़ी करने की कोशिश की और पकड़े गए

वॉशिंगटन, 23 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा पर देश से विश्वासघात का आरोप लगाया, जिसके बाद ओबामा के प्रवक्ता की प्रतिक्रिया सामने आई। प्रवक्ता ने इन आरोपों को बेतुका और ध्यान भटकाने की एक कमजोर कोशिश बताया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक, जब मीडिया ने ट्रंप से दिवंगत अमेरिकी फाइनेंसर जेफरी एपस्टीन से जुड़े मामले पर सवाल किया, तो उन्होंने ओबामा को टारगेट करना शुरू कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने चुनाव में गड़बड़ी करने की कोशिश की और पकड़े गए। इसके लिए सख्त सजा होनी चाहिए। यह देश से विश्वासघात था।

ओबामा के प्रवक्ता ने आरोपों को बेतुका व ध्यान भटकाने की एक कमजोर कोशिश बताया

ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को गिरोह का मुखिया बताते हुए आरोप लगाया कि डेमोक्रेट्स ने 2016 से लेकर 2020 तक चुनावों में कथित तौर पर हेराफेरी की। इस पार्टी में जो बाइडेन और हिलेरी क्लिंटन भी शामिल हैं। अभी तक डेमोक्रेट्स की ओर से कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन ओबामा के प्रवक्ता ने पहले ही ट्रंप के आरोपों को बेतुका और ध्यान भटकाने का प्रयास बताया है।

डेमोक्रेट्स ने 2016 से लेकर 2020 तक चुनावों में कथित तौर पर हेराफेरी की : डोनाल्ड ट्रंप

पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के प्रवक्ता पैट्रिक रोडनबश ने कहा कि राष्ट्रपति पद के सम्मान में, हमारा कार्यालय आमतौर पर व्हाइट हाउस से निरंतर आने वाले झूठ और गलत जानकारी पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देता, लेकिन यह दावे इतने अपमानजनक हैं कि इन पर प्रतिक्रिया देना जरूरी है। यह अजीबो-गरीब आरोप पूरी तरह से बेतुके हैं। यह ध्यान भटकाने की एक कमजोर कोशिश है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राजनीतिक और व्यावसायिक दिग्गजों से व्यापक संबंध रखने वाले जेफरी एपस्टीन पर यौन अपराधों के आरोप लगे थे। उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

अमेरिका ने की यूनेस्को से अपनी वापसी की घोषणा

संयुक्त राष्ट्र। अमेरिका ने यूनेस्को से अपनी वापसी की घोषणा कर दी है। मंगलवार को विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि यूनेस्को विभाजनकारी सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों को बढ़ावा दे रहा है और सतत विकास पर बहुत ज्यादा ध्यान दे रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में यह दूसरी बार है जब अमेरिका पेरिस स्थित यूनेस्को से अलग हो रहा है। वाशिंगटन दो साल पहले अपने पूर्ववर्ती जो बाइडेन के कार्यकाल में इसमें फिर से शामिल हुआ था। नोटिस जारी करने के बाद, ब्रूस ने कहा कि यह वापसी अगले साल के अंत में प्रभावी होगी। उन्होंने कहा कि यूनेस्को का अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए वैश्विक, वैचारिक एजेंडा हमारी अमेरिका प्रथम विदेश नीति के विपरीत है और यूनेस्को में निरंतर भागीदारी संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय हित में नहीं है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि यूनेस्को की स्थापना के बाद से अमेरिका ने इसमें जो प्रमुख भूमिका निभाई है, उसे देखते हुए, उन्हें इस वापसी पर गहरा खेद है। ट्रंप प्रशासन के लिए प्रमुख मुद्दे यूनेस्को की इजरायल विरोधी नीतियों को लेकर हैं, जिनका वह इजराइल के साथ विरोध करता है, और फिलिस्तीन की सदस्यता है। ब्रूस ने कहा कि फिलिस्तीन राज्य को सदस्य राज्य के रूप में स्वीकार करने का यूनेस्को का निर्णय अत्यधिक समस्याग्रस्त है। यह अमेरिकी नीति के विपरीत है, और इसने संगठन के भीतर इजरायल विरोधी बयानबाजी को बढ़ावा दिया है।

गाजा युद्ध में पूरी जीत जरूरी : काट्ज

यरूशलम, 23 जुलाई (एजेंसियां)। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा है कि गाजा में चल रहे युद्ध में पूरी तरह से जीत हासिल करना जरूरी है।

मंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, काट्ज ने मंगलवार को इजरायली सेना प्रमुख इयाल ज़मीर और अन्य वरिष्ठ कमांडरों के साथ हालात की समीक्षा के दौरान यह बात कही। काट्ज ने कहा कि हम युद्ध के लक्ष्यों को पाने के सबसे क़रीब हैं। अभी दो जगह बची हैं - गाजा और यमन। हमें दोनों मोर्चों पर पूरी जीत के लिए काम करना होगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, यह बयान ऐसे समय आया है जब कतर की राजधानी दोहा में गाज़ा युद्ध विराम को लेकर बातचीत चल रही है और इजरायली मीडिया में कुछ प्रगति की खबरें भी आई हैं। बयान के अनुसार, काट्ज़ ने युद्ध के निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के महत्व पर ज़ोर दिया, जिसमें मुख्यत: सभी इजराइल बंधकों की वापसी और हमास का आत्मसमर्पण शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ईरान के खिलाफ युद्ध फिर से शुरू हो सकता है। उन्होंने पिछले महीने के छोटे युद्ध में मिली उपलब्धियों को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने की बात कही कि ईरान अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम दोबारा शुरू न कर पाए।

सुडोकू 6983

7				1			9	5
	3	1	8			7		
5				2				
		4			8	9		1
8		2	9			6		
				7				9
		9			4	3	2	
6	2			3				8

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गो का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : गुरूवार 24 जुलाई , 2025 श्रावण कृष्ण पक्ष 14

राशिफल

मेष - किसी नए काम की शुरुआत के लिए सुबह का समय अनुकूल रहेगा। आज सरकारी लाभ होने की संभावना है। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में अधिकारी आपके काम से खुश रहेंगे। विचारों में शीघ्र ही परिवर्तन होगा।

वृषभ - आज का दिन आप के लिए मध्यम फलदायी है। आज मित्रों तथा स्नेहीजनों के साथ हुई मुलाकात से मन खुश रहेगा। आप आज के दिन का अधिकांश भाग निवेश की योजना बनाने में लगे रहेंगे।

मिथुन - आर्थिक दृष्टिकोण से आज का दिन लाभदायी है। आज मित्रों एवं परिजनों के सहयोग से आपके कठिन काम आसानी से हो पाएंगे। उत्तम भोजन और वस्त्र की सुविधा भी आप को मिलेगी।

कर्क - आज आय के मुकाबले खर्च अधिक रहेगा। आंखों में दर्द की समस्या आ सकती है। मानसिक चिंता बनी रहेगी। लोगों से सादगीपूर्ण व्यवहार करें। किसी तरह का कन्फ्यूजन ना हो, इसका ध्यान रखें।

सिंह - आज सुबह का समय बहुत अच्छी तरह से गुजरेगा। सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में आनंदप्रद और लाभप्रद समाचार मिलेंगे। मित्रों के साथ दिन अच्छा बीतेगा। आय में वृद्धि होगी तथा धन लाभ होगा।

कन्या - आपका दिन अनुकूल रहेगा। परिजनों के साथ आपके संबंध अच्छे बने रहेंगे। दोस्तों और स्वजनों से उपहार मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों के काम से अधिकारी खुश रहेंगे। दोपहर के बाद आपमें किसी बात का कन्फ्यूजन रहेगा।

तुला - आज सुबह आपका मन किसी बात को लेकर चिंता में रहेगा। शारीरिक रूप से शिथिलता और आलस्य बना रहेगा। नौकरी में अधिकारी आप से अप्रसन्न रहेंगे। संतान के साथ भी मतभेद हो सकता है।

वृश्चिक - आध्यात्मिकता और ईश्वर की प्रार्थना से अनिष्ट से बच सकेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से आप अस्वस्थ रहेंगे। सभी के साथ आप अच्छा व्यवहार रखें। वाणी पर संयम रखने से परिस्थिति अनुकूल बनी रहेगी।

धनु - आज आपका दिन मिश्रित फलदायी है। सुबह के समय आप आनंद और मनोरंजन में डूबे रहेंगे। पारिवारिक वातावरण आनंदप्रद रहेगा। दोपहर बाद मन में कई तरह के नेगेटिव विचार आने से काम में मन नहीं लगेगा।

मकर - बातचीत करते समय क्रोध ना करें। परिवार में सुख-शांति और आनंदपूर्ण वातावरण बना रहेगा। मान सम्मान मिलने की भी संभावना है। आर्थिक लाभ होगा।

कुंभ - कला के प्रति आज आपकी रुचि ज्यादा रहेगी। खर्च ज्यादा रहने से आप परेशान हो सकते हैं। संतान से संबंधित कोई चिंता आपको हो सकती है। परंतु दोपहर के बाद घर में शांतिपूर्ण वातावरण रहेगा। अपूर्ण काम पूरे होंगे।

मीन - आज अधिक इमोशनल होने से बचें। ज्यादा सोच-विचार करने से आप चिंता में रहेंगे। जमीन और मकान संबंधी काम के लिए आज समय अच्छा नहीं है। पेट के रोग दूर हो सकते हैं।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

14 अगस्त को दिल्ली से 'स्वर्णिम भारत यात्रा' के लिए पर्यटक ट्रेन होगी रवाना

■ **भारत के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्थानों को जोड़ने वाली अपनी तरह की अनूठी ट्रेन यात्रा**

■ **सफदरजंग रेलवे स्टेशन से 9 रातों/10 दिनों के कार्यक्रम के साथ रवाना होने के लिए तैयार**

नई दिल्ली, 23 जुलाई (देशबन्धु)। आईआरसीटीसी की नवीनतम पेशकश 'स्वर्णिम भारत यात्रा' भारत गौरव डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन द्वारा भारत के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्थलों का प्रचार-प्रसार करेगी। यह यात्रा 14 अगस्त, 2025 को दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से शुरू होगी। प्रस्तावित ट्रेन यात्रा आधुनिक सुविधाओं से युक्त भारत गौरव डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन में संचालित की जाएगी। इस ट्रेन यात्रा का पहला गंतव्य अहमदाबाद है, जो महात्मा गांधी और स्वतंत्रता आंदोलन से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ शहर है। यहाँ पर्यटक साबरमती आश्रम जाएँगे, जो राष्ट्रवादी गतिविधियों और दांडी मार्च का केंद्र रहा है। 15वीं शताब्दी की भारतीय बावड़ी वास्तुकला का एक अद्भुत उदाहरण, अडालज और नव विकसित साबरमती रिवरफ्रंट पर शाम की सैर, कुछ ऐसी जगहें हैं जिन्हें यहाँ शामिल किया जाएगा। इसके बाद मोढेरा और पाटन की एक दिवसीय यात्रा होगी। जहाँ पहला सूर्य मंदिर कोणार्क से भी पुराना है, वहीं दूसरे में पर्यटक रानी की वाव या रानी की बावड़ी का आनंद ले सकते हैं, जो यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है।

इस यात्रा का अगला गंतव्य गुजरात में नर्मदा नदी के किनारे स्थित केवड़िया है, जो सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा, स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी के स्थान के लिए जाना जाता है। प्रतिमा और हर शाम आयोजित होने वाले लाइट एंड साउंड शो के अलावा, पर्यटक सरदार सरोवर बांध भी देख सकते हैं। अगला गंतव्य पुणे भी भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक अभिन्न अंग रहा है। शहर में स्थित आगा खान पैलेस एक वास्तुशिल्प चमत्कार के साथ-साथ स्वतंत्रता आंदोलन का एक प्रमाण भी है, जहाँ महात्मा गांधी, कस्तूरबा गांधी और सरोजिनी नायडू को 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान बंदी बनाकर रखा गया था। यहाँ शामिल किए जाने वाले अन्य आकर्षण हैं कस्बा गणपति (पुणे में सबसे पूजनीय देवता), आकर्षक महल लाल महल (शिवाजी महाराज का बचपन का घर) और शनिवार वाड़ा, जो 18वीं शताब्दी का एक प्राचीन किला है। पुणे शहर से 124 किलोमीटर की दूरी पर स्थित भीमाशंकर मंदिर (ज्योतिर्लिंग) भी इस यात्रा कार्यक्रम में शामिल है।

यात्रा पूरी होने पर यात्रियों को अगले गंतव्य, औरंगाबाद या छत्रपति संभाजीनगर ले जाया जाएगा, जहां वे यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों, अजंता और एलोरा की गुफाओं और एएसआई द्वारा संरक्षित स्मारक बीबी का मकबरा देखने जाएंगे। भगवान शिव को समर्पित घृष्णेश्वर मंदिर, जो बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है, भी यात्रा कार्यक्रम में शामिल है।

इस अत्याधुनिक डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन में दो रेस्टोरेंट, एक आधुनिक रसोईघर, डिब्बों में शॉवर कक्ष, सेंसर-आधारित शौचालय और फुट मसाजर जैसी कई अद्भुत सुविधाएँ हैं। पूरी तरह से वातानुकूलित यह ट्रेन तीन प्रकार की सुविधाएँ प्रदान करती है- प्रथम श्रेणी एसी, द्वितीय श्रेणी एसी और तृतीय श्रेणी एसी। ट्रेन में प्रत्येक कोच में सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा गार्ड जैसी उन्नत सुरक्षा सुविधाएँ हैं।

आईआरसीटीसी ने इस विशेष पर्यटक ट्रेन के प्रथम श्रेणी एसी कूपे के लिए प्रति व्यक्ति 1,01,430 रुपए, प्रथम श्रेणी एसी केबिन के लिए 94,845/- रुपए, द्वितीय श्रेणी एसी के लिए 81,675/- रुपए और तृतीय श्रेणी एसी के लिए 71,585/- रुपए की दर से शुरू किया है। । पैकेज की कीमत में एसी श्रेणी में ट्रेन यात्रा, 3 सितारा होटलों में आवास, सभी भोजन (केवल शाकाहारी), एसी वाहनों में सभी जगहों तक जाना-आना और दर्शनीय स्थलों की यात्रा, यात्रा बीमा और आईआरसीटीसी टूर मैनेजरों की सेवाएं आदि शामिल हैं।

वर्ग पहेली 6983

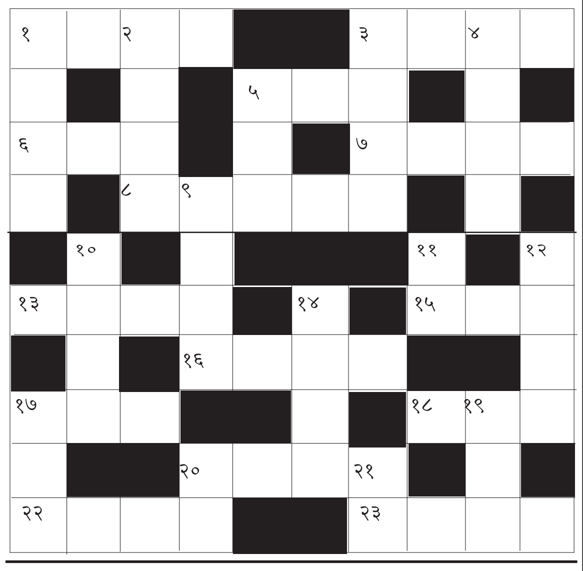

बायें से दायें:-

१. चतुराई, बुद्धिमान
३. प्रिय व्यक्ति या वस्तु को प्राप्त करने लिए बेचैन होना
५. पुस्तक (उर्दू)
६. दुर्गा
७. शाम का समय
८. 'स्वीमिंग पुल'
१३. जिसकी मदद करने वाला कोई न हो
१५. अंधकार
१६. तूणिर
१७. इज्जत, सम्मान (उर्दू)
१८. सभी, सम्पूर्ण
२०. भारत के उत्तरी सीमा पर स्थित एक पर्वत श्रेणी
२२. शामिल
२३. किसी पुलिस थाने का प्रधान अधिकारी

ऊपर से नीचे:-

१. शुभ-अशुभ, अच्छा-बुरा, अपशब्द
२. पसंद किया हुआ, चुना हुआ
३. परिवर्तित (उर्दू)
४. हुकूमत, प्रशासन
५. मरीचि
९. कहानी, कहावत (उर्दू)
१०. अकारण, निरुद्देश्य (उर्दू)
११. अमृत, सूर्य की एक पत्नी, तलवार
१२. आवेदन पत्र (उर्दू)
१४. सिक्के ढाले जाने की जगह
१७. परस्पर
१९. सीमा, प्रतिष्ठा
२०. कल्याण, भलाई,
२१. जैसे

वर्ग पहेली-6982

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

जम्मू-दिल्ली रेलमार्ग पर चक्की पुल रेल परिचालन के लिए पूर्णतः सुरक्षित

■ **पुल पर 20 किमी प्रति घंटे की गति सीमा लागू**

■ **रेल परिचालन से संबंधित किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना की कोई संभावना नहीं : रेलवे**

नई दिल्ली, 23 जुलाई (देशबन्धु)। मीडिया के कुछ हिस्सों में खबर आई है कि कांगड़ा में जम्मू-दिल्ली रेलमार्ग पर पुल की नींव का एक बड़ा हिस्सा बह गया, जिससे एक बड़ी त्रासदी टल गई।

यह सूचित किया जाता है कि पठानकोट-जलंधर कैंट मार्ग पर पठानकोट कैंट-कंदरोड़ी स्टेशनों के बीच चक्की रेलवे पुल पर 20.07.2025 और 21.07.2025 को अचानक बाढ़ आई और जलस्तर बढ़ गया। उत्तर रेलवे ने 01.08.2024 से ही पुल पर 20 किमी प्रति घंटे की गति सीमा लागू कर रखी है। उक्त पुल पर रेल परिचालन से संबंधित किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना की कोई संभावना नहीं है। पुल रेल परिचालन के लिए सुरक्षित है। यह भी बताया गया है कि मीडिया में जिस पुल की नींव बह जाने की खबर आई है, वह वास्तव में ढलान पर लगी अतिरिक्त क्लैडिंग थी। यह गैर-जरूरी हिस्सा 21.07.25 को अचानक आई बाढ़ से तेज़ बहाव के कारण टूटकर नदी में गिर गया। आईआईटी रुड़की के सुझावों के अनुसार, पुल का संरक्षा कार्य चल रहा है और ढलान पर मौजूद गैर-जरूरी हिस्से को हटाया जाना था। इस गैर-जरूरी हिस्से से रेल परिचालन में संरक्षा प्रभावित नहीं हुई।

22.07.25 को मुख्य पुल इंजीनियर ने चक्की रेलवे पुल का निरीक्षण किया, जहाँ पिछले दिन अचानक बाढ़ आई थी। पुल पर चौबीसों घंटे तैनात चौकीदारों द्वारा कड़ी निगरानी की जा रही है, साथ ही पुल पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। सूखे की स्थिति समाप्त होने और नदी का जलस्तर कम होने पर पाइल फ़ाउंडेशन का काम फिर से शुरू किया जाएगा।

भारतीय कंपनी को द इक्वल-सैलरीफाउंडेशन द्वारा किया गया सम्मानित

नई दिल्ली। फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल इंक. (पीएमआई) की भारतीय कंपनी आईपीएम इंडिया को कार्यस्थल पर निष्पक्षता और समानता के लिए वैश्विक प्रमाणन मिला है। यह कंपनी दुनिया की उन शीर्ष कंपनियों में शामिल है जो अपने कर्मचारियों को समान काम के लिए समान सैलरी और तरक्की के अवसर देती हैं। इक्वल-सैलरी फाउंडेशन ने पीएमआई को हर जगह समान काम के लिए समान सैलरी देने के लिए सम्मानित किया है। यह 2019 के बाद तीसरी बार है जब आईपीएम इंडिया को अपनी समान सैलरी(इक्वल पे) की नीतियों के लिए पुरस्कार मिला है । इस बारे में नवनील कर, मैनेजिंग डायरेक्टर, आईपीएम इंडिया ने कहा, 'हमें इक्वल-सैलरी फाउंडेशन से यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। यह प्रमाणन दिखाता है कि हम समानता और निष्पक्षता के लिए कितने समर्पित हैं। किंगशुक दास, डायरेक्टर, पीपल एंड कल्चर, आईपीएम इंडिया ने कहा, पुरुषों और महिलाओं को समान और निष्पक्ष सैलरी देना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

आज का इतिहास

1783-जॉर्जिया को रूस का संरक्षक बनाया गया।
1830-चिली में दास प्रथा समाप्त कर दी गई।
1834-पुर्तगाल में लिबरल युद्ध समाप्त हुआ।
1870-अमेरिका में पहली अंतरदेशीय रेल सेवा की शुरुआत हुई।
1911-भारत के प्रसिद्ध बाँसुरी वादक पन्नालाल घोष का जन्म।
1915-सेंट्रल शिकागो में एक स्टीमर ईस्टलैंड की वजह से 844 लोगों की जान गयी।
1929-फ्रांसीसी प्रधानमंत्री रेमंड पोंकारे ने इस्तीफा देने के बाद अरिस्तैड ब्रेंड को इसका उत्तराधिकारी बनाया गया।
1937-प्रसिद्ध भारतीय अभिनेता मनोज कुमार का जन्म।
1941-उत्तर यूरोपीय देश लिथुनिया में सम्पूर्ण यहूदी आबादी की नाजियों ने हत्या की।
1944-300 लड़ाकू विमानों ने जर्मनी पर बम गिराए।
1945-बंगलोर स्थित %विप्रो कॉर्पोरेशन% के अध्यक्ष अज़ीम प्रेमजी का जन्म।
1999-अमेरिकी अंतरिक्ष यान कोलंबिया का सफल प्रक्षेपण।
2002-यूरोपियन यूनियन ने संयुक्त राष्ट जनसंख्या कोष में 3.20 करोड़ यूरो अतिरिक्त देने का निर्णय लिया।
2004-इटली ने भारतीय पर्यटकों के लिए सात वीजा काल सेंटर शुरू करने का निर्णय लिया।
2005-कोरियाई क्षेत्र को परमाणु हथियारों से मुक्त करने हेतु उत्तर और कोरिया के बीच आम सहमति बनी।
2006-प्यूर्टो रिको की सुन्दरी जुलेखा रिवेरा मेंडोजा गिस यूनिवर्स, 2006 चुनी गई।

आरोप / संयुक्त राष्ट्र में भारत ने सीमा पार आतंकवाद के लिए पाकिस्तान को लताड़ा, कहा

पाकिस्तान के सहयोग से गैर-सरकारी तत्व तेजी से बढ़ा रहे संघर्ष

न्यूयॉर्क, 23 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अंतरराष्ट्रीय शांति, सुरक्षा और बहुपक्षीय सहयोग के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराते हुए 'सीमा पार आतंकवाद को लगातार प्रायोजित करने' के लिए पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी हरीश ने पहलगाम में पर्यटकों पर किए गए आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के आतंकवाद-रोधी अभियान का जिक्र किया और छद्म युद्ध से उत्पन्न बढ़ते खतरे का उल्लेख किया। उन्होंने चेतावनी दी कि मौजूदा संघर्षों को पाकिस्तान के सहयोग से गैर-सरकारी तत्व तेजी से बढ़ाते जा रहे हैं।

श्री हरीश ने पाकिस्तान को उसकी असलियत बताते हुए भारत और पाकिस्तान की स्थिति का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'एक तरफ एक जीवंत लोकतंत्र, उभरती अर्थव्यवस्था और एक बहुलवादी समाज वाला भारत है तो दूसरी तरफ कट्टरता, आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय कर्ज पर लगातार निर्भर पाकिस्तान है। इस परिषद का एक सदस्य देश जिसका, आचरण पूरा विश्व जानता है,जो आतंकवाद का रहनुमा है और जिसकी आलोचना पूरी दुनिया करती है उसे कम से कम इस तरह के उपदेश नहीं देने चाहिए।

भारतीय प्रतिनिधि ने सुरक्षा परिषद में एक उच्च स्तरीय खुली बैठक में आतंकवाद के मसले पर जमकर पाकिस्तान को लताड़ा और जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का हवाला दिया जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। उन्होंने कहा कि इसके जवाब में भारत ने ऑपरेशन शुरू करते हुए पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकवादी शिविरों पर एक सटीक और आनुपातिक कार्रवाई की। उन्होंने कहा, 'यह ऑपरेशन अपने उद्देश्यों को पूरा करने के बाद और पाकिस्तान के गिड़गिड़ाने पर शीघ्र ही समाप्त कर दिया गया था।

भारत ने अधिक शांतिपूर्ण, समृद्ध, न्यायसंगत व समतापूर्ण विश्व को बढ़ावा देने के लिए काम किया है : पी हरीश

उन्होंने वैश्विक व्यवस्था में भारत की लंबे समय से निभाई जा रही रचनात्मक भूमिका की पुष्टि करते हुए कहा, 'संयुक्त राष्ट्र के संस्थापक सदस्य के रूप में, भारत ने अधिक शांतिपूर्ण, समृद्ध, न्यायसंगत और समतापूर्ण विश्व को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ लगातार काम किया है।

राजदूत ने कहा कि वैश्विक सुरक्षा ढांचे को आतंकवाद, कट्टरपंथ और असममित युद्ध जैसे समकालीन खतरों से निपटने पर भी ध्यान देना होगा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रासंगिकता को देखते हुए इसकी विश्वसनीयता और प्रभावशीलता बहाल करने के लिए तत्काल सुधारों की आवश्यकता है।

श्री हरीश ने शांति स्थापना और सतत विकास से लेकर मानवीय सहायता तक, संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न कार्यक्रमों में भारत के सक्रिय योगदान का उल्लेख भी किया।

दुनिया को जानें

पृथ्वी की गति तेज होने से दिन हुए छोटे, वैज्ञानिक हैरान

कैलिफोर्निया, 23 जुलाई (एजेंसियां)। इस साल गर्मी के मौसम में पृथ्वी की गति तेज़ होने के कारण दिन थोड़े छोटे हो गए हैं, जिसने वैज्ञानिकों को समय की गणना पर खासा ध्यान देना पड़ा है।

इंटरनेशनल अर्थ रोटेशन एडं रेफरेंस सिस्टम्स सर्विस और अमेरिका नौसेना वेधशाला के आंकड़ों से पता चला है कि गत 10 जुलाई अब तक का सबसे छोटा दिन था, जो 24 घंटे से 1.36 मिलीसेकंड कम दर्ज किया गया। एक चौंकाने वाली बात यह भी सामने आई कि 22 जुलाई को दिन 24 घंटे से 1.34 मिलीसेकंड छोटा रहा। यही नहीं अनुमान है कि आगामी पांच अगस्त का दिन भी 24 घंटे से 1.25 मिलीसेकंड कम हो सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार एक दिन की लंबाई वह समय है जो धरती अपनी धुरी पर एक पूरा चक्कर काटने में लेती है। यह औसतन 24 घंटे या 86,400 सेकंड होता है, लेकिन वास्तव में, चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण बल, धरती पर मौसमी बदलाव और पृथ्वी के आंतरिक कोर के असर जैसी चीजों के चलते धरती का घूमना थोड़ा आगे पीछे हो जाता है। इसका असर यह पड़ता है कि एक पूरा चक्कर आमतौर पर 86,400 सेकंड से थोड़ा कम या अधिक समय लगता है।

प्रादेशिकी

नैनीताल में तीन दिन घोषित हुआ 'ड्राई डे'

नैनीताल। जनपद नैनीताल में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2025 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए जिला मजिस्ट्रेट उव जिला निर्वाचन अधिकारी वंदना ने महत्वपूर्ण आदेश जारी किए गए हैं। इन आदेशों के तहत जिले में विभिन्न तिथियों को शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। जारी आदेशों के मुताबिक 24 जुलाई गुरुवार को जनपद के विकासखंड धारी, रामगढ़, बेतालघाट एवं ओखलकांडा क्षेत्रों में मतदान होगा। शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए इस दिन इन क्षेत्रों में मद्य निषेध घोषित किया गया है। इस दिन इन क्षेत्रों की सभी प्रकार की मदिरा विक्रय दुकानों-देशी शराब, विदेशी मदिरा, बीयर शॉप्स आदि पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसी प्रकार, 28 जुलाई (सोमवार) को विकासखंड हल्द्वानी, कोटाबाग, भीमताल और रामनगर क्षेत्रों में मतदान सम्पन्न होगा। इस दिन भी उपरोक्त क्षेत्रों में 'ड्राई डे' घोषित किया गया है और शराब की सभी दुकानें बंद रहेंगी।

धामी मंत्रिमंडल की बैठक में कई प्रस्तावों पर लगी मुहर

■ अमरनाथ तिवारी

देहरादून, 23 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कुल तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगी है। 2027 में होने जा रहे अर्धकुंभ मेले के लिए 82 पदों पर नियुक्ति को मंजूरी दी गई है। शिक्षा विभाग में प्रधानाचार्य की नियमावली में संशोधन को भी मंजूरी मिली है। इसके साथ ही ई स्टैंप व्यवस्था में भी परिवर्तन किया गया है। इसके अलावा कार्मिकों के स्थानांतरण और अन्य विभागीय मुद्दों पर भी कैबिनेट की। बैठक में चर्चा हुई। जिन प्रस्तावों पर मुहर लगी है, वो इस प्रकार हैं।

साल 2027 में हरिद्वार में जनवरी से अप्रैल महीने तक अर्धकुंभ मेला आयोजित किया जाना है। उसकी तैयारी में सरकार अभी से ही जुट गई है। कुंभ मेला 2027 से संबंधित व्यवस्थाओं को मुकम्मल कराए जाने को लेकर मेला अधिष्ठान कार्यालय में कुल 82 पदों को सृजित करने का निर्णय लिया गया है। इसमें 09 स्थायी, 44 अस्थायी और 29 आउटसोर्स पद शामिल हैं।

- ■ कुंभ मेले के लिए 82 पदों पर नियुक्ति को मंजूरी
- ■ शिक्षा विभाग में प्रधानाचार्य की नियमावली में संशोधन पारित
- ■ ई-स्टैंप व्यवस्था पर संशोधन के लिए मंत्रीमंडल ने लगाई मुहर

उत्तराखण्ड राज्य में स्टाम्प शुल्क भुगतान लिए तकनीकी नवाचार और पारदर्शिता को अपनाने जाने पर जोर दिया जा रहा है। इसके तहत डिजिटल ई-स्टाम्पिंग व पेपरलेस ई-स्टाम्पिंग शुरू किए जाने के लिए अधिसूचना संख्या-24 अप्रैल, 2023 के जरिए उत्तराखण्ड स्टाम्प (ई-स्टाम्प प्रमाण पत्रों के माध्यम से शुल्क का संदाय) (संशोधन) नियमावली, 2023 प्रख्यापित की गई। इसी क्रम में जनता को स्टाम्प क्रय की सुविधा बैंक परिसर में ही उपलब्ध कराए जाने के लिए भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 की अनुसूची 1-(ख) में वर्णित उत्तराखण्ड राज्य में लागू गैर पंजीकरण योग्य कुछ अनुच्छेदों को इस नियमावली में शामिल किया गया।

ऐसे में भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 की अनुसूची 1-ख में दिए गए प्रावधान, गैर पंजीकरण योग्य अनुच्छेद 26 कस्टम बांड को इस नियमावली में सम्मिलित किया जाना है, जिससे सीमा शुल्क के लिए स्टाम्प शुल्क में इलेक्ट्रॉनिक भुगतान सम्भव हो पायेगा और उत्तराखण्ड राज्य में बांड निष्पादित करने वाले करदाता इस सुविधा का पूर्ण लाभ उठा सकेंगें। साथ ही इस प्रक्रिया के बाद जनहित में ईओडीबी प्रणाली को भी बल मिलेगा। उत्तराखण्ड राज्य शैक्षिक (अध्यापन संवर्ग) राजपत्रित सेवा नियमावली 2022 के, नियम 5 भर्ती का स्त्रोत, नियम 6 आयु और नियम 8 अनिवार्य शैक्षिक प्रशिक्षण योग्यता में संशोधन किया गया है। इस पर धामी मंत्रिमंडल ने मुहर लगा दी है।

उत्तराखंड शिक्षा विभाग के तहत प्रदेश में संचालित स्कूलों में प्रधानाचार्य की काफी कमी है।

सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को दुरुस्त करने पर दे रही जोर : धामी

देहरादून। उत्तराखंड सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को दुरुस्त करने पर जोर दे रही है। जिससे अस्पतालों में आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ दिया जा सके। ऐसे में राज्य सरकार ने एक और कदम बढ़ाते हुए मरीजों के साथ आने वाले तीमारदारों को भी ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराए जाने को लेकर विश्राम गृह बनाने का निर्णय लिया है। पहले चरण में देहरादून और हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज में विश्राम गृह बनाए जाने को लेकर दोनों मेडिकल कॉलेजों ने सेवादान आरोग्य संस्था के साथ एमओयू साइन किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मौजूदगी में राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी और देहरादून में तीमारदारों के लिए विश्राम गृह बनाने के लिए संस्था के साथ एमओयू साइन किया गया। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इन मेडिकल कॉलेजों में तीमारदारों के लिए विश्राम गृह बनने से लोगो को एक बड़ी सुविधा होगी।

देहरादून व हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज में विश्राम गृह बनाने पर किया एमओयू

मुख्यमंत्री सुक्खू ने केंद्र से हिमाचल की हवाई सेवाओं के लिए विशेष सहयोग का किया आग्रह

शिमला, 23 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने केंद्र सरकार से हिमाचल प्रदेश की हवाई सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए विशेष सहयोग का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू को पत्र लिखकर कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार, हवाई सेवा संचालन तथा नई हेलीपोर्ट परियोजनाओं पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कांगड़ा हवाई अड्डे के प्रस्तावित विस्तार के लिए राज्य सरकार ने लगभग 150 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। इस परियोजना के लिए 1900 करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्रस्तावित की गई है। जिसमें से अब तक 410 करोड़ रुपए वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने केंद्र से इस परियोजना के लिए वित्त मंत्रालय और प्रधानमंत्री कार्यालय को विशेष आर्थिक सहायता की अनुशंसा करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि टैक्नो-इकोनॉमिक फिजिबिलिटी रिपोर्ट जो मैसर्स वैपकोर्स लिमिटेड द्वारा तैयार की गई है, उसमें लागत का अनुमान अधिक आंका गया है। इसकी पुर्नसमीक्षा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने सुझाव दिया कि कांगड़ा एयरपोर्ट के विस्तार के लिए भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण, राज्य सरकार और निजी क्षेत्र के बीच त्रिपक्षीय समझौते की

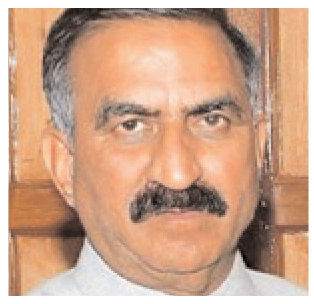

संभावना पर भी विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में यह हवाई अड्डा विजुअल फ्लाइट

कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार के लिए सरकार ने लगभग 150 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आरंभ कर दी है : ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू

रूल्स के अंतर्गत कार्य करता है। जिसमें न्यूनतम दृश्यता 5 किमी होना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने दृश्यता मानक को घटाकर 2.5 किमी करने का प्रस्ताव रखा ताकि कम दृश्यता में भी उड़ानें संचालित की जा सकें।

सरकार की ट्रेनी योजना पर बेरोजगारों का फूटा गुस्सा

शिमला। प्रदेश सरकार की नई 'जॉब ट्रेनी योजना' को लेकर बेरोजगार युवाओं में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। अनुबंध आधार पर नौकरियां समाप्त कर युवाओं को ट्रेनी के तौर पर नियुक्त करने की योजना के विरोध में बेरोजगारों ने बड़ा आंदोलन छेड़ने की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि यदि सरकार सात दिन के भीतर इस योजना को वापस नहीं लेती है, तो वे सड़कों पर उतरकर विरोध दर्ज कराएंगे। शिमला पुस्तकालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं ने कहा कि कांग्रेस सरकार के साढ़े दो साल के कार्यकाल में बमुश्किल कुछ ही सरकारी नौकरियां निकली हैं।

सात दिन में योजना वापसी की मांग, नहीं तो आंदोलन की चेतावनी

अब जो नई अधिसूचना जारी हुई है, उसमें दो साल ट्रेनी के रूप में सेवा देने के बाद पुन: परीक्षा देने की शर्त रखी गई है, जो पूरी तरह से अन्यायपूर्ण है। युवाओं का सवाल है कि अगर कोई उम्मीदवार दो साल काम करने के बाद परीक्षा में फेल हो जाए, तो उसका भविष्य क्या होगा? बेरोजगारों ने इस योजना को भद्दा मज़ाक करार दिया है और आरोप लगाया कि सरकार असल में नौकरियां देना ही नहीं चाहती। यह योजना न केवल भ्रम पैदा करती है बल्कि बेरोजगारों के भविष्य के साथ खुला खिलवाड़ है। युवाओं ने चेतावनी दी है कि सरकार यदि जल्द फैसला वापिस नहीं लेती है तो उन्हें आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

सार संक्षेप

'विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण सप्ताह' का समापन

रुद्रप्रयाग। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में आयोजित विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण सप्ताह' का समापन हो गया है। इस दौरान तीनों विकासखंड में 138 महिलाओं की नसबंदी की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश ने बताया कि 'मां बनने की उम्र वही, जब तन और मन की तैयारी सही' थीम के साथ गत 11 जुलाई से शुरू हुए विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण सप्ताह के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि में 60, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ऊखीमठ में 53 व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखोली में 25 महिला नसबंदी की गई। सभी 138 महिला नसबंदी ऑपरेशन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि के सर्जन डॉ. वैभव विशाल सिंह व उनकी टीम ने किए। इसके अलावा लाभार्थियों को परिवार नियोजन की अस्थाई विधि सेवा का लाभ दिया गया। जिसमें माला एन, छाया, अंतरा, कॉपर-टी परिवार नियोजन साधन का लाभ देने के साथ कंडोम का वितरण किया गया। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की ओर से पहला बच्चा 20 वर्ष की उम्र के बाद हो, वो भी तब जब स्त्री तन व मन से स्वस्थ हो। साथ ही दो बच्चों में तीन वर्ष का अंतर रखने व बच्चों में अंतर रखने के लिए गर्भ निरोधक साधनों का उपयोग करने का लेकर जागरूक किया गया।

हिमाचल के हितों को लेकर गडकरी से मिले जेपी नड्डा

शिमला। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से भेंट की उनके साथ राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन भी उपस्थित रहें। इस अवसर पर जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि केंद्र मंत्री नितिन गडकरी ने पूरा आश्वासन दिया है कि हिमाचल प्रदेश को लेकर केंद्र सरकार द्वारा किसी भी प्रकार की कमी नहीं छोड़ी जाएगी। त्रासदी से क्षतिग्रस्त इलाकों में एक-एक सड़क को वार फूटिंग पर ठीक किया जाएगा, हिमाचल प्रदेश में सड़क के निर्माण की तकनीक, टनल और ब्रिज को लेकर जिस प्रकार से केंद्रीय मंत्री ने केंद्र सरकार का विजन रखा है उससे निश्चित रूप से हिमाचल प्रदेश को बड़ा लाभ होगा। हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में धीमी विकास की रफ्तार अब तेज हो सकेंगी। केंद्र सरकार ने मनरेगा के तहत प्रदेश को पहले चरण में 201 करोड़ का मैटीरियल बजट मंजूर कर दिया है। अब इस राशि से पंचायत स्तर पर मनरेगा के तहत लगने वाले डगे, रास्ते, सड़कों व अन्य छोटे व बड़े कामों में तेजी आएगी।

मुख्यमंत्री सैनी ने नवीनीकृत नेचर कैंप थापली का किया लोकार्पण

चंडीगढ़, 23 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को पंचकूला जिले के मोरनी क्षेत्र में नवीनीकृत नेचर कैंप थापली का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने नवीनीकृत इको-कुटीर का उद्घाटन भी किया और इसके साथ ही उन्होंने आयुर्वेदिक पंचकर्मा केंद्र का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का भी जायजा लिया।

■ **नेचर ट्रेल पर ट्रैकिंग के लिए एक दल को झंडी दिखाकर किया रवाना**

मुख्यमंत्री ने यहां कालका से कलेसर तक बनाए गए नेचर ट्रेल पर ट्रैकिंग के लिए एक दल को झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रैक हरियाणा के युवाओं को साहसिक पर्यटन की ओर आकर्षित करेगा और राज्य को एडवेंचर और नेचर टूरिज्म हब के रूप में नई पहचान दिलाने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि साहसिक पर्यटन आज की युवा पीढ़ी की रुचि से जुड़ा हुआ क्षेत्र है और इससे न केवल पर्यटन का विस्तार होगा बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री ने मोरनी क्षेत्र में स्थित त्रिफला वाटिका में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सतत विकास के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम पर्यटन को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि प्रकृति, संस्कृति और स्वास्थ्य के साथ जोड़ने के प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने नेचर कैंप में स्थापित क्लाइमेट चेंज लर्निंग लैब का भी अवलोकन किया। इस लैब में बच्चे पर्यावरण को प्रभावित करने वाले कारणों और उनके समाधानों को खेलों के माध्यम से जान सकते हैं।

राहुल की आवाज दबाना लोकतंत्र का अपमान : सैलजा

चंडीगढ़, 23 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस की महासचिव एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर बुधवार को तंज कसते हुए कहा कि प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी को संसद की कार्यवाही में बोलने तक नहीं दिया जाता जो लोकतंत्र का अपमान है।

सुश्री सैलजा ने कहा कि आपरेशन सिंदूर के साथ साथ देश में बहुत से मुद्दे हैं, जिसपर चर्चा होनी चाहिए, लेकिन केन्द्र सरकार किसी विषय पर चर्चा नहीं करना चाहती। यह सरकार हमेशा से मुद्दों पर चर्चा से भागती रही है। अगर सरकार हर चीज के लिए तैयार हैं तो नेता प्रतिपक्ष का मुंह क्यों बंद कर रहे। नेता प्रतिपक्ष राहुल की आवाज दबाना लोकतंत्र का अपमान है।

चकराता जनमन के नए सीएचसी की जगह देखने पहाड़ पर चढ़े जिलाधिकारी

देहरादून, 23 जुलाई (देशबन्धु)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चकराता में बुनियादी सुविधाओं को जल्द दुरूस्त किया जाएगा। जिलाधिकारी सविन बंसल ने सीएचसी का स्थलीय निरीक्षण करने के बाद अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया।

चकराता में डीएम ने जनमन का नए सीएचसी की जगह देखने स्वयं पहाड़ चढ स्थलीय निरीक्षण किया। विद्यमान सीएचसी के संकरे बाजार, सीमित जगह, नियत्रित कैंट कानूनो की पकड़ से बाहर निकालना है आवश्यक है। सीएम के निर्देश पर

आधुनिक सुविधाओं, खुली धूप, पर्याप्त पानी से धन्य होगा अपना नया सीएचसी। सीएचसी में ओपीडी, फार्मेसी, आपरेशन थियेटरर्स, वार्ड, लैब, पंजीकरण, दवा वितरण, डाक्टर आवास, सबके लिए पर्याप्त स्थान

■ **महिला प्रसूति कक्ष में लगेगी एलईडी फोकस लाइट**

होगा। वृहद जनहित में प्रशासन जल्द प्रस्ताव, प्लान, आख्या शासन को भेजने की तैयारी में है। बहरहाल: विद्यमान सीएचसी आधुनिक उपकरणों, पैरामेडिक्स, ओटी टेबलस, वार्ड आयाओं से लैस किया जा रहा है, जिसके लिए डीएम ने मौके पर धन की स्वीकृति करते हुए कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिए हैं। महिला प्रसूति कक्ष के लिए एलईडी फोकस लाइट हेतु फंड की मौके पर स्वीकृति दे दी गई है।

आपदा प्रभावितों के लिए विशेष राहत पैकेज जारी करे सरकार : जयराम

शिमला, 23 जुलाई (देशबन्धु)। शिमला से जारी बयान में जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में आपदा आए हुए 24 दिन बीत गया है और सरकार की तरफ से विशेष राहत पैकेज की घोषणा नहीं हुई है। इतने दिनों के बाद भी सरकार की तरफ से विशेष राहत पैकेज की घोषणा न करना हैरान करने वाला है।

■ **पीडब्ल्यूडी व जल शक्ति के डैमेज प्रोजेक्ट की डीपीआर जल्दी हो तैयार**

आपदा के पीड़ित लोग इंतज़ार कर रहे हैं कि सरकार विशेष पैकेज की घोषणा कब करेगी? मेरा मुख्यमंत्री से आग्रह है कि आपदा प्रभावित लोगों के लिए अविलंब विशेष राहत पैकेज जारी करें। इसके अलावा आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य में ही अपेक्षित तेजी नहीं लाई जा सकी है। सड़के बंद हैं। सेब का सीजन शुरू हो गया है। आपदा से जो भी कृषि बागवानी और फूलों की खेती बच गई है वह भी सड़कें न होने के कारण बाज़ार नहीं पहुंचने से नष्ट हो रही है। इससे आपदा का दंश झेल रहे लोग दोहरे नुकसान का सामना कर रहे हैं।

जयराम ने कहा कि आपदा को आए एक महीना होने वाला है लेकिन सरकार की तरफ से आपदा प्रभावितों के जख्मों पर मरहम लगाने की दिशा में कोई प्रभावी कार्य नहीं हुआ है। लोग थक हार कर अपने संसाधनों से जेसीबी और पोक लैंड मशीनें लगाकर रास्ते खुलवाने में लगे हैं। हमने लोगों से अपील करके लोगों से मशीनें लगवाई हैं, जो अपने खर्चे पर या तेल के खर्चे पर मशीनें लगाकर रास्ता खोल रहे हैं। इस समय ऐसी 2 दर्जन से ज़्यादा मशीनें संपर्क मार्ग खोलने के लिए लगाई गई हैं।

पोलिंग बूथों के लिए मतदान पार्टियां रवाना

रुद्रप्रयाग, 23 जुलाई (देशबन्धु)। पंचायत चुनाव के तहत जिले के तीनों विकासखण्डों के दूरस्थ पोलिंग बूथों को लेकर मतदान पार्टियों को रवाना किया गया, जिसमें 392 मतदान पार्टियों को उनके संबंधित मतदान स्थलों के लिए रवाना किया गया, जिसमें जिसमें अगस्तमुनि से 189, जखोली से 130 तथा ऊखीमठ से 73 पोलिंग पार्टियों को मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। जिन्हें मतपेटी सहित मतदान से संबंधित सभी आवश्यक सामग्री यथा-मतदाता सूची, सीलिंग सामग्री, बैलेट पेपर, स्टेशनरी किट आदि प्रदान की गई। जबकि बीते दिन 67 मतदान पार्टियों को उनके गंतव्यों के लिए रवाना किया गया था। सभी मतदान पार्टियों द्वारा अपने-अपने दस्तावेजों का विधिवत सत्यापित कर गंतव्य की ओर प्रस्थान किया गया। मतदान कार्मिकों की

459 मतदान पार्टियों को किया गया रवाना

सुविधा, सुरक्षा और समयबद्ध गंतव्य पर पहुंच सुनिश्चित करने को लेकर प्रशासन द्वारा समुचित प्रबंध किए गए हैं।

जिलाधिकारी ने स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल का किया निरीक्षण

रुद्रप्रयाग। जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी प्रतीक जैन, पुलिस अधीक्षक रूद्रप्रयाग प्रहलाद कोंडें, प्रवेक्षक वैभव गुप्ता व मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत ने अगस्त्यमुनि खेल क्रीड़ा मैदान पहुंच कर स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होने सभी कर्मिको से निष्पक्ष भाव से अपने कर्तव्यों के पालन करने करी अपील की। इस दौरान उप जिलाअधिकारी रुद्रप्रयाग प्रशिक्षु याक्षी अरोड़ा मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र बिष्ट, जिला पूर्ति अधिकारी केएस कोहली, ग्रामीण निर्माण विभाग मीनल गुलाटी, मास्टर ट्रेनर लोकेंद्र बिष्ट सहित अन्य मौजूद थे।

पंचायत चुनाव: मतदान का पहला चरण आज, कई दिग्गज मैदान में

देहरादून, 23 जुलाई (देशबन्धु)। तमाम सारे विवाद और चुनौतियों के बीच 24 जुलाई को छोटी सरकार चुनने के लिए पहले चरण का मतदान होगा। हालांकि चुनाव आयोग और जिला प्रशासनों का दावा है कि उनके द्वारा किसी भी समस्या से निपटने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और राज्य में कल पहले चरण के लिए होने वाला मतदान शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न करा लिया जाएगा। लेकिन मौसम विभाग की चेतावनी यह बता रही है कि बारिश मतदान में खलल डाल सकती है और मतदान का प्रतिशत कम रह सकता है। गुरूवार को जिन जिलों में पहले चरण का मतदान होना है उनमें 49 ब्लॉक के 17 हजार से अधिक प्रत्याशी चुनाव मैदान में है जिनके लिए 4679 मतदान केंद्र तथा 5823 मतदेय स्थल बने गए हैं। जिनमें से 1521 संवेदनशील और 533 अति संवेदनशील मतदान केन्द्र चिन्हित किए गए हैं।

गृहमंत्रालय द्वारा गठित पांच सदस्यीय विशेषज्ञ टीम पहुंची

■ हिमकिरण मांटा

शिमला, 23 जुलाई (देशबन्धु)। हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही बादल फटने की घटनाओं और भारी बारिश से हुई तबाही का अध्ययन करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा गठित एक पांच सदस्यीय विशेषज्ञ टीम बुधवार को शिमला पहुंच गई है। केंद्रीय दल वृहस्पतिवार 24 जुलाई को शिमला में आला अधिकारियों के साथ बैठक करेगी। 25 व 26 जुलाई को आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर टीम दिल्ली लौट जाएगी। दिल्ली पहुंच कर यह टीम एक सप्ताह में अपनी केंद्रीय गृह मंत्रालय को रिर्पोट सौंपेगी।

हर पहलू की वैज्ञानिक व तकनीकी दृष्टिकोण से की जाएगी जांच

गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर केंद्रीय टीम गठित की गई है और इसका नेतृत्व कर्नल केपी सिंह कर रहे हैं। टीम में शामिल अन्य विशेषज्ञों में सीएसआईआर रुडकी के चीफ साइंटिस्ट डॉ. एसके नेगी, मणिपुर विश्वविद्यालय के रिटायर्ड भूवैज्ञानिक अरुण कुमार, आईआईटीएम पुणे की सुष्मिता और आईआईटी इंदौर की सिविल इंजीनियर नीलिमा शामिल हैं।

रिपोर्ट से तय होगी भविष्य की रणनीति

टीम 26 जुलाई को ही हिमाचल से चंडीगढ़ रवाना हो जाएगी और एक सप्ताह के भीतर अपनी विस्तृत रिपोर्ट गृह मंत्रालय को सौंपेगी। इस रिपोर्ट के आधार पर भविष्य में हिमाचल जैसे पर्वतीय

शिमला में आज आला अफसरों के साथ बैठक

पहले दिन यानी 24 जुलाई को टीम राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक करेगी जिसमें विशेषज्ञों को प्रस्तुतियों के माध्यम से यह बताया जाएगा कि हिमाचल में बादल फटने की घटनाएं किस तरह हो रही हैं। किन क्षेत्रों में तबाही हुई है और किस प्रकार का भौगोलिक व पर्यावरणीय परिवर्तन देखने को मिला है। साथ ही टीम को इस बात की जानकारी भी दी जाएगी कि कुछ इलाकों में कुछ ही समय में भारी बारिश कैसे हो रही है।

टीम 25 जुलाई को मंडी जिले का दौरा करेगी। जो इस बार की बारिश में सबसे अधिक प्रभावित रहा है। मंडी जिले के सराज विधानसभा क्षेत्रए जो नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर का निर्वाचन क्षेत्र है, में भी भारी नुकसान हुआ है। इसलिए टीम वहां जाकर स्थिति का स्थलीय आकलन करेगी।

26 जुलाई को टीम उन क्षेत्रों में जाएगी जहां पहले भी बादल फटने की घटनाएं सामने आई हैं। यहां मौसमी, भौगोलिक और मानवजनित कारणों का बारीकी से अध्ययन किया जाएगा।

केदारनाथ में फिर लगने लगा भक्तों का तांता

रुद्रप्रयाग, 23 जुलाई (देशबन्धु)। केदारनाथ धाम की यात्रा ने एक बार फिर से रफ्तार पकड़ ली है। श्रद्धालुओं से बाबा का धाम गुलजार होने लगा है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से स्थानीय व्यापारियों के चेहरे भी खिल उठे हैं। अब तक केदारनाथ धाम में 14 लाख 15 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचकर पुण्य अर्जित कर चुके हैं।

14 लाख के पार हुआ श्रद्धालुओं का आंकड़ा

इन दिनों खराब मौसम, हाईवे पर टूटते पहाड़ और तमाम मुश्किलों से जूझते हुए भक्त बाबा केदार के दरबार में पहुंच रहे हैं। बीते दो-तीन दिनों से केदारनाथ धाम में भक्तों की चहलकदमी बढ़ने लगी है। जहां पहले दो से तीन हजार के करीब भक्त बाबा केदार के धाम पहुंच रहे थे। वहीं, अब आंकड़ा पन्द्रह हजार के करीब पहुंच गया है। केदारनाथ हाईवे से लेकर गौरीकुंड-केदारनाथ 19 किमी पैदल मार्ग पर परेशानियों से जूझने के बावजूद भक्तों के चेहरों पर मुस्कान देखने को मिल रही है। सावन मास में भगवान शंकर को जल चढ़ाने और ब्रहमकमल अर्पित करने को लेकर भारी संख्या में भक्त बाबा केदार के दर पर पहुंचकर पुण्य अर्जित कर रहे हैं।

सुडोकू 6983 का हल

7	4	8	3	1	6	2	9	5
2	3	1	8	9	5	7	4	6
5	9	6	4	2	7	1	8	3
3	7	4	2	6	8	9	5	1
9	6	5	7	4	1	8	3	2
8	1	2	9	5	3	6	7	4
4	8	3	1	7	2	5	6	9
1	5	9	6	8	4	3	2	7
6	2	7	5	3	9	4	1	8

प्रादेशिकी

डीएम ने किया एएनएम प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण

फर्रुखाबाद, 23 जुलाई (देशबन्धु)। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने शहीद लेफ्टिनेंट कमांडर कौशलेंद्र सिंह राठौर चिकित्सालय, एएनएम ट्रेनिंग सेंटर तथा पोस्टमार्टम हाउस का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिए कि अस्पताल की सभी व्यवस्थाएं तत्काल दुरुस्त कराई जाएं और इसे पूर्ण रूप से क्रियाशील बनाया जाए ताकि आमजन को स्वास्थ्य सुविधाओं का समुचित लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा सुनिश्चित कराई जाए।

उत्तर प्रदेश के विकास में लगने वाला पैसा जनता जनार्दन के टैक्स का : योगी

177 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास समारोह को किया संबोधित

■ गोरखपुरवासियों ने विकास के कार्यों में हमेशा सकारात्मक योगदान दिया : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/गोरखपुर, 23 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि विकास में लगने वाला पैसा जनता जनार्दन के टैक्स का है। इस पैसे का सही इस्तेमाल सुनिश्चित होना चाहिए और विकास कार्यों में क्वॉलिटी (गुणवत्ता) से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। योगी गोरखपुर नगर निगम परिसर में स्वच्छ सर्वेक्षण में गोरखपुर को राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि दिलाने में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सफाई मित्रों के सम्मान और 253 करोड़ रुपए की 177 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गोरखपुरवासियों ने विकास के कार्यों में हमेशा सकारात्मक योगदान दिया है। सड़क चौड़ीकरण में अपने घर-दुकान की चिंता न कर, गोरखपुरवासियों ने गोरखपुर के पहचान के लिए हर संभव सहयोग किया है। इसी का परिणाम है कि आज गोरखपुर की सड़कें चौड़ी हो गई हैं। गोरखपुर के ड्रेनेज सिस्टम विकसित हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि गत वर्ष उन्होंने गोरखपुर को स्वच्छता के लिए टॉप-टेन शहरों में आने का टारगेट दिया था। यह टारगेट पूरा कर लिया गया है।

गोरखपुर अपनी श्रेणी में नम्बर एक पर भी आ सकता है, इसलिए हम सबको अगले साल के लिए टॉप-थ्री का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना होगा और इसमें सबको अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। योगी ने लोगों को याद दिलाया कि पहले गोरखपुर को लेकर क्या चर्चा होती थी। कहा कि पहले गोरखपुर की चर्चा, मच्छर, माफिया, गंदगी, अव्यवस्था और अराजकता को लेकर होती थी। बुनियादी सुविधाओं के अभाव से त्रस्त पूरा शहर जाम में फंसा रहता था। एक बारिश में शहर जलमग्न हो जाता था। अब एक नए भारत के लिए नए उत्तर प्रदेश में गोरखपुर भी एक नया गोरखपुर बनकर दिखा है। उन्होंने कहा कि जब एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा खड़ी होती है, तब विकास में आगे बढ़ने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। योगी ने कहा कि तकनीक की सहायता, टीमवर्क की भावना के साथ नगर निगम गोरखपुर स्वच्छता के लक्ष्य को प्राप्त करते हुए स्वस्थ भारत के माध्यम से विकसित भारत की कल्पना को साकार करने में सहयोग कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि भारत विकसित तभी होगा जब वह स्वच्छता, स्वास्थ्य, विकास, तकनीकी सहित हर क्षेत्र में विकसित हो। समग्र विकास के लक्ष्य को प्राप्त करना ही विकसित होने की दिशा में बढ़ाए गए कदम हैं।

मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों को सावन माह की शिवरात्रि की दीं शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी नागरिकों को सावन माह की शिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में सफाई मित्र सुरक्षित शहर श्रेणी में देशभर में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही गोरखपुर को 3 से 10 लाख की आबादी की श्रेणी में चौथी नेशनल रैंक मिली है। जबकि गत वर्ष गोरखपुर 24वें और उसके पहले 74वें स्थान पर था। तीन साल में गोरखपुर की स्वच्छता रैंकिंग 74 से चौथे स्थान पर आने को बड़ी उपलब्धि बताते हुए मुख्यमंत्री कहा है कि अब अगली प्रतिस्पर्धा टॉप-थ्री में आने की होनी चाहिए और इसमें हर व्यक्ति की अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना होगा।

छेड़छाड़ के आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

मेरठ, 23 जुलाई (देशबन्धु)। सरधना थाना क्षेत्र में एक गंभीर मामला सामने आया है। मंगलवार की देर शाम को एक छेड़छाड़ की घटना के बाद दो समुदायों के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना के अनुसार, युवती जब किसी काम से घर से बाहर गई थी। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के एक युवक ने उसके साथ छेड़छाड़ की। पीड़िता के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। पीड़िता के परिवार ने थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और उसकी गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस जब आरोपी के घर पहुंची तो वह वहां नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के भाई और दो महिला परिजनों को हिरासत में ले लिया। पुलिस की इस कार्रवाई से ग्रामीणों में रोष व्याप्त हो गया। उनका कहना है कि महिलाओं को इस तरह घर से उठाना गैरकानूनी है। ग्रामीणों ने एसएसपी मेरठ से फोन पर संपर्क कर पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजे शिवालय, उमड़े श्रद्धालु

■ शिव भक्तों ने भगवान आशुतोष का जलाभिषेक कर की पूजा-अर्चना

■ मवाना में 15 हजार और फिरोजपुर में करीब 25 हजार श्रद्धालु एवं कांवड़ियों ने किया जलाभिषेक

मवाना, 23 जुलाई (देशबन्धु)। शिवरात्रि पर नगर के बड़ा महादेव मंदिर और कस्बा रामराज के समीप फिरोजपुर स्थित प्राचीन शिव मंदिर पर हजारों कांवड़ियों और श्रद्धालुओं ने पवित्र जल से भगवान आशुतोष का मुख्य जलाभिषेक किया। नगर क्षेत्र के अन्य मंदिरों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ सवेरे से ही उमड़ी रहीं। हर-हर महादेव और बम-बम, भोले बम के जयघोष से शिवालय गूंजते रहे। नगर के बड़ा महादेव शिव मंदिर पर एक दिन पूर्व से ही कांवड़ियों की भीड़ उमड़ने लगी थी और बुधवार को शिवरात्रि पर सुबह से ही सैलाब उमड़ पड़ा। मंदिर में त्रयोदसी का जल एक दिन पूर्व की सुबह से चढ़ने लगा था। वहीं बुधवार सुबह से पौने चार बजे से चौदस का जल चढ़ना आरंभ हुआ जो शाम तक चलता रहा। कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की अलग-अलग लंबी लाइन लग गई। भगवान आशुतोष के जलाभिषेक व पूजा अर्चना का क्रम देर शाम तक चला। मवाना में बड़ा महादेव मंदिर पर जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालु एवं कांवड़ियों की संख्या लगभग 15 हजार रही। मंदिर पर कांवड़ की सेवा के लिए मंदिर कमेटी के अलावा विहिप बजरंग दल और नगर पालिका की ओर से सेवा शिविर लगाए गए थे, जिनमें भोलों के ठहरने, भोजन व कांवड़ झुलाने के लिए बैरिकेटिंग की गई थी। हिंदू संगठन के कैंप में जय प्रकाश गुप्ता, महेश आर्य आदि ने भोलों की सेवा की। इंडियन मेडिकल एसोसियेशन की ओर से चिकित्सा कैंप लगाकर शिवभक्तों को सेवा की।

सार संक्षेप

कोटक महिंद्रा बैंक के सेल्स मैनेजर से लूट की वारदात

मेरठ। कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस की सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद अपराधी सक्रिय हैं। मेरठ-करनाल हाईवे पर नानू गांव के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने कोटक महिंद्रा बैंक के सेल्समैनेजर से 36 हजार रुपए का मोबाइल लूट लिया। बुढ़ाना, मुजफ्फरनगर निवासी मोहम्मद इरशाद मेरठ के बच्चा पार्क स्थित कोटक महिंद्रा बैंक में सेल्स मैनेजर हैं। मंगलवार रात वह अपने सहयोगी फिरोज के साथ बाइक पर बुढ़ाना जा रहे थे। कांवड़ यात्रा के कारण वह धीमी गति से नानू गांव के पास इकड़ी चौराहे की तरफ बढ़ रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए दो बदमाशों ने उनका मोबाइल छीन लिया और फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस कंट्रोल रूम की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच का आश्वासन दिया। अगले दिन जब पीड़ित अपने साथी के साथ थाने पहुंचा तो पुलिस ने लूट की घटना को मोबाइल चोरी या गिरने का मामला बताते हुए तहरीर में बदलाव का दबाव बनाया। चौकी प्रभारी अनिल कुमार का कहना है कि यह लूट का मामला नहीं है। उनके अनुसार भीड़ में मोबाइल और उसी जेब में रखे पैसे निकल गए हैं।

मरीजों के लिए ई-रिक्शा एंबुलेंस सेवा शुरू

मेरठ। एलएलआरएम मेडिकल अस्पताल में मरीजों के लिए ई-रिक्शा एंबुलेंस चलाई जा रही है। इन एंबुलेंस को मरीजों को बेहतर और जल्दी सुविधा देने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। हायर सेंटर कहे जाने वाले एलएलआर एम अस्पताल में नई नई तकनीकियों का इस्तेमाल मरीजों के इलाज के लिए किया जा रहा है। इसी क्रम में ई रिक्शा एंबुलेंस का भी संचालन अस्पताल परिसर के अंदर किया जा रहा है। इनका काम मरीजों को इमरजेंसी से जांच केंद्रों और वार्डों तक मरीजों को पहुंचाने में किया जा रहा है। इस ई-रिक्शा एंबुलेंस द्वारा इमरजेंसी से मरीजों को सीटी स्कैन और एमआरआई की जांच के लिए ले जाए जाने के साथ-साथ वार्डों तक छोड़ने की व्यवस्था भी की जा रही है। इसी के साथ जिन मरीजों को ऑक्सीजन लगे हुए एक जगह से दूसरे जगह शिफ्ट करना होता है उसमे यह मददगार साबित हो रहा हैं। फिलहाल ये दो एंबुलेंस इमरजेंसी में लगाई गई है साथ की कुछ एम्बुलेंस वार्डो ओर अन्य जगह तैनात है अब तक इमरजेंसी से मरीजों को जांच के लिए ले जाने और वार्ड तक छोड़ने के लिए कई वार्ड बॉय और स्ट्रेचर की जरूरत पड़ती थी. वहीं, ई-रिक्शा एंबुलेंस के चलने के बाद अब मरीजों को काफी राहत मिलेगी

मेरठ में घंटों हुई बारिश में भीगते हुए मंदिर पहुंचे शिवभक्त

मेरठ। बुधवार को सावन शिवरात्रि के दिन सुबह से तेज बारिश हो रही है। सुबह 7.45 पर रिमझिम फुहारें पड़ी, जो 15 मिनट बाद बंद हो गईं। लेकिन 9.45 से अचानक तेज बारिश शुरू हो गई है। तेज बारिश के बीच भी औघड़नाथ मंदिर में कांवड़ियों के कदम रुक नहीं रहे। बाबा के भक्त इसी बारिश के बीच दंडवत होकर जलाभिषेक के लिए आगे बढ़ते जा रहे हैं। वहीं शहर के तमाम इलाकों में जलभराव हो गया है। चौधरी चरण सिंह कावड़ मार्ग पर जांव बहादुरपुर में शिविर समापन समापन के दौरान सामान को घर ले जाने की तैयारी में जुटे ग्रामीण। लेकिन तेज बारिश के चलते रुकना पड़ा।

कांवड़ियों की सेवा, भोले की सेवा जैसी : प्रभुदयाल वाल्मीकि

मवाना, 23 जुलाई (देशबन्धु)। सावन महीने में कांवड़ियों की सेवा भोले की सेवा समान है। यह कहना है सपा के हस्तिनापुर पूर्व विधायक एवं मंत्री प्रभुदयाल वाल्मीकि का, इसी क्रम में दिनभर वह कांवड़ियों की सेवा में लग्न दिखाई दिए और उनकी यात्रा में कोई परेशानी तो नहीं एक दूसरे के विचार साझा किए। बुधवार को पूर्व सपा मंत्री प्रभुदयाल वाल्मीकि ने गंग नहर की पटरी स्थित कांवड़ सेवा शिविरों एवं बड़े महादेव मंदिर पर भोलो की सेवा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांवड़ियों की सेवा करने से भोले नाथ भी प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते है। यहां यह भी बता दे की महाशिवरात्रि पर्व पर हजारों की संख्या में बोले शंकर भक्तों ने उनका जलाभिषेक कर मन्नतें मांगी इस दौरान मंदिर के आयोजको का धन्यवाद दिया। इस मौके पर सपा नगर अध्यक्ष रईस आजम मलिक, बाबूराम कश्यप चौधरी, अरुण एडवोकेट, जोधा त्यागी, ज्ञानेंद्र गुर्जर अवधेश शर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बारिश से मेरठ शहर में हर जगह जलभराव

मेरठ, 23 जुलाई (देशबन्धु)। बारिश के बाद जलभराव की समस्या को लेकर राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेई ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने डीएम डॉ. वी.के. सिंह और नगर आयुक्त सौरभ सिंह गंगवार को मौके पर ले जाकर स्थिति का जायजा लिया। वाजपेई ने कहा कि कार्यालय में बैठकर जनता की समस्याओं का समाधान नहीं होता। जिलाधिकारी वी.के. सिंह ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बुढ़ाना गेट, ईव्ज चौराहा, इंदिरा चौक और बच्चा पार्क सहित विभिन्न जलभराव क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर रहकर पानी निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित कराई। उन्होंने कहा कि मानसून से पहले आखिर नालों की सफाई क्यों नहीं हुई। शहर में 4-5 घंटे की बारिश में पूरे शहर में जल भराव हो गया। उन्होंने नगर आयुक्त से कहा कि नाला सफाई के नाम पर लाखों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। लेकिन धरातल पर स्थित बेहद चिंता जनक हैं। शहर में जलभराव की प्रमुख वजह नालों का ओवरफ्लो और ड्रेनेज सिस्टम की खामियां हैं।

■ आक्रोशित हुए भाजपा नेता डीएम व नगर आयुक्त को मौके पर बुलवाया

नगर निगम व संबंधित विभागों को दिए निर्देश

डीएम ने नगर निगम और संबंधित विभागों को सभी प्रभावित क्षेत्रों से तुरंत पानी निकासी के निर्देश दिए। साथ ही भविष्य में ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए ड्रेनेज सिस्टम में सुधार और नालों की नियमित सफाई के आदेश भी जारी किए। उन्होंने कहा कि शहर में प्रमुख नालों की सफाई तुरंत कराई जाए। इसे नालों में पानी का फ्लो बना रहेगा। आदेश के बावजूद सफाई नहीं हुई तो संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई की गई। भारतीय जनता पार्टी के पार्षद कुलदीप राजेश वाल्मीकि ने बताया कि मानसून से पहले नाला सफाई का अभियान तो चलाया जाता है। लेकिन हकीकत में स्थिती कुछ हो रहा है।

सोमेंद्र तोमर ने किया भगवान शिव का जलाभिषेक

मेरठ, 23 जुलाई (देशबन्धु)। देवाधिदेव महादेव की आराधना और उपासना के पवित्र श्रावण मास की शिवरात्रि के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने सपरिवार शास्त्रीनगर ए-ब्लॉक स्थित शिव पार्वती मंदिर में भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की और चराचर जगत के कल्याण की कामना की। पंडित कपिल भदोला ने पूजन कराया। इस दौरान उनकी पत्नी अंजली तोमर, पुत्री सौम्या तोमर, पुत्र शिवांश तोमर, रुद्रांश तोमर मौजूद रहें।

मेरठ में भोले का किया गया जलाभिषेक

सड़कें हुईं खाली, आमजन को मिली राहत

मेरठ, 23 जुलाई (देशबन्धु)। जनपद मेरठ में जलाभिषेक के साथ ही शहर सामान्य होने लगा है। चंद घंटे पहले तक जिन सड़कों पर पैदल निकलना भी मुश्किल हो रहा था, वह अब खाली दिख रही हैं। शहर से लेकर हाईवे तक सड़क के दोनों तरफ वाहन दौड़ रहे हैं। उधर, सिवाया टोल पर भी 6 लेन शुरू कर दी गई है। अब आगर कोई चार पहिया वाहन हरिद्वार की तरफ बढ़ता है तो उसे पहले टोल टैक्स चुकाना होगा। कावड़ यात्रा के चलते शहर के रास्तों पर बैरिकेडिंग करते हुए टू वे की व्यवस्था बनाई गई थी, जिसके जरिए वाहनों का आवागमन हो रहा था। यह पहला मौका था जब हाईवे पर भी वाहनों पर पाबंदी नहीं लगाई गई थी। लोगों ने भी इससे काफी हद तक राहत महसूस की। शहर से हाइवे तक की सड़कें दो हिस्सों में बाट दी गई थीं। एक तरफका रास्ता पूरी तरह हरिद्वार से आने वाले कांवड़ियों के लिए छोड़ गया था। मंगलवार आधी रात तक हाईवे से लेकर शहर के भीतर सड़कों पर कांवड़ियों का सैलाब दिखाई दिया। जैसे-जैसे दिन निकलता गया, वैसे-वैसे कांवड़ियों की संख्या घटती चली गई। इसके चलते हाईवे को सुबह ही दोनों तरफ से खोल दिया गया। दोपहर तक हाईवे की स्थिति पूरी तरह सामान्य हो गई।

शहर के भीतर भी दोपहर 12 बजे के बाद सड़कें सामान्य होनी शुरू हो गई। यहां जगह-जगह लोगों ने अपने आप ही डिवाइडर के कट खोल दिए। कुछ जगह जल भराव के कारण वाहन रॉन्ग साइड में चलते जरूर दिखाई दिए लेकिन जैसे ही सड़कों पर भरा पानी खत्म हुआ, वह अपनी साइड यानि बाये तरफ चलने शुरू हो गए। हाईवे और शहर के भीतर से जलाभिषेक को देखते हुए नंहुआ औघड़नाथ मंदिर पर फोर्स को शिफ्ट कर दिया गया। करीब आधे से ज्यादा पॉइंट खाली हो गए। जिन पॉइंट पर संवेदनशीलता को देखते हुए अतिरिक्त फोर्स लगाया गया था, उस फोर्स को भी दोपहर तक वहां से हटा लिया गया।

तहसील सदर उप निबंधक कार्यालय से लाखों की नगदी चोरी

फर्रुखाबाद, 23 जुलाई (देशबन्धु)। शातिर चोरों ने तहसील में उपनिबंधक कार्यालय का ताला तोड़कर पंजीयन शुल्क की धनराशि से भरी तिजोरी के लाखों रुपए चोरी कर लिए। जिसमें लगभग साढ़े चार लाख रुपये रखे हुए थे। चोरी की वारदात का पता चलते ही बुधवार की सुबह सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उपनिबंधक कार्यालय के कर्मचारियों से जानकारी जुटाई है। थाना मऊदरवाजा क्षेत्र के तहसील सदर स्थित उपनिबंधक कार्यालय में चोरों ने बीती रात लम्बा हाथ मारा। चोर तहसील स्थित उपनिबंधक कार्यालय में दाखिल हुए।

मिली जानकारी के मुताबिक चोरों ने लाकर रूम में रखा कैश वक्स से रजिस्ट्री का पंजीयन शुल्क का लगभग 4 लाख 50 हजार रुपए पार कर दिया। चोरों ने सीसीटीवी कैमरे के भी तार तोड़कर बंद कर दिए। बुधवार की सुबह उपनिबंधक कार्यालय के खुलते ही कर्मचारियों ने ताला टूटने की खबर आलाधिकारियों को दी। एडीएम, एसडीएम सदर थाना मऊदरवाजा पुलिस मौके पर पंहुची। पुलिस ने जांच पड़ताल की। घटना के पीछे किसी विभागीय कर्मी की मिली भगत की चर्चा है। अपर पुलिस अधीक्षक डा. संजय सिंह ने भी मौके पर आकर जांच की। उपनिबंधक रविकान्त ने बताया की कैश कितना है यह अभी बता पाना मुश्किल हैअधिकारियों से बात की जा रही है।

उद्योग व्यापार मंडल ने किया संगठन का विस्तार

जिलाध्यक्ष बोले, रेलवे रोड सड़क के लिए संघर्ष किया जाएगा

फर्रुखाबाद, 23 जुलाई (देशबन्धु)। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल मिश्रा गुट की जिला व नगर की बैठक जिला अध्यक्ष सदानंद शुक्ला की अध्यक्षता में विपिन गेस्ट हाउस अंगूरी बाग में हुई। बैठक में संगठन का विस्तार किया गया। नगर अध्यक्ष मो. इखलाक खा ने घोषणा करते हुए कहा कि इलेक्ट्रिक मर्चेट एंड वेलफेयर एसोसिएशन के मनोज कुमार अध्यक्ष, राजन सिंह महामंत्री, आदर्श कुमार को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसके अलावा अंगूरी बाग व्यापार मंडल से महेंद्र कुमार श्रीवास्तव अध्यक्ष, अवनीश कुमार तोमर महामंत्री, रविन्द्र प्रकाश आर्य को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजीव मिश्रा बाबी भी मौजूद रहे। बैठक का संचालन नगर महामंत्री राकेश सक्सेना ने किया।

बैठक में जिलाध्यक्ष सदानंद शुक्ला ने कहा कि संगठन का पूर्ण विस्तार हो जाने के बाद रेलवे रोड के निर्माण व सुंदरीकरण के लिए संघर्ष के साथ सभी अधूरे पड़े कार्यों पर काम किया जायेगा नगर अध्यक्ष मो. इखलाक खा ने कहा कि बढ़े हुए बिजली का बिल वापस लिए जाएं यदि बिजली की बड़ी दर वापस नहीं ली गई तो व्यापारी सड़कों पर उतरकर संघर्ष करेगा।

संविधान मान दिवस पर पीडीए सम्मेलन कर प्रदेश की नब्ज टटोलेगी सपा

■ ओम प्रकाश सिंह

■ गोशाईंगंज छोड़ अयोध्या जनपद की चार विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों को अखिलेश की हरी झंडी

■ पूर्व मंत्री मनोज पांडेय की तरह दोगला नहीं : पवन पांडेय

लखनऊ/अयोध्या, 23 जुलाई (देशबन्धु)। देश में राजनीतिक माहौल गरम है। बिहार में मतदाता सूची संशोधन पर चुनाव आयोग की बेशर्मी दुनिया देख रही है। उपराष्ट्रपति धनखड़ के इस्तीफे से भाजपा का कैडर सन्न है। राष्ट्रीय संवैधानिक संस्थाओं के जबरिया इस्तेमाल पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों पर भी सरकार सचेत नहीं लग रही। इस सबके बीच आगामी यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी आक्रामक रणनीति अपना रही है।

संविधान मान दिवस पर सभी जिला मुख्यालयों में पीडीए सम्मेलन के बहाने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ आमजन के आकांक्षाओं की भी नब्ज टटोलेगी। इसके साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अधिकांश विधानसभा सीटों पर लड़ने वाले उम्मीदवारों को भी हरी झंडी दे दिया है। राहुल गांधी के नेतृत्व में संविधान बचाने की लड़ाई को इंडिया गठबंधन पिछले लोकसभा चुनाव के पहले से लड़ रहा है। यूपी में अखिलेश यादव ने तो पिछले वर्ष 26 जुलाई के दिन सपा मुख्यालयों पर संविधान मान स्तम्भ की स्थापना भी कराया था। संविधान मान स्थापना के ही दिन 26 जुलाई को सपा सभी जिला मुख्यालयों पर पीडीए सम्मेलन आयोजित कर ताकत दिखाने जा रही है। इसके लिए प्रदेश के हर विधानसभा में पीडीए सम्मेलन तैयारी बैठक की जा चुकी है। जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन में बड़े नेताओं को जिम्मेदारी तय कर दी गई है। अयोध्या जनपद में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अवधेश प्रसाद मुख्य अतिथि होंगे। अखिलेश जानते हैं कि 2027 का चुनाव करो या मरो का है। इसलिए उन्होंने प्रदेश की लगभग हर विधानसभा सीट का एक्सरे कर संभावित उम्मीदवार को हरी झंडी दिखा दिया है। यूपी 2027 के विधानसभा चुनाव में अयोध्या जनपद की पांच विधानसभा सीटों पर सपा प्रत्याशियों का चयन सपा मुखिया अखिलेश यादव ने लगभग तय कर दिया है। गोशाईंगंज को छोड़कर अन्य विधानसभा के चयनित उम्मीदवार को हरी झंडी दिखा दी गई है। दूसरी तरफ पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता, पूर्व मंत्री पवन पांडेय ने दल से बगावत करने वालों को दोगला बताया है। मालूम हो कि पूर्व मंत्री मनोज पांडेय के साथ आधा दर्जन विधायकों ने राज्यसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी से बगावत कर दिया था। इसमें अयोध्या जनपद के सपा विधायक अभय सिंह भी शामिल थे। मिल्कीपुर उपचुनाव में पुत्र मोह लुटिया डूबने का बड़ा कारण बना था। फैजाबाद लोकसभा सांसद के पुत्र अजीत प्रसाद उम्मीदवार थे। इस बार भी नहीं लगता कि सपा सांसद अवधेश प्रसाद पार्टी हित में पुत्र मोह त्याग पाएंगे। हालांकि अब लोगों का गुस्सा कम हुआ है। गोशाईंगंज विधानसभा से सपा विधायक, बाहुबली अभय सिंह सत्तामोह में समाजवाद से विमुख हो चुके हैं। यहां पार्टी को दमदार उम्मीदवार चाहिए क्योंकि गोशाईंगंज विधानसभा का चरित्र जन्म से ही दबंग पसंद है। गोशाईंगंज पिछड़ा बाहुल्य विधानसभा है सो माना जा रहा है कि निषाद या कुर्मी बिरादरी से सपा उम्मीदवार होगा। पूरे देश में अयोध्या सबसे चर्चित सीट रहती है। यहां से सपा के पूर्व विधायक पवन पांडेय की उम्मीदवारी पर कोई भारी दावेदारी नहीं है। लोकसभा में बेहतरीन प्रदर्शन भी पवन की जनपैठ की चुगली करता है। पवन की दावेदारी को चुनौती देने वाले पूर्व विधायक जयशंकर पांडेय ने राजनीतिक मिजाज समझते हुए अंबेडकर नगर जनपद की कटेहरी विधानसभा को अपना लिया था। जयशंकर इस बार अपने पुत्र को कटेहरी में स्थापित करना चाहते हैं। अयोध्या के नाम पर भाजपा को पूरे देश में धार्मिक भावना उबारने का लाभ तो मिलता है लेकिन राजनीतिक रुप से पिछड़ जाती है। विकसित अयोध्या का दंश अयोध्या चुपचाप झेल रही है। लोकसभा की तरह विधानसभा में वह दर्द मुखर हो सकता है।

बीकापुर विधानसभा के पिछले चुनाव में ठाकुर व गब्बर की भिड़ंत थी। सपा से फिरोज खान गब्बर उम्मीदवार थे तो भाजपा से ठाकुर अमित सिंह चौहान। टिकट वितरण से उपजी परिस्थितियों के कारण सपा के ठाकुर भी भाजपा के हमराह हो गए थे सो सपा कम वोटों से हार गई थी। इस बार सपा यहां से ठाकुर गब्बर की लड़ाई के बजाय यदुवंशी पर दांव आजमाने जा रही है। आसानी से टिकट वितरण में रुदौली विधानसभा को गिना जा सकता है। यहां से पार्टी मुस्लिम चेहरा उतारने जा रही है। पीडीए एकजुट रहा तो भाजपा के चुनावी दांत यहां कटकटाएंगे।

नीरू पुरी ने सालों की प्रैक्टिस को रश पर जीत में बदला

नई दिल्ली। नीरू पुरी के लिए लूडो कभी सिर्फ एक खेल नहीं रहा। यह उनके बचपन की यादों से जुड़ा एक रिश्ता है, एक ऐसा खेल जो मज़े और मन की एकाग्रता का हिस्सा था, और अब उनके लिए एक इनामों भरी यात्रा बन चुका है। दिल्ली के ड्रॉइंग रूम में मां के साथ बिताए गए शांत दोपहरों में शुरू हुआ यह सफर, आज कहीं ज़्यादा बड़ा रूप ले चुका है। आज नीरू रश पर एक अनुभवी खिलाड़ी हैं और सिर्फ एक नहीं, बल्कि दो बड़े इनामों की गर्वित विजेता एक नया एयर कंडीशनर और एक बाइक। उनकी सफलता किसी किस्मत या तुक्केबाज़ी का नतीजा नहीं, बल्कि लगातार मेहनत, तेज़ रणनीति और मजबूत मानसिकता का फल है।

अमिताभ बच्चन के साथ काम करना सौभाग्य की बात : पुनीत मल्होत्रा

मुंबई, 23 जुलाई (एजेंसियां)। फिल्म निर्माता पुनीत मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर मेगास्टार अमिताभ बच्चन की जमकर तारीफ की। पुनीत ने इंस्टाग्राम पर अमिताभ के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए उनके साथ काम करने के अनुभव को कभी न भूल पाने वाला और शानदार बताया। पुनीत ने लिखा कि कुछ पल जिंदगी में हमेशा याद रहते हैं। मिस्टर बच्चन के साथ काम करना मेरे लिए ऐसा ही एक पल है। उनकी आवाज, उनकी आंखें, उनका व्यक्तित्व और उनकी मौजूदगी को कैमरे के पीछे देखना एक सौभाग्य है। उनकी मौजूदगी हर चीज को और भी खास बना देती है। उनकी मेहनत हर किसी को प्रेरित करती है। सर, आपके अनुग्रह, प्रतिभा और इस अनमोल अनुभव के लिए धन्यवाद।

तस्वीर में अमिताभ बच्चन मजाकिया अंदाज में पुनीत के गले में हाथ डाले दिख रहे हैं, जबकि पुनीत मुस्कुराते हुए कैमरे की ओर देख रहे हैं। वहीं, डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने हार्ट इमोजी के साथ अपनी प्रतिक्रिया दी। पुनीत ने अपने करियर की शुरुआत सहायक निर्देशक के रूप में की थी। उन्होंने करण जौहर की 'कभी खुशी कभी गम', हंसल मेहता की 'ये क्या हो रहा है?', निखिल आडवाणी की 'कल हो न हो', अमोल पालेकर की 'पहेली' और तरुण मनसुखानी की 'दोस्ताना' जैसी फिल्मों में काम किया।

निर्जलीकरण से लेकर फोड़े फुंसी का लभेर से उपचार

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। प्रकृति की गोद में ऐसे कई सारे फल हैं, जिनसे हम आज भी अनजान हैं। इन्हीं में से एक हैं 'लभेर', जिसे कई लोग लमेड़ा, लसोढ़ा आदि कहते हैं। यह एक ऐसा पौधा है, जिसके फल, छाल, पत्तियां और गोंद का उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में विभिन्न रोगों के इलाज के लिए किया जाता है। यह पौधा भारत में व्यापक रूप से पाया जाता है और इसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं।

लभेर का फल, छाल, पत्तियां व गोंद का पारंपरिक चिकित्सा में उपयोग

लभेर का वैज्ञानिक नाम 'कॉर्डिया डाइकोटोमा' है। इसके पत्ते चिकने होते हैं। पकने के बाद इसके फल का रंग पीला होता है। लभेर के फल जून के अंत तक पक जाते हैं। खास बात यह है कि इसके फल पकने से मानसून के आगमन का भी अनुमान लगाया जाता है। इसके फल बहुत मीठे होते हैं। पक्षी इस पूरे फल को गुठली समेत निगल जाते हैं और फिर दूर-दूर तक इसके बीजों का प्रसार होता है। बेहद मीठा और चिपचिपा होने की वजह से इस फल को आमतौर पर लोग नहीं खाते हैं। हालांकि, इसका अचार के रूप में सेवन किया जाता है। वहीं, इसके पत्तों का स्वाद पान की तरह होता है। जिस वजह से दक्षिण भारत, गुजरात और राजस्थान में लोग पान की जगह लसोड़े का उपयोग कर लेते हैं। लसोड़ा में पान की तरह ही स्वाद होता है। यह खासकर तौर से गांव के आस-पास मेडों पर पाया जाता है। इसकी लकड़ी बड़ी चिकनी और मजबूत होती है। इसकी लकड़ी के तख्त भी बनाये जाते हैं और बंदूक के कुंदे में भी इसका प्रयोग होता है। इसके साथ ही अन्य कई उपयोगी वस्तुएं बनायी जाती हैं।

लोगों को पाचन से जुड़ी समस्याएं जैसे गैस, अपच, पेट दर्द से जुड़ी समस्याएं

लभेर को आयुर्वेद में महत्वपूर्ण औषधि माना गया है। गर्मियों में इसका सेवन करने से डिहाइड्रेशन की समस्या नहीं होती और लू से बचाव होता है। साथ ही शरीर में खून की कमी दूर हो जाती है, लसोड़े का इस्तेमाल फोड़े-फुंसियां के उपचार के लिए भी किया जाता है। दाद, फोड़े-फुंसी संबंधित समस्याओं से निजात दिलाने के लिए लसोड़े का इस्तेमाल किया जाता है।

हेलन, रेखा व माधुरी से मिली शिल्पा शेट्टी को खास प्रेरणा

मुंबई, 23 जुलाई (एजेंसियां)। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का लोकप्रिय डांस रियलिटी शो 'सुपर डांसर' करीब 4 साल बाद फिर से वापस आ गया है। इस बार शो में और भी ज्यादा जोश और उत्साह देखने को मिलेगा। इस सीजन में देशभर से चुने गए 12 टैलेंटेड बच्चे हिस्सा ले रहे हैं, जो स्टेज पर धमाकेदार डांस परफॉर्मेंस देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ये कंटेस्टेंट न सिर्फ शो के जजों को बल्कि लाइव ऑडियंस को भी अपने डांस से इंप्रेस करेंगे।

इस शो के दौरान जज और एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में खुलकर बात की और कुछ इमोशनल बातें भी शेयर कीं। उन्होंने बताया कि उनकी जिंदगी और करियर में तीन खास महिलाओं ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया है।

शिल्पा शेट्टी ने कहा कि मेरी जिंदगी में हमेशा तीन ऐसी महिलाएं रही हैं, जिन्होंने मुझे प्रेरित किया है। ये तीन महिलाएं हेलेन जी, रेखा जी और माधुरी दीक्षित जी हैं। हेलेन जी की खासियत यह थी कि वो चाहे कुछ भी पहनें या कोई भी डांस करें, वो कभी भी बुरा नहीं लगता था। रेखा जी की आंखों में इतना असर था कि वो सिर्फ अपनी नजरों से बहुत कुछ कह देती थीं। उनका लिप-सिंक और एक्सप्रेशन कमाल के थे।

उन्होंने आगे कहा कि माधुरी दीक्षित जी के हर परफॉर्मेंस में एक अलग ही अंदाज होता है। मैंने डांस करना माधुरी दीक्षित के वीडियो को देखकर ही सीखा है। ये तीनों कलाकार हमेशा से मेरी एक बड़ी प्रेरणा रही हैं।

अपनी मां के बारे में बात करते हुए शिल्पा भावुक हो गईं। उन्होंने बताया कि आज वो जिस मुकाम पर हैं, उसका सबसे बड़ा श्रेय उनकी मां को जाता है, क्योंकि उनकी मां ने हमेशा उनका बिना शर्त साथ दिया और हर मोड़ पर उनका हौसला बढ़ाया।

फिर से शुरू हो गई कश्मीर में फिल्मों की शूटिंग

अधिकतर पर्यटन स्थल दूधपत्थरी, यूसमर्ग जैसे प्रमुख स्थल पर अनुमति नहीं

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 23 जुलाई (देशबन्धु)। इस सच्चाई से इंकार नहीं किया जा सकता कि पहलगाम हमले के बाद कश्मीर वादी में पर्यटन और आतिथ्य को तगड़ा झटका लगा था। तीन महीने बाद, सुरम्य घाटी में फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। पर अधिकतर पर्यटन स्थलों के अभी भी बंद होने से टूरिज्म के पूर्ण रिवाइवल में बाधा आ रही है। 22 अप्रैल को आतंकियों ने पहलगाम में हमला किया था, जिसमें 25 पर्यटक और एक स्थानीय नागरिक मारे गए थे। इसके बाद प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए 48 पर्यटन स्थलों और जगहों को बंद कर दिया था। पहलगाम, श्रीनगर और गुलमर्ग को फिर से खोल दिया गया, लेकिन दूधपत्थरी, यूसमर्ग जैसे प्रमुख स्थलों और कई अनजान जगहों पर अभी भी पर्यटन की अनुमति नहीं है। पहलगाम हमले के चलते अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म वेलकम 3 और कई अन्य फिल्मों की कश्मीर में होने वाली शूटिंग या तो स्थगित कर दी गई या रोक दी गई।

80 के दशक में बालीवुड अभिनेताओं और निर्माताओं के लिए पसंदीदा जगह रहे कश्मीर में फिल्म शूटिंग की वापसी हुई, लेकिन कश्मीर में आतंकी घटनाओं में वृद्धि ने इस उद्योग पर पर्दा डाल दिया और स्थानीय सिनेमाघर और थिएटर भी बंद हो गए। ये थिएटर अब शापिंग माल या सुरक्षा बलों के कैंप में तब्दील हो गए हैं।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद, 2021 में फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों को कश्मीर में शूटिंग के लिए आकर्षित करने के लिए उपराज्यपाल प्रशासन ने फिल्म नीति शुरू की थी। इसके बाद प्रमुख अभिनेताओं ने फिल्म, विज्ञापन, सान्ग और यूट्यूब वीडियो की शूटिंग की थी।

कश्मीर के लाइन प्रोड्यूसर्स और फिल्म निर्माताओं का कहना था कि कुछ प्रोडक्शन हाउस ने शूटिंग फिर से शुरू कर दी है क्योंकि बालीवुड से लेकर टालीवुड तक के उनकी टीम ने गुलमर्ग, श्रीनगर और पहलगाम में कुछ स्काउटिंग और शूटिंग की है।

जाने-माने कश्मीरी फिल्म निर्माता जावेद गोरा ने पत्रकारों को बताया कि साउथ सिनेमा के एक प्रोडक्शन हाउस ने हाल ही में श्रीनगर और गुलमर्ग में एक फिल्म के कुछ सीन्स की शूटिंग की है। यह शूटिंग पहलगाम हमले के बाद तीन महीने के ब्रेक के बाद हुई है। वे कहते थे कि हालांकि, यह बहुत कम है। हमें उम्मीद है कि अमरनाथ यात्रा संपन्न होने के बाद शूटिंग में तेजी आएगी। वैसे गोरा ने इस बात पर निराशा व्यक्त की कि हमले के बाद से कई स्थल अभी भी बंद हैं, जिससे फिल्म पर्यटन के पूरी तरह शुरू होने में बाधा आ रही है। वे कहते थे कि अनुमति संबंधी प्रतिबंध शूटिंग में बाधा डाल रहे हैं, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि अमरनाथ यात्रा के बाद ये प्रतिबंध हटा दिए जाएंगें। जानकारी के लिए पहलगाम हमले से एक हफ्ते पहले, बालीवुड अभिनेता इमरान हाशमी की थ्रिलर फिल्म ग्राउंड जीरो का प्रीमियर श्रीनगर में हुआ था। यह फिल्म प्रेमियों के लिए, और बालीवुड के लिए भी, चार दशकों के बाद, शहर में फिल्म प्रीमियर का पहला महत्वपूर्ण आयोजन था। पिछले हफ्ते, बालीवुड निर्देशक दानिश रेंजू और उनकी टीम ने श्रीनगर में शूटिंग की। पहलगाम हमले के बाद फिर से शुरू हुई कुछ शूटिंग में से यह एक थी।

कुछ महीने में शूटिंग में तेजी की उम्मीद

शूटिंग क्रू के आने से इंडस्ट्री से जुड़े लोगों में आशा की किरण जगी है। लाइन प्रोड्यूसर इरशाद बशीर बताते थे कि आने वाले महीनों में फिल्म की शूटिंग में तेजी आएगी। उन्होंने बताया कि एक मशहूर प्रोडक्शन हाउस की एक क्रू मेंबर ने शूटिंग के लिए गुलमर्ग में रेकी की है। कुछ और क्रू भी आ रहे हैं और कश्मीर के इलाकों की खोज कर रहे हैं।

वे कहते थे कि क्रू मेंबर दूधपत्थरी (बडगाम में) की रेकी करना चाहता था, लेकिन सुरक्षा कारणों से इसे स्थगित करना पड़ा। हमने क्रू मेंबर से कहा कि उम्मीद है कि अमरनाथ यात्रा पूरी होने के बाद प्रशासन द्वारा उस स्थान को खोल दिया जाएगा।

सीबीएसई बास्केटबॉल क्लस्टर टूर्नामेंट का हुआ शुभारंभ

■ स्पर्श ग्लोबल स्कूल, ग्रेटर नोएडा में 135 विद्यालयों से 168 टीमें ले रही हैं हिस्सा

ग्रेटर नोएडा, 23 जुलाई (देशबन्धु)। स्पर्श ग्लोबल स्कूल, ग्रेटर नोएडा में 23 से 27 जुलाई तक आयोजित होने वाले सीबीएसई बास्केटबॉल क्लस्टर टूर्नामेंट का शुभारंभ विद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित सक्सेना एवं प्रधानाचार्या मोनिका रंधावा के दृढ़ नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

इस बहुप्रतीक्षित खेल आयोजन में देशभर के 135 प्रतिष्ठित विद्यालयों की 168 टीमों ने अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 आयु वर्गों में सहभागिता की। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रसप्रीत सिद्धू (पूर्व कप्तान-भारतीय महिला बास्केटबॉल टीम) एवं सुनील नागर, ईए महासचिव बीएसए स्पोर्ट्स ने दीप प्रज्वलन कर टूर्नामेंट का औपचारिक उद्घाटन किया तथा अपने संबोधनों के माध्यम से प्रतिभागियों को अनुशासन, समर्पण एवं नेतृत्व को जीवन के मूल मंत्र के रूप में अपनाने की प्रेरणा प्रदान की।

समारोह का प्रारंभ सभी प्रतिभागी टीमों द्वारा सुरबद्ध एवं आकर्षक मार्च पास्ट से हुआ, जिसने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इसके उपरांत, सीबीएसई ध्वज का भव्य ध्वजारोहण सम्पूर्ण विद्यालयों की उपस्थिति में संपन्न हुआ, जिसने समारोह की गरिमा को और अधिक ऊंचाई प्रदान की। पहले दिन के मुकाबले अत्यंत उत्साहजनक एवं रोमांचकारी रहे, जहां खिलाड़ियों ने अनुशासित खेल कौशल, टीम भावना तथा ऊर्जावान प्रदर्शन के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

आयोजन स्थल पर उपलब्ध उत्कृष्ट खेल सुविधाएं, सुदृढ़ प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्था ने प्रतियोगिता को एक सफल, प्रभावशाली एवं अविस्मरणीय आयोजन बना दिया। आगामी दिवसों में अनेक हाई वोल्टेज मुकाबलों की श्रृंखला प्रस्तावित है, जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों का चयन किया जाएगा। समापन समारोह के अवसर पर विजयी टीमों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा।

चुकंदर को लेकर शोधकर्ताओं का दावा

चुकंदर का जूस बुजुर्गों में उच्च रक्तचाप कम करने में मददगार

■ 30 साल से कम उम्र के 39 युवा व 60-70 साल की उम्र के 36 बुजुर्गों को शामिल

■ चुकंदर पसंद नहीं, तो पालक, सौंफ आदि जैसे नाइट्रेट युक्त विकल्प

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि चुकंदर का जूस बुजुर्गों में हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में फायदेमंद हो सकता है।

ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन किया है जिसमें पाया गया कि चुकंदर के जूस से बड़ी उम्र के लोगों का ब्लड प्रेशर कम हो सकता है। इसका कारण उनके मुंह के बैक्टीरिया में होने वाले खास बदलाव हो सकते हैं। अध्ययन के अनुसार, नाइट्रेट शरीर के लिए जरूरी है और यह सब्जियों से भरपूर आहार के जरिए मिलता है। शोध में 30 साल से कम उम्र के 39 युवा और 60-70 साल की उम्र के 36 बुजुर्गों को शामिल किया गया। इन लोगों ने दो हफ्तों तक दिन में दो बार नाइट्रेट युक्त चुकंदर का जूस पिया और फिर दो हफ्तों तक बिना नाइट्रेट वाला प्लेसबो जूस लिया।

नतीजों में पाया गया कि बुजुर्गों में चुकंदर का जूस पीने से ब्लड प्रेशर में कमी आई, लेकिन युवाओं में यह असर नहीं दिखा। यह अध्ययन 'फ्री रैडिकल बायोलॉजी एंड मेडिसिन' जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं का कहना है कि नाइट्रेट युक्त चुकंदर का जूस पीने से बुजुर्गों के मुंह में हानिकारक बैक्टीरिया 'प्रिवोटेला' की मात्रा कम हुई, जबकि 'नीसेरिया' जैसे फायदेमंद बैक्टीरिया बढ़े। ये बदलाव मुंह में नाइट्रेट को नाइट्रिक ऑक्साइड में बदलने में मदद करते हैं।

नाइट्रिक ऑक्साइड रक्त वाहिकाओं के स्वस्थ कामकाज और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने के लिए जरूरी है। मुंह में गुड और बैड बैक्टीरिया के बीच असंतुलन होने पर नाइट्रेट का यह रूपांतरण कम हो सकता है, जिससे ब्लड प्रेशर पर असर पड़ता है। यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर के प्रोफेसर एंडी जोन्स ने कहा कि यह अध्ययन दिखाता है कि नाइट्रेट युक्त खाद्य पदार्थ मुंह के माइक्रोबायोम को बदलकर सूजन कम करते हैं और बुजुर्गों में ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करते हैं। यह बड़े शोध के लिए रास्ता खोलता है।

बीकानेर हाउस में शुरू हुआ तीजोत्सव 2025

राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने विधिवत रूप से किया शुभारंभ

नई दिल्ली। नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में बुधवार को राजस्थानी तीज उत्सव 2025 का शुभारंभ राजस्थान के मुख्य सचिव और मुख्य आवासीय आयुक्त सुधांश पंत ने विधिवत रूप से किया। 30 जुलाई तक चलने वाले इस साप्ताहिक तीजोत्सव में राजीविका और रूडा द्वारा हस्तनिर्मित उत्पादों के स्टॉल और फूड फेस्टिवल का आयोजन भी किया जाएगा। मेले के शुभारंभ में श्री पंत ने बताया कि इस मेले से दिल्ली में रह रहे अप्रवासी राजस्थानियों सहित राजधानीवासियों को राजस्थान की रंगारंग शैली, सांस्कृतिक विरासत, हस्तकला से निर्मित उत्पाद, पारंपरिक संगीत, नृत्य, स्वादिष्ट व्यंजन और संस्कृति से रूबरू होने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थानी हस्तशिल्प उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए आनलाईन खरीदारी हेतु सरकार द्वारा विशेष 'राजसखी ऐप/पोर्टल' बनाया गया है जहां पर स्थानीय कारीगर अपने सामान को देश दुनिया में बिक्री के लिए प्रदर्शित कर सकते हैं। श्री पंत ने कहा कि राजीविका, रूडा स्वयं सहायता समूहों के साथ मिलकर राजस्थानी हैंडीक्राफ्ट को जन-जन तक पहुंचाने के लिए बेहतर कार्य कर रही हैं। आवासीय आयुक्त जोगाराम ने बताया कि 'तीज उत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं का उत्सव है। यह राजस्थान की रंगारंग कला और शिल्प को एक अनूठा मंच प्रदान करता है, जहां कलाकार अपने असाधारण कौशल का प्रदर्शन करते हैं।

रीढ़ की हड्डी में जटिल ट्यूमर का चिकित्सकों ने किया सफल आपरेशन

पैरालिसिस से मिली मुक्ति, अब मरीज की चलने-फिरने की क्षमता सामान्य

ग्रेटर नोएडा, 23 जुलाई (देशबन्धु)। फोर्टिस हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा की टीम ने एक ऐसा ऑपरेशन किया है, जो मेडिकल साइंस में बहुत कम देखने को मिलता है। ग्रेटर नोएडा निवासी 44 वर्षीय सुबोध कुमार की रीढ़ की हड्डी में मायक्सॉइड मूल का एक अत्यंत दुर्लभ और बड़ा ट्यूमर पाया गया, जो पीठ के ऊपरी हिस्से से लेकर सीने तक फैला हुआ था। भारत में इस तरह के मामलों की संख्या बेहद कम रही है। यह ट्यूमर इतना अधिक फैल चुका था कि वह पूरी तरह व्हीलचेयर पर निर्भर हो गए थे। उन्हें दो महीने से ज्यादा समय से पैरालिसिस था, मूत्र और मल पर नियंत्रण पूरी तरह खो चुका था और मानसिक रूप से वह बुरी तरह टूट चुके थे। शुरुआत में बीमारी को स्लिप डिस्क या स्पाइनल टीबी समझकर इलाज किया गया, जिससे सही इलाज में देरी हुई। हालात तेजी से बिगड़े और वे पेशाब, शौच, खाना खाने और चलने जैसे हर छोटे-बड़े काम के लिए पूरी तरह से अपने परिवार पर निर्भर हो गए।

ट्यूमर का आकार एक क्रिकेट बॉल जितना था और वह रीढ़ से होते हुए छाती के अंदर मीडियास्टाइनम क्षेत्र तक फैल चुका था। इसे हटाना एक अत्यंत संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण कार्य था, क्योंकि यह स्पाइनल कॉर्ड से चिपका हुआ था।

ऑपरेशन का नेतृत्व डॉ. हिमांशु त्यागी (निदेशक एवं प्रमुख, ऑर्थोपेडिक्स और स्पाइन सर्जरी) ने किया। उनके साथ डॉ. राजेश मिश्रा और डॉ. मोहित शर्मा की टीम भी इस जटिल सर्जरी में शामिल रही। यह ऑपरेशन करीब चार घंटे तक चला, जिसमें माइक्रोस्कोपिक सर्जरी, इंट्रा-ऑपरेटिव न्यूरोमॉनिटरिंग और इमेज गाइडेंस जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया। डॉ. हिमांशु त्यागी ने बताया ने बताया कि ट्यूमर एक बेहद नाजुक स्थान पर था और रीढ़ की नसों से चिपका हुआ था।

ऑपरेशन के हर कदम पर हमें अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ी। इस सर्जरी में सबसे बड़ा खतरा था, स्पाइनल कॉर्ड को नुकसान पहुंचने का, जिससे स्थायी पैरालिसिस हो सकता था। साथ ही, ट्यूमर पूरी तरह हट न पाने, सीएसएफ लीक, इन्फेक्शन और फेफड़ों से संबंधित जटिलताओं का भी खघ्तरा था।

लेकिन हमारी टीम ने सटीक योजना, तकनीक और अनुभव के बल पर इस चुनौती को पार किया। सबसे बड़ी बात यह है कि मरीज अब बिना किसी सहारे के चल पा रहे हैं और उनका जीवन फिर से सामान्य हो गया है। सर्जरी के चार महीने बाद सुबोध अब रोजमर्रा के सभी काम खुद कर रहे हैं चलना, सीढ़ियां चढ़ना, शौच और पेशाब किसी सहायता के बिना। उनका यह सुधार पूरी तरह से असाधारण माना जा रहा है।

आंखों की लापरवाही कर सकती है बड़ी समस्या

■ आंखों को स्वस्थ रखने में मददगार पादाभ्यंग ■ आंखों को हमेशा नम रखने की कोशिश करें

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। आंखें हमारे शरीर का एक अनमोल और नाजुक हिस्सा हैं। इनकी देखभाल में थोड़ी सी भी लापरवाही बड़ी समस्याएं पैदा कर सकती है। भारत सरकार का आयुष मंत्रालय आंखों की देखभाल के लिए कुछ आसान और प्रभावी उपाय सुझाता है, जो आंखों को स्वस्थ रखने में मददगार हैं। इन उपायों को अपनाकर आप अपनी आंखों की रोशनी को लंबे समय तक बनाए रख सकते हैं।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, आंखों को स्वस्थ रखने के लिए नियमित देखभाल जरूरी है। सबसे पहले, आंखों को हमेशा नम रखने की कोशिश करें। भोजन के बाद हाथ धोते समय आंखों को भी ठंडे पानी से धोएं। ध्यान रखें कि गंदे या जूठे हाथों से आंखों को न छुएं, क्योंकि इससे संक्रमण का खतरा हो सकता है। मंत्रालय शीतोदक उपचार की सलाह देता है। इसके तहत दिन में 2 से 4 बार मुंह में ठंडा पानी भरकर रखें और आंखों पर ठंडे पानी की बूंदें डालें। यह उपाय आंखों को ठंडक और आराम देता है, जिससे थकान और जलन से राहत मिलती है। खासकर मानसून में, जब आंखों में एलर्जी या संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, यह तरीका बहुत फायदेमंद है।

इसके अलावा, पादाभ्यंग यानी पैरों की मालिश को भी आंखों के लिए लाभकारी बताया गया है। रोजाना रात को सोने से पहले गुनगुने तेल से पैरों की मालिश करें। यह न केवल तनाव कम करता है, बल्कि नेत्र ज्योति को बढ़ाने और आंखों को बीमारियों से बचाने में भी मदद करता है।

पैरों की मालिश भी आंखों के लिए लाभकारी

ये छोटे-छोटे उपाय आपकी दिनचर्या में आसानी से शामिल किए जा सकते हैं। आंखों की देखभाल के लिए स्वच्छता और नियमितता सबसे जरूरी है। इसके अलावा कुछ योगासन और प्राणायाम भी हैं, जिसके अभ्यास से आप अपनी आंखों की रोशनी बढ़ा सकते हैं और उन्हें स्वस्थ भी रखने में मदद करते हैं।

आंखों के लिए भस्त्रिका प्राणायाम बेहद फायदेमंद है। इसमें तेजी से सांस लेने और छोड़ने की प्रक्रिया होती है। इसे एक बार में 2 से 3 मिनट ही करना चाहिए। भस्त्रिका आंखों तक ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाता है, जिससे दृष्टि साफ होती है और आंखों की थकान दूर होती है।

त्राटक एक ध्यान तकनीक है, जिसमें किसी बिंदु जैसे मोमबत्ती की लौ या सर्कल को बिना पलक झपकाए देखा जाता है। इसे शांत जगह पर करना चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार इसे नियमित रूप से करने से आंखों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, एकाग्रता बढ़ती है और दृष्टि अच्छी होती है। इसे करने के बाद आंखें बंद कर कुछ मिनटों के लिए आराम करना चाहिए। आंखों को ऊपर-नीचे घुमाना भी आंखों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इस आसान में आंखों को धीरे-धीरे ऊपर-नीचे, दाएं-बाएं और गोलाकार घुमाना चाहिए। इससे आंखों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, तनाव कम होता है और रक्त संचार भी बेहतर बनता है।

हथेली से आंख ढंकना (पामिंग) अपनी हथेलियों को रगड़कर गर्म करें और बंद आंखों पर हल्के से रखें।

1-2 मिनट तक गहरी सांस लें। यह आंखों को आराम देता है और तनाव कम करता है।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर	
टाटा मोटर्स	2.51 प्रतिशत
भारती एयरटेल	1.94 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	1.66 प्रतिशत
मारूति सुजुकी	1.15 प्रतिशत
बजाज फिनसर्व	1.02 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर	
हिंद यूनिलीवर	1.19 प्रतिशत
बीईएल	0.68 प्रतिशत
अल्ट्रा टेक	0.68 प्रतिशत
आईटीसी	0.28 प्रतिशत
टाटा स्टील	0.12 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,00,533
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,15,850
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7862.15
मसूर काली	8057.45
उड़द दाल	10487.46
मूंग दाल	10126.14
अरहर दाल	10996.74

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

भारत में खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट से महंगाई को नियंत्रित करने में मदद मिली : एडीबी

एडीबी ने विकासशील एशिया व प्रशांत क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं के लिए अपने विकास पूर्वानुमानों को किया कम

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) ने बुधवार को कहा कि भारत की जीडीपी 2025 में 6.5 प्रतिशत और 2026 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। इसकी वजह घरेलू स्तर पर मजबूत मांग और मौद्रिक नीति में नरमी होना है।

एडीबी ने बयान में कहा कि महंगाई इस साल 3.8 प्रतिशत और 2026 में 4 प्रतिशत रह सकती है, जो कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा तय की गई सीमा के मुताबिक है।

बयान में आगे कहा कि भारत में खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट से मुख्य महंगाई को नियंत्रित करने में भी मदद मिली है। खाद्य मुद्रास्फीति के नकारात्मक होने के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति जून में घटकर 2.1 प्रतिशत रह गई, जो 77 महीनों में सबसे कम है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि इस वित्त

भारत की अर्थव्यवस्था 2025 में 6.5 प्रतिशत, 2026 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान : एडीबी

वर्ष में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.4-6.7 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है, जिससे दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में देश की स्थिति मजबूत होगी।

हालांकि, एडीबी ने विकासशील एशिया और प्रशांत क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं के लिए अपने विकास पूर्वानुमानों को कम कर दिया है। यह गिरावट उच्च अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक व्यापार अनिश्चितता के साथ-साथ कमजोर घरेलू मांग के बीच निर्यात में कमी की आशंकाओं के कारण हुई है।

एशियन डेवलपमेंट आउटलुक (एडीओ) जुलाई 2025 में एडीबी ने अनुमान जारी कर कहा कि इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाएं इस साल 4.7 प्रतिशत की दर से बढ़ेंगी, जो अप्रैल में जारी अनुमान से 0.2 प्रतिशत अंक कम है। वहीं, अगले वर्ष के लिए पूर्वानुमान 4.7 प्रतिशत से घटाकर 4.6 प्रतिशत कर दिया गया है। अमेरिकी टैरिफ और व्यापार तनाव में वृद्धि से एशिया और प्रशांत क्षेत्र के विकास की संभावनाओं को और नुकसान पहुंच सकता है। अन्य जोखिमों में संघर्ष और भू-राजनीतिक तनाव शामिल हैं जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित कर सकते हैं और ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि कर सकते हैं।

आरबीआई का एफआई इंडेक्स मार्च में बढ़कर 67 पर पहुंचा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जानकारी देते हुए बताया कि देश का फाइनेंशियल इंक्लूजन इंडेक्स (एफआई इंडेक्स) मार्च 2025 में बढ़कर 67 हो गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। केंद्रीय बैंक के बयान के अनुसार, मार्च 2024 में यह इंडेक्स 64.2 पर था। आरबीआई ने एक रिलीज में कहा कि मार्च 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए इंडेक्स संकलित किया गया है। मार्च 2025 के लिए एफआई-इंडेक्स का मूल्य 67 है, जबकि मार्च 2024 में यह 64.2 था। इसमें सभी उप-सूचकांकों जैसे पहुंच, उपयोग और गुणवत्ता में वृद्धि देखी गई है।

एफआई-इंडेक्स आरबीआई द्वारा विकसित एक मापक है, जो यह ट्रैक करता है कि देश भर में लोगों तक वित्तीय सेवाएं कितनी अच्छी तरह पहुंच रही हैं। यह बैंकिंग, बीमा, निवेश, पेंशन और डाक सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों के आंकड़ों का उपयोग कर फाइनेंशियल इंक्लूजन के स्तर को दर्शाता है। यह इंडेक्स 0 से 100 तक होता है, जहां 0 का अर्थ पूर्ण वित्तीय बहिष्करण और 100 का अर्थ पूर्ण वित्तीय समावेशन है। आरबीआई के अनुसार, इस वर्ष के इंडेक्स में सुधार मुख्य रूप से वित्तीय सेवाओं के उपयोग और गुणवत्ता में बेहतर प्रदर्शन के कारण हुआ है।

भारत ग्लोबल साउथ में परिवर्तन को गति देने के लिए प्रतिबद्ध : नीति आयोग

सतत विकास लक्ष्यों के लिए सभी का मिलकर काम करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने कहा है कि भारत का सतत आर्थिक और समावेशी विकास मॉडल उसे ऐसे समय में स्थिरता का आधार बनाता है, जब दुनिया आर्थिक अनिश्चितता और परिवर्तन का सामना कर रही है। अमेरिका स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर उच्च-स्तरीय राजनीतिक मंच के मंत्रिस्तरीय सत्र में बेरी ने कहा कि विश्व समुदाय वर्तमान में गहन आर्थिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जिससे सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए सभी का मिलकर काम करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

उन्होंने जोर दिया कि आज दुनिया को नए ग्रोथ इंजन, डेवलपमेंट मॉडल और स्टेबिलिटी के विश्वसनीय आधार की आवश्यकता है, जिन्हें विभिन्न देशों में लागू किया जा सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत अपने विशिष्ट लाभों और विकास के इतिहास का उपयोग कर ग्रोथ इंजन, डेवलपमेंट मॉडल और स्टेबिलिटी के विश्वसनीय आधार तीनों को प्रदान करने के लिए तैयार और उत्सुक है। बेरी ने भारत की आर्थिक दृढ़ता पर जोर देते हुए कहा कि देश लगातार बढ़ते सामाजिक-आर्थिक मानकों के साथ एक समृद्ध लोकतंत्र बन गया है।

सोना एक लाख रुपए के पार, ऑल टाइम हाई पर चांदी

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। सोना-चांदी की कीमतों में बुधवार के कारोबारी दिन जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। जहां 24 कैरेट सोने की कीमत 1 लाख रुपए के पार हो गई है, वहीं चांदी ने 1.15 लाख रुपए प्रति किलो की कीमत पार कर अपना नया ऑल-टाइम हाई बनाया है। 24 कैरेट के सोने की कीमतों में 1000 रुपए से ज्यादा की तेजी दर्ज की गई है।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा शाम को जारी की गई कीमतों के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत 1025 रुपए बढ़कर 1,00,533 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि बीते मंगलवार को 99,508 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई थी। 22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 92,088 रुपए हो गई है, जो कि पहले 91,149 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, 18 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम बढ़कर 75,400 रुपए हो गया है, जो कि पहले 74,631 रुपए प्रति 10 ग्राम था। इसी तरह चांदी की कीमत 1,15,850 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि पहले 1,14, 493 रुपए प्रति किलो थी। चांदी की कीमत में 1,357 रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

भारतीय निवेशकों ने हाइब्रिड म्यूचुअल फंड योजनाओं को दी प्राथमिकता

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। जून इक्विटी, हाइब्रिड और एसआईपी सेगमेंट में रिकॉर्ड उच्च निवेश और सक्रिय निवेशक भागीदारी के साथ, भारतीय म्यूचुअल फंड क्षेत्र के लिए एक सफल महीना रहा। यह जानकारी बुधवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई।

आईसीआरए एनालिटिक्स ने एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का एयूएम बढ़कर 74.41 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो तिमाही आधार पर 13.2 प्रतिशत और सालाना आधार पर 22 प्रतिशत की वृद्धि है। इसे शेयर बाजारों में तेजी और खुदरा निवेशकों की निरंतर रुचि का समर्थन प्राप्त हुआ।

मई 2025 में कुल एयूएम 72.20

जून में शुद्ध निवेश बढ़कर 23,223 करोड़ रुपए हुआ

लाख करोड़ रुपए था, जबकि जून 2024 में यह 61.16 लाख करोड़ रुपए था।

इस महीने बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों ने अपनी बैलेंस्ड रिस्क-रिवार्ड प्रोफाइल के लिए हाइब्रिड योजनाओं को प्राथमिकता दी, क्योंकि इनमें आर्बिट्रेज, मल्टी-एसेट एलोकेशन और बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का प्रमुख योगदान रहा, जिससे 23,223 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड तोड़ शुद्ध निवेश हुआ।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आर्बिट्रेज, मल्टी-एसेट एलोकेशन और बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में क्रमश: 15,585 करोड़ रुपए, 3,210 करोड़ रुपए और 1,886 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया। इस बीच, इक्विटी-उन्मुख योजनाओं में कुल शुद्ध निवेश 23,587 करोड़ रुपए रहा, जो मई 2025 की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक है।

रिपोर्ट के अनुसार, इक्विटी सेक्टर में, फ्लेक्सी-कैप, स्मॉल-कैप और मिड-कैप फंड में क्रमश: 5,733 करोड़ रुपए, 4,024 करोड़ रुपए और 3,754 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ। इसी दौरान, ईएलएसएस फंड से 556 करोड़ रुपए का शुद्ध बहिर्वाह दर्ज किया गया, जो कर-सीजन की मांग में कमी का संकेत है।

अमेरिका-जापान समझौते से शेयर बाजारों में लौटी तेजी, निफ्टी 21,200 के पार

- सेंसेक्स 0.66 प्रतिशत की तेजी के साथ 82,726.64 अंक पर
- निफ्टी 0.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,219.90 अंक पर बंद
- मझौली व छोटी कंपनियों में भी देखा गया उछाल

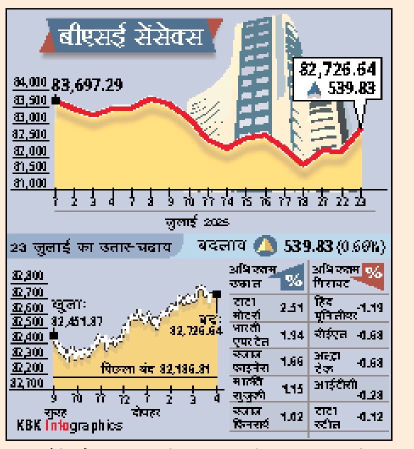

मुंबई, 23 जुलाई (एजेंसियां)। विदेशों से मिले सकारात्मक रुख के बीच घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को तेजी लौट आई। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 539.83 अंक (0.66 प्रतिशत) की तेजी के साथ 82,726.64 अंक पर पुहंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 भी 159 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,219.90 अंक पर बंद हुआ।

इससे पहले सोमवार को बाजार में तेजी रही थी जबकि मंगलवार को इसमें हल्की गिरावट देखी गई। दोनों लगभग दो सप्ताह के उच्चतम स्तर पर हैं। अमेरिका और जापान के बीच आयात शुल्क और निवेश संबंधी व्यापार समझौते के बाद विदेशी बाजारों जबरदस्त तेजी देखी गई है। जापान का निक्केई 3.51 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। हांगकांग का हैंगसेंग 1.62 प्रतिशत मजबूत हुआ। हालांकि चीन का शंघाई कंपोजिट लगभग सपाट रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई और जर्मनी का डैक्स शुरुआती कारोबार में क्रमश: 0.54 फीसदी और 0.84 फीसदी ऊपर थे। सकारात्मक वैश्विक रुख से उत्साहित निवेशकों की लिवाली से सेंसेक्स 265 अंक चढ़कर 82,451.87 अंक पर खुला और पूरे दिन मजबूत बना रहा। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 22 के शेयर हरे निशान में रहे। टाटा मोटर्स में सर्वाधिक 2.51 फीसदी की तेजी रही। भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी और बजाज फिनसर्व के शेयर भी एक से दो प्रतिशत के बीच चढ़े। सेंसेक्स में हिंदुस्तान यूनिलिवर का शेयर सबसे ज्यादा 1.19 फीसदी टूट गया।

निफ्टी-50 की शुरुआत 78.45 अंक की तेजी में 25,139.35 अंक से हुई। यह नीचे 25,085.50 अंक और ऊपर 25,233.50 अंक को छुने के बाद अंत में 0.63 फीसदी की तेजी में बंद हुआ। चौतरफा लिवाली के बीच मझौली और छोटी कंपनियों में भी उछाल देखा गया। एनएसई में रियलिटी, एफएमसीजी और मीडिया को छोड़कर अन्य सेक्टरों के सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। एनएसई के ज्यादा शेयरों पर आधारित सूचकांकों में निफ्टी-100 में 0.55 प्रतिशत, निफ्टी मिडकैप-50 में 0.44 और निफ्टी स्मॉलकैप-100 में 0.34 फीसदी की तेजी रही।

इन्फ्रा पर जमकर निवेश कर रही सरकार

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार का पूंजीगत खर्च वित्त वर्ष 26 की अप्रैल-मई में बजट अनुमान के 20 प्रतिशत पर पहुंच गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 13 प्रतिशत पर था। यह जानकारी बुधवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। केंद्रीय बजट 2025-26 में पूंजीगत व्यय के लिए 11.21 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे, जो सकल घरेलू उत्पाद का 3.1 प्रतिशत है।

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी केयरएज रेटिंग्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि सरकारी पूंजीगत व्यय में वृद्धि के साथ मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर मजबूत विकास पथ पर अग्रसर प्रतीत होता है, क्योंकि भारत का मैन्युफैक्चरिंग परचेसिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) जून में बढ़कर 58.4 हो गया, जो चौदह महीने का उच्चतम स्तर है। रिपोर्ट में बताया गया कि जून में सर्विसेज पीएमआई 60.4 पर रहा, जो कि बीते 10 महीनों का सबसे उच्चतम स्तर है। हालांकि, इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-मई के बीच सिर्फ 1.9 प्रतिशत बढ़ा है, जो कि पिछले साल 5.7 प्रतिशत पर था। इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन की वृद्धि दर में कमी की वजह बिजली और खान सेक्टर का कमजोर प्रदर्शन था।

वहीं, वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में

- चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में पूंजीगत खर्च बजट अनुमान के 20 प्रतिशत पर पहुंचा

जीएसटी कलेक्शन और ई-वे बिल जनरेशन में क्रमश: 11.8 प्रतिशत और 20.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

रेटिंग एजेंसी ने अपने अनुमान में कहा है कि वित्त वर्ष 26 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत और चालू खाता घाटा 0.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। कम खाद्य मुद्रास्फीति और अनुकूल आधार के बीच, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति जून में घटकर 2.1 प्रतिशत रह गई, जो भारतीय रिजर्व बैंक के 4 प्रतिशत के मध्यम अवधि के लक्ष्य से काफी कम है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि जब तक विकास के लिए नकारात्मक जोखिम सामने नहीं आते, हमें आरबीआई द्वारा दरों में और कटौती की उम्मीद नहीं है।

चावल महंगा, गेहूं सस्ता, तेलों में तेजी, चीनी-गुड़ नरम, दालों में घटबढ़

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू जिंस बाजारों में बुधवार को गेहूं में नरमी रही जबकि चावल के दाम बढ़ गए। खाद्य तेलों में भी तेजी का रुख रहा। दालों में उतार-चढ़ाव देखा गया जबकि गुड़ और चीनी के भाव टूट गए। घरेलू थोक बाजारों में चावल की औसत कीमत 17 रुपए बढ़कर 3,820.07 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं पांच रुपए टूटकर 2,817.06 रुपए प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा भी करीब 11 रुपये सस्ता हुआ और 3,274.03 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा।

खाद्य तेलों में तेजी रही। मूंगफली तेल औसतन 38 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ गया। सरसों तेल 61 रुपए और सोया तेल करीब 33 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हुआ। वनस्पति के दाम में 66 रुपए प्रति क्विंटल की मजबूती दर्ज की गई। सूरजमुखी तेल करीब 67 रुपए और पाम ऑयल लगभग 68 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ा। दाल-दलहनों में तेजी का रुख रहा। दलहन बाजार में मसूर दाल की कीमत लगभग स्थिर रही। चना दाल 24 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हुई। तुअर दाल का औसत भाव करीब 17 रुपए घट गया। उड़द दाल में करीब 24 रुपए प्रति क्विंटल की नरमी रही। दाल मूंग में लगभग दो रुपए की मामूली तेजी रही।

गुड़-चीनी : बाजार में गुड़ के औसत भाव करीब चार रुपए प्रति क्विंटल गिर गए। चीनी भी दो रुपए प्रति क्विंटल सस्ती हुई है। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** दाल चना 7862.15, मसूर काली 8057.45, मूंग दाल 10126.14, उड़द दाल 10487.46, अरहर दाल 10996.74 रुपए प्रति क्विंटल। **अनाज :** (रुपए प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2817.06 रुपए और चावल 3820.07 रुपए प्रति क्विंटल।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का गुजरात सेक्शन दिसम्बर 2027 तक होगा पूरा : वैष्णव

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को संसद को बताया कि वापी और साबरमती के बीच मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) प्रोजेक्ट का गुजरात सेक्शन दिसंबर 2027 तक और पूरा 508 किलोमीटर लंबा प्रोजेक्ट दिसंबर 2029 तक पूरा होने की उम्मीद है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट बहुत जटिल और तकनीकी रूप से गहन है और इसके पूरा होने का सटीक समय का पता तभी लगाया जा सकता है जब इससे जुड़े सभी निर्माण कार्य जैसे सिविल स्ट्रक्चर, ट्रैक, इलेक्ट्रिकल, सिग्नलिंग और दूरसंचार तथा ट्रेनसेट की आपूर्ति पूरी हो जाएगी।

एमएएचएसआर का निर्माण जापानी सरकार की तकनीकी और वित्तीय सहायता से किया जा रहा है। यह प्रोजेक्ट गुजरात, महाराष्ट्र और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और

- 508 किलोमीटर लंबा प्रोजेक्ट दिसम्बर 2029 तक पूरा होने की उम्मीद
- जापान की तकनीकी व वित्तीय सहायता से किया जा रहा एमएएचएसआर का निर्माण

नगर हवेली से होकर गुजर रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में 12 स्टेशनों को बनाने की योजना है। उन्होंने बताया कि 30 जून, 2025 तक इस प्रोजेक्ट पर कुल 78,839 करोड़ रुपए का खर्च किए जा चुके हैं। एमएएचएसआर प्रोजेक्ट की कुल अनुमानित लागत लगभग 1,08,000 करोड़ रुपए है, जिसमें से 81 प्रतिशत यानी 88,000 करोड़ रुपए की फंडिंग जापान इंटरनेशनल कॉरपोरेशन एजेंसी (जेआईसीए) द्वारा की जा रही है, जबकि शेष 19 प्रतिशत यानी 20,000 करोड़ रुपए की फंडिंग रेल मंत्रालय (50 प्रतिशत) और महाराष्ट्र एवं गुजरात राज्य सरकारों (प्रत्येक 25 प्रतिशत) के इक्विटी योगदान से की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण परियोजना 2021 तक प्रभावित रही। हालांकि, वर्तमान में, एमएएचएसआर प्रोजेक्ट के लिए पूरी भूमि (1389.5 हेक्टेयर) अधिग्रहित कर ली गई है।

सार संक्षेप

अमेरिका ने जापान पर 15 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया

टोक्यो। अमेरिका ने जापान पर 15 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा की है। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने इसका स्वागत किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले कहा था कि जापान पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा। मंगलवार को हुए समझौते में हालांकि 15 प्रतिशत पर सहमति बनी। बदले में जापान अमेरिका में भारी निवेश के लिए राजी हुआ है। प्रधानमंत्री इशिबा ने बुधवार को इस समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि जापान के लिए परस्पर अनुवर्ती टैरिफ की दर, जो 25 प्रतिशत बढ़ाने की बात थी, 15 प्रतिशत रखी गई है। यह अमेरिका के साथ व्यापार लाभ वाले देशों के लिए अब तक लगाई गई सबसे कम दर है। उन्होंने बताया कि अमेरिका द्वारा जापानी वाहनों पर भी आयात शुल्क की दर मौजूदा 25 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत की जाएगी। जापान हालांकि किसी भी अमेरिकी उत्पाद के लिए आयात शुल्क में कटौती नहीं करेगा।

डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट जारी

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग आने से अमेरिकी मद्रा की तुलना में बुधवार को रुपया 3.25 पैसे टूट गया। कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 86.4125 रुपए का बोला गया। भारतीय मुद्रा लगातार छठे कारोबार दिवस पर कमजोर हुई है। रिया सिंह ने बताया कि रुपया 86.50 रुपए प्रति डॉलर की तरफ बढ़ रहा है जो चार सप्ताह का निचला स्तर है। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में हो रही देरी से बाजार में निवेशक आशंकित हैं। विशेषकर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद उनकी चिंता और बढ़ गई है जिसमें उन्होंने ब्रिक्स देशों के खिलाफ ऊंचे आयात शुल्क लगाने की बात कही थी। रुपया आज 8.50 पैसे की गिरावट में 86.4650 रुपए प्रति डॉलर पर खुला और यही इसका दिन का निचला स्तर रहा। शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की लिवाली से सुबह के समय यह 86.3450 रुपए प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ।

मोबाइल फोन ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब की ओर बढ़ रहा भारत

नई दिल्ली। भारतीय मोबाइल निर्यात घरेलू मांग को पीछे छोड़ते हुए उत्पादन का प्रमुख चालक बन गया है। बुधवार को जारी एक स्टडी के अनुसार, देश 2014-15 में आयात पर निर्भर मोबाइल बाजार से 2024-25 में ग्लोबल प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट हब बन गया है। 2018-19 से मोबाइल फोन का शुद्ध निर्यात मज़बूत रहा है, क्योंकि निर्यात 2017-18 में 0.2 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 24.1 बिलियन डॉलर हो गया है। भारत केवल आयातित पुर्जों की असेंबलिंग से आगे बढ़कर एक गहन औद्योगिक आधार की ओर बढ़ रहा है, जहां जटिल पुर्जों का स्थानीय स्तर पर निर्माण किया जाता है।

खेल जगत

राष्ट्रीय खेल विधेयक युवाओं के लिए एक अच्छा नवाचार साबित होगा : गौरव गौतम

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। भारत सरकार यह विधेयक संसद में पेश करने जा रही है। गौरव गौतम के अनुसार ऐसे निर्णय युवाओं के लिए अच्छे नवाचार साबित होंगे। भारत सरकार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को भी राष्ट्रीय खेल विधेयक के दायरे में लाने की तैयारी कर रही है। यह ठीक उसी तरह होगा, जैसे बाकी राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) सरकार के नियमों के अंतर्गत आते हैं। खेल मंत्रालय से जुड़े सूत्रों के अनुसार, जब यह कानून बन जाएगा, तो बीसीसीआई के लिए इसके सभी प्रावधानों का पालन करना अनिवार्य होगा। रिपोर्ट के मुताबिक सरकार मौजूदा मानसून सत्र में ही इस विधेयक को पेश करने वाली है। हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने आईएएनएस से कहा कि अगर सरकार यह फैसला लेती है, तो बहुत अच्छा निर्णय होगा।

भारत ने इंग्लैंड से 2–1 से जीती वन डे सीरीज

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 23 जुलाई (देशबन्धु)। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के बेहतरीन शतक और नवोदित तेज गेंदबाज क्रांति गौड के गेंद से 'छक्के' की बदौलत भारत की महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे और आखिरी वन डे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मेजबान इंग्लैंड को मंगलवार रात चेस्टर ली स्ट्रीट में 13 रन से हरा कर सीरीज 2–1 से जीत ली। भारत का श्रीलंका में होने वाले महिला विश्व कप से पहले यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच था। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ लगातार दूसरी वन डे अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज जीती। भारत ने इसी दौरे पर मेजबान इंग्लैंड से पांच टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज 3–2 से जीती थी।

हरमनप्रीत कौर ने कुल 126 रन बनाए वह मैच और इस वन डे सीरीज की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित की गई। 21 बरस 345 दिन की भारत की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ महिला वन डे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक पारी में सबसे कम उम्र में छह या इससे अधिक विकेट चटकाने वाली सबसे कम उम्र की गेंदबाज रही। क्रांति ने इंग्लैंड की जो जो चैम्बरलिन के 22 बरस 85 दिन की उम्र में डेनमार्क के खिलाफ 1991 में आठ रन देकर सात विकेट लेने के रिकॉर्ड को तोड़ा।

हरमनप्रीत कौर के 84गेंदों में 14 चौकों पर 102 रनों और तीसरे विकेट के लिए हरलीन देयोल(45 रन, 65 गेंद, चार चौके) के साथ तीसरे विकेट की 81 और जेमिमा रॉड्रिग्ज (50 रन, 45 गेंद, 7 चौके) के साथ 111 रन और खुद पांचवीं बल्लेबाज के रूप में बाएं हाथ की स्पिनर लिंसी स्मिथ की गेंद को ड्राइव करने की कोशिश में इंग्लैड की कप्तान नैट शिवर ब्रंट को कैच थमाने से पहले ऋचा घोष (38 रन, 18 गेंद, 2 छक्के, तीन चौके) के साथ पांचवें विकेट की 32 रन की भागीदारी की बदौलत भारत ने टॉस जीत कर चेस्टर ली स्ट्रीट में पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में पांच विकेट पर 318 रन का पहाड़ का सा स्कोर बनाया ।राड्रिग्ज ने ऑफ स्पिनर चार्ली डीन के दो ओवर में उनकी गेंदों पर चार चार चौके जड़े। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपने वन डे अंतरराष्ट्रीय करियर का सातवां शतक पूरा किया। हरमनप्रीत जब 22 रन पर थी तब फाइलर की गेंद उनके पैड पर लगी लेकिन इंग्लैंड ने रिव्यू नहीं वह आउट होने से बच गईऔर भारत का स्कोर दो विकेट प 132 रन था। जवाब में क्रांति गौड (6/52) और बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचारिणी (2/68) ने मिलकर आपस में आठ विकेट विकेट बांट का कप्तान नेट शिवर ब्रंट (98 रन, 105 गेंद। 12 चौके) की एमा लैंब (68 रन, 81 गेंद, पांच चौके) के साथ तीसरे विकेट की 162 तथा खुद चौथी बल्लेबाज के रूप में ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा की गेंद पर विकेटकीपर ऋचा घोष को कैच थमाने से पहले आउट होने से पहले चौथे विकेट के लिए सोफिया डंकले(34 रन, 36गेंद, दो चौके) के साथ चौथे विकेट की 25 रन की भागीदारी के बावजूद इंग्लैंड को 49.5ओवर में 305 पर आउट कर भारत को मैच और सीरीज जिता दी। भारत की तेज गेंदबाज क्रांति गौड ने इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज एमी जोंय (4 रन, 5 गेंद)और टैमी ब्यूमोंट (2 रन, 5 गेंद) को अपने शुरू के दो ओवर में मात्र आठ रन के भीतर आउट करने के बाद चार्ली डीन (21 रन, 15 गेंद, 2 चौके), एलिस डेविडसन रिचडर्स (44 रन ,34 गेंद, एक छक्का, 2 चौके) र फिर अपने आखिरी दो ओवर मे लॉरेन फाइनल (0 रन, 1 गेंद)और लॉरेन बेल (7 रन, 4 गेंद, एक छक्का) को आउट कर गेंद से छक्का जड़ इंग्लैंड की पारी समेट भारत को जीत दिलाई। श्रीचारिणी ने एमा लैम्ब को बोल्ड किया और सोपी एकेलस्टोन को जेमिमा के हाथों कैच कराया।

इससे पहले टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी प्रतीका रावल (26 रन, 33 गेंद, दो चौके) और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने तेज आगाज कर 12.1 ओवर में भारत के लिए 64 रन जोड़े की प्रतीका न चार्ली डीन की गेंद को कट करने की कोशिश में विकेटकीपर जोंस को कैच थमा दिया। भारत के स्कोर में 17 रन और जुड़े थे कि स्मृति मंधाना (45 रन,54 गेंद, 5 चौके) ने बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एकेलस्टोन की गेंद को ड्राइव करने की कोशिश में मिडविकेट पर डंकले को कैच थमा दिया। हरलीन देयोल ने लॉरेन बेल की गेंद को उड़ाने की कोशिश में शॉर्ट मिडविकेट पर नैट शिवर ब्रंट को कैच थमाया और भारत ने तीसरा विकेट 33 वें ओवर में 162 रन पर खो दिया। जेमिमा रॉड्रिग्ज ने अपनी कप्तान के हरमनप्रीत कौर के साथ मिलकर तेजी से भारत की पारी को रफ्तार दी लेकिन जब भारत का स्कोर 272 रन पर पहुंचा तो वह तेज गेंदबाज लॉरेन फाइलर की बाउंसर को उड़ाने की कोशिश में विकेटकीपर जोंस को केच थमा चौथी बल्लेबाज के रूप में आउट हुई।

'इंग्लैंड से तीन वन डे मैचों की सीरीज भी जीतना बहुत बड़ा क्षण'

'इंग्लैंड से तीन वन डे मैचों की सीरीज भी जीतना हम सभी के लिए बहुत बड़ा क्षण है और हम इन दोनो सीरीज में जिस तरह खेले उससे वाकई खुश हैं। इसका श्रेय हमारी टीम की जुगलबंदी और सपोर्ट स्टाफ को जाता है। हमारी टीम ने मैदान और उससे बाहर शानदार काम किया। हमारी टीम हर किसी को जब भी मौका मिला उसे उसने दोनों हाथों से लपका। मैदान पर बढ़िया प्रयासों का सिला मिला। हमारी टीम की नवोदित खिलाड़ी क्रांति गौड और बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचारिणी को वूमन प्रीमियर लीग में खेलने का अनुभव है और दोनों ही वहां अपनी अपनी टीम स्ट्राइक गेंदबाज थी और दोनों हमेशा गेंदबाजी को तैयार दिखी। क्रांति सहित अपनी सब गेंदबाजों की बहुत खुश हूं और इससे साफ हो गया वे मैच और सीरीज जीतने को बेताब थीं। हमारे फील्डिंग कोच मुनीष बाली सर को इस बात का श्रेय जाता है वे टीम की खिलाड़ियों के साथ बहुत मेहनत कर रहे हैं।

मैनचेस्टर टेस्ट : दूसरे सत्र में भारत ने 149 रनों पर गंवाए तीन विकेट

मैनचेस्टर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में जारी सीरीज के चौथे टेस्ट के दूसरे सत्र की समाप्ति पर भारतीय टीम ने 3 विकेट के नुकसान पर 149 रन बना लिए हैं। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का निमंत्रण दिया था। पहले सत्र में भारत ने ठोस शुरुआत की थी और बिना कोई विकेट गंवाए 78 रन बनाए थे। लेकिन, दूसरे सत्र में भारत ने अपने दोनों ओपनर्स और कप्तान शुभमन गिल का विकेट गंवा दिया।

भारत का पहला विकेट 94 के स्कोर पर गिरा। केएल राहुल 46 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, 120 के स्कोर पर यशस्वी जायसवाल के रूप में दूसरा झटका लगा। जायसवाल अपना अर्धशतक पूरा करने के ठीक बाद 58 रन बनाकर आउट हुए। जायसवाल को आठ साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी कर रहे लियाम डॉसन ने आउट किया। साई सुदर्शन और शुभमन गिल ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन 140 के स्कोर पर गिल के रूप में भारत को तीसरा झटका लगा। गिल 12 रन बनाकर आउट हुए। लॉर्ड्स टेस्ट में हुए विवाद का असर गिल की फॉर्म पर अब तक दिख रहा है। अच्छी शुरुआत के बाद भी वह बड़ी पारी नहीं खेल सके। साई सुदर्शन 26 और ऋषभ पंत 3 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। भारतीय टीम को अगर बड़ा स्कोर खड़ा करना है तो सुदर्शन या पंत में से किसी एक को एक बड़ी पारी खेलनी होगी। क्रिस वोक्स, बेन स्टोक्स, लियाम डॉसन को 1-1 विकेट मिले हैं। सीरीज में 2–1 से पीछे चल रही भारतीय टीम इस टेस्ट में तीन बदलाव के साथ उतरी है। करुण नायर को ड्रॉप कर दिया गया है, जबकि आकाश दीप और नितीश कुमार रेड्डी इंजरी की वजह से टीम से बाहर हैं।

1,000 टेस्ट रन बनाने वाले पांचवें भारतीय बल्लेबाज बने राहुल

मैनचेस्टर। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज खिलाड़ी केएल राहुल इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज में बतौर ओपनर शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। राहुल इस सीरीज में शानदार फॉर्म में हैं। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे चौथे टेस्ट में राहुल ने एक शानदार उपलब्धि अपने नाम की। वह इंग्लैंड की धरती पर 1,000 टेस्ट रन बनाने वाले पांचवें भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

विलियम्स बनीं टूर-स्तरीय सिंगल्स मैच जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी

वाशिंगटन, 23 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 वीनस विलियम्स ने बुधवार को डीसी ओपन' विमेंस सिंगल्स के पहले दौर के मुकाबले में विश्व नंबर-35 पीटन स्टर्न्स को 6-3, 6-4 से हराया। यह 16 महीनों में वीनस का पहला सिंगल्स मैच था। इसी के साथ 45 वर्षीय वीनस विलियम्स टूर-स्तरीय सिंगल्स मैच जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बन गईं। इस लिस्ट में मार्टिना नवरातिलोवा शीर्ष पर हैं, जिन्होंने साल 2004 के विंबलडन में कैटालिना कास्टानो को शिकस्त दी थी। उस समय मार्टिना नवरातिलोवा 47 साल की थीं। ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद वीनस विलियम्स ने कहा, यह पहला कदम है। पहला मैच हमेशा बेहद मुश्किल होता है। लंबे ब्रेक के बाद पहला मैच खेलना कितना कठिन होता है, इसे बयां करना मुश्किल है। उन्होंने आगे कहा, मैच में उतरते समय मुझे पता था कि मेरे पास जीतने की क्षमता है, लेकिन असल बात जीतकर दिखाना है। इसलिए अच्छा खेलना और जीतना सबसे बेहतरीन है। मैं यहां अपने दोस्तों, परिवार, प्रियजनों और फैंस के साथ हूं, जिन्हें प्यार करती हूं। वह भी मुझे प्यार करते हैं। 2023 के सिनसिनाटी टूर्नामेंट में वीनस विलियम्स ने तत्कालीन विश्व नंबर-16 वेरोनिका कुडरमेतोवा को हराया था। मतलब लगभग दो साल के अंतराल पर उनकी आखिरी दो जीत टॉप-35 खिलाड़ियों के खिलाफ रही हैं।

यह पहला कदम है। पहला मैच हमेशा बेहद मुश्किल होता है। लंबे ब्रेक के बाद पहला मैच खेलना कितना कठिन होता है, इसे बयां करना मुश्किल है : वीनस विलियम्स

वीनस का दूसरे दौर में एक अन्य टॉप-35 खिलाड़ी से मुकाबला होगा। दूसरे दौर में उनकी पहली भिड़ंत पोलैंड की विश्व नंबर-24 मैग्डालेना फ्रेच से होगी। 5वीं वरीयता प्राप्त फ्रेच ने सोमवार को पहले दौर में क्वालीफायर यूलिया स्टारोडुबत्सेवा को 6-2, 6-4 से शिकस्त दी है। इससे पहले, वीनस ने 16 महीनों में अपने पहले पेशेवर टेनिस मैच में जीत हासिल की। मंगलवार को उन्होंने 'डीसी ओपन' विमेंस डबल्स के पहले दौर में हैली बैप्टिस्ट के साथ मिलकर युगल वाइल्ड कार्डधारी यूजिनी बाउचार्ड और क्लर्वी न्गूनू को हराया था।

पीवी सिंधु और 17 वर्षीय उन्नति हुड्डा प्री-क्वार्टर फाइनल में

चांगझोउ, 23 जुलाई, (एजेंसियां)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने बुधवार को चांगझोउ के ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर जिम्नेजियम में चल रहे प्रतिष्ठित बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट चाइना ओपन 2025 में रोमांचक जीत के साथ महिला एकल के राउंड-ऑफ-16 में प्रवेश किया। विश्व नंबर 6 जापान की तोमोका मियाजाकी के खिलाफ, सिंधु (विश्व रैंकिंग 15) ने अपनी विशिष्ट दृढ़ता का परिचय देते हुए तीन गेमों के कड़े मुकाबले में 21-15, 8-21, 21-17 से जीत हासिल की। दूसरा गेम हारने के बाद, भारतीय खिलाड़ी ने निर्णायक गेम में बढ़त बनाए रखते हुए जीत पक्की कर ली ।सिंधु का प्री क्वार्टर फाइनल में 17 वर्षीय उन्नति हुड्डा से मुकाबला होगा जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनुभवी स्कॉटिश शटलर क्रिस्टी गिलमोर को केवल 36 मिनट में 21-11, 21-16 से हराया।

चैंपियंस लीग टी-20 10 साल से ज्यादा समय के बाद वापसी के लिए तैयार

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। चैंपियंस लीग ट्वंटी20 (सीएलटी20) वापसी के लिए तैयार है – और इसका दूसरा संस्करण बड़ा और बेहतर होगा। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सदस्यों ने, जिन्होंने हाल ही में सिंगापुर में आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान बैठक की, विभिन्न देशों की घरेलू ट्वंटी20 लीगों की फ्रेंचाइजी वाली इस टूर्नामेंट को फिर से शुरू करने का औपचारिक निर्णय लिया। अगर सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो लीग अगले साल की शुरुआत में फिर से शुरू हो सकती है। क्रिकबज को पता चला है कि अंतरराष्ट्रीय बोर्ड जल्द ही लीग की रूपरेखा पर विचार-विमर्श के लिए बैठक करेंगे, खासकर इस तथ्य को देखते हुए कि कई फ्रेंचाइजी मालिकों की टीमें कई देशों में हैं। इस क्रॉस-टीम स्वामित्व संरचना को संबोधित करना नियामकों के लिए एक प्रमुख चुनौती होगी, जिनसे अपेक्षा की जाती है – जैसा कि पहले भी होता रहा है – कि वे लीग के संचालन के लिए एक गवर्निंग काउंसिल (जीसी) या बोर्ड का गठन करें ।नियामकों के सामने एक और बड़ी चुनौती लीग के पैमाने और दायरे का निर्धारण करना होगा। जब 2015 में चैंपियंस लीग टी20 बंद कर दिया गया था, तब फ्रेंचाइजी-आधारित प्रतियोगिताएं केवल कुछ प्रमुख टेस्ट खेलने वाले देशों में ही मौजूद थीं। दस साल बाद, टी20 परिदृश्य में भारी और नाटकीय बदलाव आया है – क्रिकेट जगत में लीगों की बाढ़ आ गई है, यहाँ तक कि अमेरिका और यूएई जैसे एसोसिएट देश भी अपने टूर्नामेंट चला रहे हैं। नेपाल और कनाडा जैसे देश भी

पाकिस्तान को एफआईएच हॉकी प्रो लीग में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण मिला

लुसाने (स्विट्जरलैंड), 23 जुलाई (एजेंसियां)। हॉकी न्यूजीलैंड द्वारा पिछले महीने एफआईएच हॉकी नेशंस कप जीतने के बावजूद अगले एफआईएच हॉकी प्रो लीग पुरुष सत्र में भाग न लेने के अपने निर्णय की अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) को सूचना देने के बाद, एफआईएच ने नियमों के अनुसार, नेशंस कप उपविजेता, यानी पाकिस्तान को 2025-26 प्रो लीग संस्करण में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। पाकिस्तान हॉकी संघ को निमंत्रण स्वीकार या अस्वीकार करने के अपने निर्णय के बारे में एफआईएच को सूचित करने के लिए 12 अगस्त तक की समय सीमा दी गई है। 2024-25 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में डच महिला और पुरुष दोनों टीमों को चैंपियन घोषित किया गया। आगामी सत्र 'लीग ऑफ द' का सातवां सत्र होगा।

चार बल्लेबाज, जिनके नाम 'मैनचेस्टर' में सर्वाधिक तीन शतक

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के 'ओल्ड ट्रैफर्ड' मैदान पर टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला खेला जाना है। टेस्ट फॉर्मेट में इस मैदान पर सिर्फ चार बल्लेबाज तीन शतक जमा सके हैं। आइए, इनके बारे में जानते हैं। कथबर्ट गॉर्डन ग्रीनिज: वेस्टइंडीज के इस बल्लेबाज ने साल 1976 से लेकर 1988 के बीच ओल्ड ट्रैफर्ड में चार टेस्ट मैच खेले, जिसकी पांच पारियों में उन्होंने 100.60 की औसत के साथ कुल 503 रन बनाए। ग्रीनिज ने इस मैदान पर 223 रन की पारी भी खेली है।

डेनिस कॉम्पटन :इंग्लैंड के इस खिलाड़ी ने साल 1939 से 1955 के बीच ओल्ड ट्रैफर्ड में कुल आठ टेस्ट खेले, जिसकी 13 पारियों में 81.80 की औसत के साथ 818 रन अपने नाम किए। इस मैदान पर 158 रन की पारी खेल चुके कॉम्पटन यहां तीन शतकों के अलावा चार अर्धशतक भी जमा चुके हैं।

एलिस्टेयर कुक : साल 2006 से 2017 के बीच इंग्लैंड के इस दिग्गज खिलाड़ी ने यहां कुल आठ टेस्ट खेले, जिसकी 13 पारियों में 57.08 की औसत के साथ 685 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने तीन शतक और इतने ही अर्धशतक जमाए। ओल्ड ट्रैफर्ड में उन्होंने 127 रन की पारी भी खेली है।

एलेक्स स्टीवर्ट इंग्लैंड के इस खिलाड़ी ने साल 1992 से 2002 के बीच यहां नौ टेस्ट खेले, जिसकी 14 पारियों में 58.66 की औसत के साथ 704 रन बनाए। ओल्ड ट्रैफर्ड के मैदान पर उन्होंने तीन शतक और एक अर्धशतक लगाए। स्टीवर्ट ने यहां साउथ अफ्रीका के खिलाफ 164 रन की पारी भी खेली है। भले ही मैनचेस्टर में सबसे ज्यादा शतक लगाने वालों में जो रूट का नाम नहीं है, लेकिन वह इस मैदान पर सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

आंद्रे रसेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

किंग्स्टन, 23 जुलाई (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के पावर हिटर आंद्रे रसेल ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में ताबड़तोड़ पारी के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा। हालांकि, सबीना पार्क में उनकी टीम को आठ विकेट से करारी हार झेलनी पड़ गई। आंद्रे रसेल टी20 सीरीज से पहले ही संन्यास की घोषणा कर चुके थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मुकाबलों की सीरीज के शुरुआती दो मैच उनके अंतरराष्ट्रीय करियर के अंतिम मुकाबले थे। आंद्रे रसेल अपने गृहनगर में विदाई मैच खेलना चाहते थे।आंद्रे रसेल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में उस समय बल्लेबाजी के लिए उतरे, जब टीम 98 के स्कोर तक अपने पांच विकेट गंवा चुकी थी। उन्होंने 15 गेंदों की पारी में चार छक्के और दो चौके लगाए। 37 वर्षीय आंद्रे रसेल ने फैंस को उनके सपोर्ट के लिए धन्यवाद देते हुए स्वीकारा कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया है। साल 2012 और 2016 में टी20 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रह चुके आंद्रे रसेल ने कहा कि मैं सबीना पार्क के लोगों और वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड को इसके लिए धन्यवाद कहना चाहता हूं। घरेलू दर्शकों के सामने खेलकर बहुत खुशी हुई। नतीजा हमारे पक्ष में नहीं रहा, लेकिन मैं इतने सारे मैच खेलकर खुश हूं और टीम को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। आप सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि हमने दो विश्व कप जीते, लेकिन लगता है कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया था। हमारी टीम में कई अच्छे खिलाड़ी हैं। रोमारियो शेफर्ड, शेरफेन रदरफोर्ड, अल्जारी जोसेफ और जेसन होल्डर जैसे खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सबीना पार्क में अपना करियर खत्म करना अद्भुत है। नतीजा हमारे पक्ष में नहीं रहा, लेकिन यही क्रिकेट का खेल है। आपने हमारा बहुत समर्थन किया है और आगे भी करते रहिएगा।

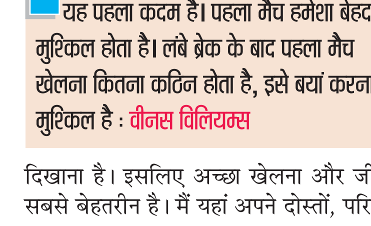

■ आंद्रे रसेल अपने गृहनगर में विदाई मैच खेलना चाहते थे

वेस्टइंडीज को आठ विकेट से रौंदकर ऑस्ट्रेलिया ने टी20 सीरीज में बनाई 2-0 से लीड

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ जमैका में खेले गए दूसरे टी20 मैच को आठ विकेट से अपने नाम किया। इसी के साथ मेहमान टीम ने पांच मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से बढ़त हासिल कर ली है। मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने आठ विकेट खोकर 172 रन बनाए। ब्रैंडन किंग और कप्तान शाई होप ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों के बीच आठ ओवरों में 63 रन की साझेदारी हुई। ब्रैंडन किंग ने 36 गेंदों में चार छक्कों और तीन चौकों की मदद से 51 रन की पारी खेली, जबकि शाई होप महज नौ रन बनाकर पवेलियन लौटे। टीम 98 के स्कोर तक अपने पांच विकेट गंवा चुकी थी। यहां से आंद्रे रसेल ने वेस्टइंडीज को संभालते हुए उसे मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। आंद्रे रसेल ने 15 गेंदों में 36 रन की पारी खेली, जिसमें चार छक्के और दो चौके शामिल रहे, जबकि गुडाकेश मोती ने नौ गेंदों में 18 रन की नाबाद पारी खेलते हुए टीम को 172/8 के स्कोर तक पहुंचाया। विपक्षी टीम की ओर से एडम जांपा ने सर्वाधिक तीन विकेट झटके, जबकि नाथन एलिस और ग्लेन मैक्सवेल ने दो-दो सफलता हासिल की। बेन ड्वारशुइस ने एक विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए महज 15.2 ओवरों में ही जीत दर्ज कर ली ।टीम 42 के स्कोर तक ग्लेन मैक्सवेल (12) और कप्तान मिशेल मार्श (21) का विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद जोश इंगलिस ने कैमरून ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए 131 रन की अटूट साझेदारी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 28 गेंदें शेष रहते जीत दिला दी। जोश इंगलिस ने 33 गेंदों में पांच छक्कों और सात चौकों के साथ 78 रन बनाए, जबकि कैमरून ग्रीन 32 गेंदों में 56 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी पारी में चार छक्के और तीन चौके शामिल थे। मेजबान टीम के लिए जेसन होल्डर और अल्जारी जोसेफ को एक-एक विकेट हाथ लगे।

सार संक्षेप

एशिया/अफ्रीका प्ले-ऑफ की मेजबानी करेगा

कंपाला। युगांडा रग्बी विश्व कप 2027 के लिए एशिया/अफ्रीका प्ले-ऑफ मैच की मेजबानी करेगा। यह मुकाबला मंडेला नेशनल स्टेडियम में 26 जुलाई को नामीबिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच खेला जाएगा। अफ्रीकी क्वालीफायर में जिम्बाब्वे से हारने वाले नामीबिया के पास यूएई के खिलाफ इस निर्णायक मुकाबले में अपनी विश्वकप की उम्मीदों को जिंदा रखने का दूसरा मौका होगा। मेजबानी को लेकर रग्बी अफ्रीका के अध्यक्ष हर्बर्ट मेन्सा ने कहा कि हमें खुशी है कि एशिया/अफ्रीका प्ले-ऑफ भी युगांडा में होगा। युगांडा के लिए एक और बड़े मैच की मेजबानी करना एक शानदार अवसर है। हम इसे संभव बनाने के लिए सरकार और युगांडा रग्बी यूनियन के आभारी हैं। यूएई की टीम मंगलवार को युगांडा पहुंच गई है। नामीबिया पर जीत से यूएई नवंबर 2025 में होने वाले विश्व रग्बी रेपचेज टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर जायेगी और उसके पास ऑस्ट्रेलिया में होने वाले 2027 विश्वकप में जगह बनाने के लिए और मौका मिल जायेगा। रेपचेज चार टीमों का राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट होगा जिसमें एशिया/अफ्रीका प्ले-ऑफ विजेता, यूरोप की पांचवें स्थान पर रहने वाली टीम, दक्षिण अमेरिका की तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम और दक्षिण अमेरिका/प्रशांत प्ले-ऑफ की हारने वाली टीम शामिल होगी।

पाकिस्तान की महिला टीम में अनकैप्ड एमान शामिल

लाहौर। पाकिस्तान ने छह अगस्त से शुरु होने वाले आयरलैंड दौरे के तीन टी-20 मैचों के लिए फातिमा सना की अगुवाई वाली 15 सदस्यीय टीम में अनकैप्ड बल्लेबाज एमान फातिमा को शामिल किया है। छह से 10 अगस्त तक चलने वाली इस टी-20 सीरीज के मैच डबलिन के क्लोंटार्फ क्रिकेट क्लब में खेले जायेंगे। अनकैप्ड एमान फातिमा ने राष्ट्रीय महिला टी-20 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर टीम में जगह बनाई। उन्होंने आठ मैचों में 155.14 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से 287 रन बनाए। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने 2023 में होने वाले पहले महिला अंडर-19 विश्वकप में भी पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया था। 15 सदस्यीय टीम द्विपक्षीय श्रृंखला में भाग लेने के लिए आयरलैंड रवाना होने से पहले कराची में एक प्री-सीरीज प्रशिक्षण शिविर में भाग लेगी।

पंकज आडवाणी : बिलियर्ड्स और स्नूकर में देश का झंडा विश्व में फहराने वाले खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारत में क्रिकेटर्स से ज्यादा चर्चा और लोकप्रियता किसी भी दूसरे खेल के खिलाड़ी को नहीं मिलती। लेकिन, कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अपने खेल प्रतिभा के जरिए देश को एक नहीं बल्कि कई बार चैंपियन बनाया है। वह भी क्रिकेटर्स की तरह लोकप्रियता के हकदार हैं। पंकज आडवाणी एक ऐसे ही खिलाड़ी हैं। पंकज आडवाणी एक अंतर्राष्ट्रीय बिलियर्ड्स और स्नूकर खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 24 जुलाई 1985 को महाराष्ट्र के पुणे में हुआ था। उन्हें 'द प्रिंस ऑफ पुणे' के नाम से भी जाता है।